कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

www.koylanchalsamvad.com

रांची, शुक्रवार, 11 अक्टूबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 149

मूल्य : 2 रुपए

राजनाथ सिंह 11 राज्यों के 75 इंफ्रा-प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे... | टाटा समूह की विरासत के गौरव रतन टाटा का निधन | संघर्षों के बीच सफलता की कहानी लिखती...

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर में 3 दिन में बड़ी तादाद में हथियार बरामद, सेना और पुलिस ने मिलकर चलाया ऑपरेशन

इंफाल(ईएमएस)। मणिपुर में इंफाल पूर्वी जिले के चम्फाई पहाड़ी में बुधवार को सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए। पुलिस ने बताया कि मणिपुर के विभिन्न हिस्सों में एक ऑपरेशन चलाया गया जिसमें पिछले तीन दिनों में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने चम्फाई से एम-16 राइफल, 22 राइफल, 2 एसएलआर, देशी स्टेन गन, 2 कार्बाइन, 8 पिस्तौल, 12 मोर्टार और 30 मैगजीन जब्त कीं। वहीं लुवांगशांगबाम इलाके में एक अन्य ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने 32 बोर की 2 पिस्तौल, 9 एमएम की 1 पिस्तौल समेत अन्य चीजें बरामद की। इसी तरह का एक ऑपरेशन खेलाखोंग और बिष्णुपुर जिले के गेलबुंग गांव में भी चलाया गया। जहां उन्हें एके-47 राइफल, 12 बोर की एक सिंगल बैरल राइफल, 5 डेटोनेटर और ढाई किलोग्राम आईईडी जब्त की।

भारत में बनने जा रहीं दो न्यूक्लियर सबमरीन, केंद्र सरकार ने दी 40 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को मंजूरी

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत सरकार की ष्टष्टस् यानी प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने दो स्वदेशी परमाणु पनडुब्बियों को बनाने की अनुमति दे दी है। इससे भारतीय नौसेना की सामरिक और आक्रामक क्षमता में बढ़ोतरी होगी। इन पनडुब्बियों के बनने से नौसेना की ताकत हिंद महासागर क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में अधिक हो जाएगी। इन पनडुब्बियों को विशाखापट्टनम के शिप बिल्डिंग सेंटर में बनाया जाएगा। इस बनाने में लार्सेन एंड टुब्रो जैसी निजी कंपनियों की मदद भी ली जा सकती है। पनडुब्बियां 95 फीसदी तक स्वदेशी होंगी। ये पनडुब्बियां अरिहंत क्लास से अलग होंगी। इन्हें प्रोजेक्ट एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल के तहत बनाया जाएगा। अभी दो पनडुब्बियां बनेंगी, इसके बाद चार और बनाई जा सकती है। जबकि भारत ने हाल ही में अपनी दूसरी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघात कमीशन की है। अगले साल भर के अंदर भारतीय नौसेना में अलग-अलग तरह के कई युद्धपोत और सबमरीन मिलने वाले हैं। इन 12 जंगी जहाजों में फ्रिगेट्स, कॉर्वेट्स, डेस्ट्रॉयर्स, सबमरीन और सर्वे वेसल भी हैं। नौसेना में इनके शामिल होने से इंडियन ओशन रीजन में सुरक्षा का स्तर बढ़ जाएगा।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन जारी रहेगा: अखिलेश

इटावा,(ईएमएस)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी का इंडिया गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस से गठबंधन जारी रहेगा। जल्द ही यूपी की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। सपा इनमें से छह सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद सपा और कांग्रेस के गठबंधन के बरकरार रहने को लेकर उठ रहे सवालों को लेकर अखिलेश का यह बयान अहम माना जा रहा है। अखिलेश ने सैफई में अपने पिता मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि के अवसर कांग्रेस से गठबंधन जारी रहने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि आज समय नहीं है इस पर चर्चा करने का लेकिन जहां तक इंडिया गठबंधन का सवाल है तो मैं कहना चाहूंगा कि सपा और कांग्रेस का गठबंधन जारी रहेगा। सपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद बुधवार को उपचुनाव वाली 10 में से छह सीटों फूलपुर, मझवां, करहल, कटेहरी, मिल्कीपुर और सीसामऊ पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। कांग्रेस उनमें से फूलपुर और मझवां सीटों पर दावेदारी कर रही थी। ऐसे में सपा और कांग्रेस के गठबंधन को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। सपा और कांग्रेस ने 'इंडिया गठबंधन के तहत पिछला लोकसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें बेहतर प्रदर्शन करते हुए सपा ने यूपी में 37 और कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की थी। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार पर उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव पर चर्चा अभी करना ठीक नहीं है।

अवकाश

दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर कोयलांचल संवाद के ऑफिस में 11 और 12 अक्टूबर को अवकाश रहेगा। अतः आपको अगला अंक 14 अक्टूबर को प्राप्त होगा।

एक युग का अंत... पंचतत्व में विलीन हुए रतन टाटा

वर्ली श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार: पहले गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

मुंबई : टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का गुरुवार 10 अक्टूबर को मुंबई के वर्ली श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। इससे पहले पार्थिव शरीर नरीमन पॉइंट स्थित नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। यहां से उनकी अंतिम यात्रा वर्ली के श्मशान घाट पहुंची। अंतिम संस्कार के पहले उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। रतन टाटा ने 86 साल की उम्र में बुधवार देर रात करीब 11 बजे अंतिम सांस ली। वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेंसिव केयर यूनिट में एडमिट थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, मुकेश अंबानी और कुमार मंगलम बिड़ला समेत राजनीति, खेल और बिजनेस से जुड़ी कई हस्तियों ने टाटा को श्रद्धांजलि दी। अमिताभ बच्चन ने लिखा, 'एक युग का अंत हो गया।'

पारसी परंपरा से किया गया अंतिम संस्कार

रतन टाटा पंप तत्व में विलीन हो गये हैं. शवदाह गृह में मौजूद एक धर्मगुरु ने बताया कि अंतिम संस्कार पारसी परंपरा के अनुसार किया गया. उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार के बाद दिवंगत उद्योगपति के दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित बंगले में तीन दिन तक अनुष्ठान किए जाएंगे. बता दें, पद्म विभूषण से सम्मानित रतन टाटा का बुधवार रात मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया था.

ब्रिटेन के मंत्री ने उद्योग जगत के 'रत्न' रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी

ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने दिवंगत रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें उद्योग जगत का ''रत्न'' बताया और कहा कि टाटा ने ब्रिटिश उद्योग को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. बुधवार रात टाटा समूह के प्रमुख रतन टाटा के निधन की खबर सामने आने के तुरंत बाद मंत्री ने सोशल मीडिया पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी. टाटा को मुंबई स्थित अपनी कंपनी को ब्रिटेन में सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक के रूप में प्रतिष्ठा दिलाने का श्रेय दिया जाता है.

मोदी-राहुल और सुंदर पिचाई समेत बिजनेस घरानों ने शोक जताया

राष्ट्रपति मुर्मू: भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉर्पोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है।

पीएम नरेंद्र मोदी: टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक टाटा ग्रुप को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया।

राहुल गांधी: रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने बिजनेस और परोपकार दोनों पर कभी न मिटने वाली छाप छोड़ी है। उनके परिवार और टाटा कम्युनिटी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

राज्यपाल संतोष गंगवार व सीएम हेमंत सोरेन ने रतन टाटा के निधन पर शोक प्रकट किया, *एक दिन का राजकीय शोक*

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने देश के सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रतन टाटा के असामयिक निधन पर एक दिन का राजकीय शोक की घोषणा की. मुख्यमंत्री ने दुःख एवं संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि रतन टाटा देश के अनमोल रत्न थे. उन्होंने उद्योग जगत के साथ-साथ समाजसेवा एवं परोपकार के क्षेत्र में देश और दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ी है, जिसे कभी भुलाया नही जा सकता है. वे एक सच्चे राष्ट्रवादी थे उनका जीवन उपलब्धियों से भरा रहा है. श्री रतन टाटा एक-एक देशवासियों के दिलों में राज करते थे. इनका निधन राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है. ईश्वर इस पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें. ॐ शांति, ॐ शांति!

राज्यपाल संतोष गंगवार ने अपने शोक संदेश में कहा है कि उनकी विनम्रता और परोपकार की भावना सदियों तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी. उनका जाना देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है. ईश्वर से प्रार्थना है कि उनके परिवारजनों और प्रशंसकों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें. विनम्र श्रद्धांजलि.

हजारीबाग: चौपारण को डिग्री कॉलेज की सौगात, 37 करोड़ स्वीकृत

हजारीबाग: चौपारण सहित बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक उमाशंकर अकेला ने शिक्षा व बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक से बढ़कर एक महत्वपूर्ण कदम उठाने का लक्ष्य के साथ कदम बढ़ा रहे हैं. उनके अथक प्रयास ने चौपारण प्रखंड की पांडेयबारा पंचायत में डिग्री कॉलेज के निर्माण के लिए राज्य सरकार से 37 करोड़ 85 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है. कैबिनेट से भी इसको मंजूरी मिल चुकी है.

विधायक उमाशंकर अकेला ने इस ऐतिहासिक निर्णय के बारे में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मैं केवल विकास का अध्याय नहीं लिख रहा हूं, बल्कि चौपारण का भौगोलिक परिदृश्य को बदल कर इतिहास रच रहा हूं. अकेला ने कहा कि यह कॉलेज ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के लिए शिक्षा का एक बड़ा अवसर साबित होगा. खासकर उन परिवारों के लिए जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है और वे अपने बच्चों को बाहर पढ़ने भेजने में असमर्थ हैं. इस परियोजना से स्थानीय युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी. इसके अलावा विधायक अकेला के अथक प्रयासों से 14 करोड़ 69 लाख रुपये की लागत से एक पुल परियोजना को भी प्रशासनिक स्वीकृति मिली है. यह पुल प्रखंड मुख्यालय से 26 किमी दूर झारखंड-बिहार को बांटने वाला भगहर पंचायत के ग्राम परसातरी में ढाढर नदी पर बनाया जाएगा, जो झारखंड और बिहार को जोड़ेगा. इस पुल का निर्माण मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत होगा. इस निर्णय से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और ग्रामीणों ने विधायक उमाशंकर अकेला की सराहना की है. स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कदम क्षेत्र के विकास के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है.

त्योहारी सीजन में रेलवे ने दी संताल परगना को सौगात

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और निशिकांत दुबे ने दिखाई हरी झंडी

दुर्गा पूजा के दौरान रेलवे ने संताल परगना को बड़ी सौगात दी है. रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने अगरतला-आनंद विहार तेजस राजधानी एक्सप्रेस और साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.

साहिबगंज रेलवे स्टेशन में हुआ कार्यक्रम

साहिबगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर गुरुवार को दोपहर 2 बजे मालदा रेल मंडल की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया. दिल्ली से रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे तो वहीं साहिबगंज स्टेशन पर मौजूद राजमहल विधायक अनंत ओझा ने हरी झंडी दिखाकर अगरतला-आनंद विहार तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव व साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना किया. साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम मे राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत ओझा, मालदा रेल मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता, डीएमई एचपी तिवारी के मुख्य रूप से मौजूद थे.

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रेल मंत्री और निशिकांत दुबे

कार्यक्रम के तहत दिल्ली से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व सांसद निशिकांत दुबे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े थे. पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व सांसद निशिकांत दुबे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एवं साहिबगंज से विधायक अनंत ओझा व डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर 20501 डाउन तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को दोपहर 1:58 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. उसके ठीक डेढ़ घंटे के बाद 3:19 बजे साहिबगंज से हावड़ा के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर हावड़ा के लिए रवाना किया गया. मौके पर कार्यक्रम में राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत ओझा, मालदा रेल मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता,डीएमई एचपी तिवारी सहित साहिबगंज नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद थे.

मुख्यमंत्री मांईयां सम्मान योजना की चौथी किश्त छठ पूजा के पावन अवसर पर मिलेगी

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने माईयां सम्मान योजना को लेकर एक और खुशखबरी दी है। उन्होंने कहा है कि उन्हें बहुत खुशी है कि उनकी सरकार ने 51 लाख बहनों के खातों में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की तीसरी किस्त जमा की है। अब छठ पूजा के पावन अवसर पर, चौथी किस्त भी राज्य की महिलाओं तक पहुंचेगी। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि हमारी बहनों के सशक्तिकरण की दृढ़ प्रतिज्ञा है। उन्होंने सभी को विश्वास दिलाते हुए कहा है कि हर झारखंडवासी की उन्नति उनकी सरकार का लक्ष्य है। हमने शुरुआत की है, पर यह केवल आरंभ है।

सीएम सोरेन ने आगे कहा कि जेल से लौट पिछले तीन माह में उनकी सरकार ने काफी तेजी से काम किया है और आगे हम इस गति को और तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि सबके साथ मिलकर झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करेंगे। यह उनका संकल्प और वादा है। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर भी अपडेट दिया।

सीएम सोरेन ने कहा कि शक्तिरूपा के रूप में हमारी महिला जन प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की मंगलवार को तीसरी किस्त जारी की। झारखंड की लाखों मंईयां की स्वाभिमान की योजना - मंईयां सम्मान योजना में पहली किस्त रक्षा बंधन, दूसरी किस्त करम पर्व, तीसरी किस्त नवरात्रि और दुर्गा पूजा और अब चौथी किस्त छठ पूजा से पहले सभी बहनों के खातों में होगी।

6.47 लाख बढ़ी मंईयां सम्मान पाने वालों की संख्या

पहली से तीसरी किस्त जारी होने तक लाभ लेने वाली महिलाओं की संख्या में 6.47 लाख बढ़ोतरी हो चुकी है। सरकार का लक्ष्य 56 लाख लाभुक करने की है। मंईयां सम्मान योजना की पहली किस्त अगस्त 2024 में 46.53 लाख महिलाओं के बीच करीब 465 करोड़ भेजी गई। दूसरी किस्त सितंबर 2024 में 48.15 लाख लाभुकों को करीब 481.5 करोड़ रुपये भेजा गया। तीसरी किस्त अक्तूबर में 53 लाख महिलाओं को करीब 530 करोड़ रुपये भेजी गई है।

बिजली उत्पादन निगम में फर्जी एफडी के नाम पर राशि हस्तांतरण के बाद सरकार अलर्ट मोड में

रांची: ऊर्जा उत्पादन निगम के खाते से एफडी के लिए दूसरी शाखा में की गयी करोड़ों राशि हस्तांतरण और फर्जी निकासी के बाद राज्य सरकार अलर्ट मोड में आ गयी है. विकास आयुक्त सह ऊर्जा विकास निगम के सीएमडी अविनाश कुमार ने वित्त विभाग को पत्र लिखा है. उन्होंने कहा कि यह मामला प्रकाश में आने के बाद अब सभी विभागों के एफडी फंड की राशि के स्पेशल ऑडिट की जरूरत है. ताकि यह पता चल पाए कि कहीं किसी और विभाग में भी ऐसा कोई और मामला तो और नहीं है. उन्होंने बिजली की तीन कंपनियों झारखंड ऊर्जा विकास निगम, झारखंड बिजली वितरण निगम और झारखंड बिजली उत्पादन निगम के भी सभी एफडी की स्पेशल ऑडिट का निर्देश दिया है. इसके लिए एजी को पत्र लिखा गया है. मालूम हो कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की हिनू स्थित शाखा में संचालित झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड के खाते से फर्जीवाड़ा के जरिये 40 करोड़ 50 लाख 500 रुपये निकाल लिये गये हैं. यह रकम फिक्स डिपॉजिट में निवेश के लिए उक्त बैंक की शाखा को हस्तांतरित की गयी थी. इस मामले में उत्पादन निगम के महाप्रबंधक अमर नायक ने धुर्वा थाना में बीते दिवस शिकायत दर्ज करायी है.

उमर अब्दुल्ला दूसरी बार जम्मू-कश्मीर के सीएम बनेंगे: विधायकों ने नेता चुना; आज दावा पेश करेंगे, 13 या 14 अक्टूबर को शपथ

श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर में नई सरकार के गठन के लिए गुरुवार (10 अक्टूबर) को विधायक दल की बैठक हुई। मीटिंग में नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुना गया। उमर जम्मू-कश्मीर के नए सीएम होंगे। इंडिया गठबंधन का 3 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात करेगा और सरकार गठन का दावा पेश करेगा। शपथ ग्रहण समारोह 13 या 14 अक्टूबर को होने की उम्मीद है।

राज्य सरकार में कोई डिप्टी सीएम नहीं होगा। नेशनल कांफ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ी कांग्रेस को डिप्टी स्पीकर का पद मिल सकता है। कांग्रेस की ओर से डूरू सीट से विधायक जीए मीर या प्रदेश अध्यक्ष और सेंट्रल शाल्टेंग के विधायक तारिक हामिद कर्रा में किसी एक को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल सकता है।

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद हुए विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने 49 सीटों पर जीत दर्ज की। गठबंधन में शामिल नेशनल कॉन्फ्रेंस को सबसे ज्यादा 42, कांग्रेस को 6 और सीपीआई(एम) को एक सीट मिली। बहुमत का आंकड़ा 46 है।

7 निर्दलीय में से 4 ने गुरुवार को नेशनल कांफ्रेंस को समर्थन देने का ऐलान किया। ये चार निर्दलीय- इंदरवल से प्यारे लाल शर्मा, छम्ब से सतीश शर्मा, सूरनकोट से मोहम्मद अकरम और बनी सीट से डॉ रामेश्वर सिंह हैं। उमर ने कहा- अब हमारी संख्या बढ़कर 46 हो गई है।

भाजपा ने 29 सीटें जीतीं, पीडीपी को सिर्फ 3 सीटें मिलीं

8 अक्टूबर को आए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव रिजल्ट में भाजपा ने 29 सीटें जीती। पार्टी को पिछले चुनाव के मुकाबले 4 सीटों का फायदा हुआ है। हालांकि जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना नौशेरा सीट से एनसी कैंडिडेट से करीब 8 हजार वोटों से हार गए। उन्होंने पार्टी हाईकमान को अपना इस्तीफा भेजा है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी ने 3 सीटें जीती हैं। पिछले चुनाव में पार्टी को 28 सीटें मिली थीं। पहली बार चुनाव लड़ रहीं महबूबा की बेटी इल्तिजा मुफ्ती श्रीगुफवारा बिजबेहरा सीट से करीब 9 हजार से ज्यादा वोटों से हार गईं।

जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी ने पहली बार जीत दर्ज की है। डोडा सीट से मेहराज मलिक ने भाजपा के गजय सिंह राणा को 4500 से ज्यादा वोटों से हराया। वहीं पीपुल्स कॉन्फ्रेंस को एक सीट पर जीत मिली। संसद पर हमले के आरोपी अफजल गुरु के भाई ऐजाज गुरु को सोपोर सीट पर 129 वोट मिले।

जयराम महतो ने जारी किया उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट:14 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा, लिस्ट जारी होते ही पार्टी में फूट

धनबाद: जेबीकेएसएस और जेएलकेएम पार्टी के अध्यक्ष जयराम महतो ने आज धनबाद सर्किट हाउस में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी की है। दूसरी लिस्ट में जयराम महतो ने 14 प्रत्याशियों की नाम की घोषणा की है। इससे पहले जयराम महतो ने 6 प्रत्याशियों की घोषणा की थी।

विचार-विमर्श के बाद जारी लिस्ट

प्रेस वार्ता में जयराम महतो ने कहा कि पूरी कमेटी से विचार विमर्श के बाद प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की गई है। अभी तक कुल 20 प्रत्याशी की लिस्ट जारी की गई है बहुत जल्द ही सभी प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। कहा कि झारखंड में जेएलकेएम पार्टी लगभग 70 सीटों पर चुनाव लड़ेगी साथ ही स्पष्ट किया कि हम नई पार्टी हैं किसी अन्य पार्टी से कोई गठबंधन नहीं होगा।

वहीं जयराम महतो के द्वारा जैसे ही पार्टी के प्रत्याशियों की घोषणा की गई पार्टी के कई नेता विरोध करने लगे। सिंदरी से दावेदार प्रत्याशी ने कहा कि सिंदरी से ऐसी प्रत्याशी की घोषणा की गई जो पार्टी विरोधी काम कर रही है।

बाहरी लोग बन रहे उम्मीदवार

कहा कि टुंडी सहित अन्य विधानसभा क्षेत्र में भी प्रत्याशी की घोषणा का विरोध किया जा रहा है। प्रत्याशी के दावेदारों ने कहा कि हम लोग शुरू से पार्टी को खून पसीने से सीचें हैं। निस्वार्थ भाव से काम किए हैं और अब बाहरी प्रत्याशी को लाकर घोषणा की जा रही है। अगर पार्टी अध्यक्ष हम लोगों की मांगों को नहीं मानते हैं तो हम लोग पार्टी के विरोध में उतर कर निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। जबकि निरसा में जेएलकेएम प्रमुख जयराम महतो का विरोध में किया पुतला दहन।

डुमरी के अलावे गोमिया, मांडू और बेरमो में से किसी एक सीट से चुनाव लड़ेंगे. गांडेय व गिरिडीह के अलावा मांडर सीट के लिए गुणा भगत, टुंडी से मोतीलाल महतो, कोडरमा से मनोज कुमार यादव, हजारीबाग जिले के बरही से कृष्णा यादव, बरकट्ठा से महेंद्र मंडल, हजारीबाग से उदय मेहता, डाल्टनगंज (पलामू) अनिकेत मेहता, गोड्डा से परिमल ठाकुर, धनबाद से सपन कुमार मोदक, खरसावां से पांडू राम हिबरू, सिंदरी (धनबाद) से उषा देवी व बोकारो से सरोज कुमारी को उम्मीदवार बनाया गया है.

नवरात्रा के मौके पर भोग का वितरण

रांची-नवरात्र का समय और मां भक्तों की भक्ति रांची की राजधानी में देखे जा रहे हैं इसी कड़ी में राष्ट्रीय जय हिंद पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह केंद्रीय अध्यक्ष बबन चौबे के सहयोग से मां भक्तों के भोग वितरण किया वही देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आड़े हाथो लिया उनका कहना है कि अहमदाबाद में देश के प्रधानमंत्री वंदे मातरम ट्रेन चल रहे हैं और झारखंड और बिहार राज्यों के लोग भूखे मर रहे हैं झारखंड और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देनी चाहिए ताकि यहां की जनता को रोजगार स्वास्थ्य शिक्षा सही से मिल पाए.

तहरीक मकातीबे फ़िक्र 3और 10 नवंबर को तालीमी इनामी मुकाबला आयोजित करेगी, मुकाबले में 55 मकतब के बच्चे होंगे शामिल

ओरमांझी(मोहसीन आलम):तहरीक मकातीबे फ़िक्र रांची झारखण्ड के द्वारा मुस्लिम छात्र-छात्राओं के अंदर शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के उद्देश्य से तालीमी इनामी मुकाबला का आयोजन करने जा रही हैं,जिसमें क्षेत्र के 55 मकतब के बच्चे शामिल होंगे,परीक्षा दो श्रेणी में होगी,यह परीक्षा 3 नवंबर क़ो फ्लोरेंस पैरामेडिकल संस्थान इरबा में रखा गया हैं जिसमें छात्र-छात्राओं के बीच इस्लामिक लिखित परीक्षा होगा, जिसमें एक एक प्रश्न छोड़कर सभी प्रश्न ऑब्जेक्टिव रहेंगे,जबकि10 नवंबर को इरबा के हीरात मैरेज हॉल में तिलावत,नात पाक,तकरीर का मुकाबला होगा, इस इनामी प्रतियोगिता में एक मकतब से 6 बच्चे शामिल होंगे,जिसमें तीन बच्चे लिखित परीक्षा में भाग लेंगे व तीन बच्चे तकरीर नात पाक व केरत में हिस्सा लेंगे.मकतब के बच्चों का तालीमी इनामी मुकाबला क़ो लेकर गुरुवार क़ो दावत नामा बांटा गया,इस अवसर पर मुख्य रूप से तहरीक माक्तिबे फिक्र के अध्यक्ष जाकिर अंसारी,कारी मोईन अंसारी,हाफिज अतहर इमाम,पूर्व उप मुखिया नसीम अंसारी,मोहसिन आलम,मिन्हाज अंसारी,अब्दुल इमाम अंसारी,जावेद अंसारी,खालिक खान सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

सोनारी कागलनगर सेंट्रल सार्वजनिक दुर्गापूजा कमेटी का पंडाल खुला, दर्शन के लिए लोगों की उमड़ी भीड़

जमशेदपुर । सोनारी कागलनगर सेंट्रल सार्वजनिक दुर्गापूजा कमेटी का पंडाल का उद्घाटन ईंचागढ़ की विधायक सबिता महतो, जमशेदपुर की पूर्व सांसद आभा महतो एवम तीरंदाज पूर्णिमा महतो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्वलित करके किया. इस मौके पर समाजसेवी फणि महतो, अशोक सिंह, अजय रजक समेत सेंट्रल सार्वजनिक दुर्गापूजा कमेटी के सभी पदाधिकारी व सदस्य गण मौजूद थे.

बीसीसीएल ने चिरकुंडा में आधा दर्जन अवैध कोयला मुहानों को बंद कराया

धनबाद : बीसीसीएल एरिया 12 प्रबंधन ने गुरुवार को चिरकुंडा थाना क्षेत्र के डुमरीजोड़ जंगल में पुलिस के सहयोग से करीब आधा दर्जन अवैध कोयला मुहानों को बंद कराया. मुहानों को जेसीबी से डोजरिंग कर बंद कराया गया. इसमें चिरकुंडा थाना प्रभारी रामजी राय ने अहम भूमिका निभाई. ज्ञात हो कि कोलियरी के उक्त अवैध मुहानों से कोयला तस्कर उत्खनन कर अवैध कोयला निकालकर बाहर सप्लाई करते थे. थाना प्रभारी रामजी राय ने बताया कि एसएसपी के निर्देश पर क्षेत्र में कोयला की तस्करी व उत्खनन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इसी के तहत अवैध कोयला मुहानों को बंद कराया गया. मौके पर बीसीसीएल एरिया 12 के अधिकारी, कंपनी के सुरक्षा कर्मी व चिरकुंडा थाना के जवान मौजूद थे.

पुटकी में 2 बाइक की टक्कर में पूर्व बीसीसीएल कर्मी घायल

धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर पुटकी बाजार मछली गली के समीप गुरुवार की दोपहर दो बाइक के बीच टक्कर में बाइक सवार सेवानिवृत्त बीसीसीएल कर्मी सजूर अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गया. पुटकी 3 नंबर निवासी सजूर अंसारी के दाएं पैर में गंभीर चोट लगी है. वहीं, दूसरी बाइक पर सवार व्यक्ति को हल्की चोट आई है. मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल सजूर को इलाज के लिए धनबाद भेज दिया. वहीं, बाइक को जब्त कर पुटकी थाना ले गई.

कांग्रेस ने 24 घंटे के लिए आधा झुकाया पार्टी का झंडा, सारे राजनैतिक कार्यक्रम रद्द

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में रतन टाटा के निधन पर गुरुवार को तिलक पुस्तकालय में शोक सभा का आयोजन किया. पार्टी ने 24 घंटे के लिए पार्टी का झंडा आधा झुकाया और सारे राजनैतिक कार्यक्रम रद्द कर दिवंगत रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी. जिला अध्यक्ष ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस लौहनगरी के लिए स्व. रतन टाटा न केवल एक उद्योगपति थे, बल्कि वे प्रत्यक्ष रूप से हमारे अन्नदाता थे. श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में आनन्द बिहारी दुबे, अशोक चौधरी, रियाजुद्दीन खान, ब्रजेन्द्र तिवारी, अशोक सिंह, ज्योति मिश्र, रिशी मिश्रा, सन्नी सिंह, अमरजीत नाथ मिश्र, निखिल तिवारी, गौरव कुमार, जसवंत सिंह जस्सी, रंजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी शामिल थे.

70 साल बाद... भू-धंसान के खतरे से मां का दरबार मंडप से 500 मी. दूर सजाया

धनबाद : बीसीसीएल के कुसुंडा एरिया के भोलानाथ बसेरिया चार नंबर में 70 वर्षों में पहली बार दुर्गा पंडप के पास दुर्गोत्सव का आयोजन नहीं हो रहा है। इस बार मंडप से करीब 500 मीटर दूर पंडाल बनाकर दुर्गा पूजा की जा रही है। वजह ये है कि दुर्गा मंडप पर भू-धंसान की चपेट में आ जाने का खतरा मंडरा रहा है। इसके आसपास के 50 मकान पहले ही जमींदोज हो चुके हैं और 100 से अधिक अब भी खतरे में हैं। स्थानीय टुनटुन यादव कहते हैं कि बांसजोड़ा में आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट संचालित है।

उसका फायर ओबी काफी समय से मंदिर के आसपास के इलाके में डंप किया जा रहा है। इससे पूरे इलाके में जमीन के नीचे आग फैल गई है। यह आग बढ़ते-बढ़ते मंडप तक पहुंच चुकी है। बीसीसीएल के

अधिकारियों ने वहां चबूतरा बनाने का वादा किया था, पर उसे पूरा नहीं किया। ऐसे में सुरक्षा के मद्देनजर ग्रामीणों ने मिलकर दूसरी जगह पूजा करने का फैसला किया। खतरा दुर्गा मंडप पर भी है। इसलिए यह भी तय किया गया है कि त्योहारों के बाद आपसी सहयोग से मंडप को एक किमी दूर सुरक्षित जगह पर शिफ्ट किया जाएगा।

इधर, श्रमिक चौक पर आखिरी बार हो रही दुर्गा पूजा

धनबाद के श्रमिक चौक पर भी इस साल संभवतः आखिरी बार दुर्गा पूजा का आयोजन हो रहा है। वजह यह है कि यहां नया अंडरपास बनाया जाना है। इसके लिए रेलवे ने जगह खाली करने का नोटिस जारी कर दिया है। गया पुल, रांगाटांड़ सार्वजनिक पूजा समिति के विपिन अग्रवाल कहते हैं कि इस बार दुर्गा पूजा का 68वां और संभवतः आखिरी साल है। हालांकि, आसपास कहीं जगह मिल जाने पर वहां पूजा का आयोजन करने पर भी विचार कर सकते हैं।

खतरे की जद में आया कुसुंडा एरिया के भोलानाथ बसेरिया चार नंबर का दुर्गा मंडप और (इनसेट में) आधा किमी दूर बना इस बार का दुर्गा पूजा पंडाल।

गड़ेरिया बस्ती में भी मां दुर्गा का पूजा स्थल भी खतरे में है। यहां संचालित खुली खदान का लगातार विस्तार हो रहा है और उसकी दूरी पूजा स्थल से महज 50 गज रह गई है। भू-धंसान से प्रभावित इस बस्ती को खाली करने का नोटिस बीसीसीएल ने जारी कर दिया है। स्थानीय पूजा समिति के सचिव सुभाष महतो कहते हैं कि यहां 35 वर्षों से दुर्गा पूजा हो रही है। अब बस्ती जहां शिफ्ट होगी, मां दुर्गा को भी वहीं ले जाएंगे। वहीं, पीबी एरिया के गोपालीचक फायर प्रोजेक्ट से चंद कदम दूर महारानी पूजा स्थल पर भी खतरा बढ़ गया है। खुली खदान का लगातार विस्तार हो रहा है। पूजा स्थल बचाने के लिए ग्रामीण एकता मंच ने आंदोलन भी किया था। प्रबंधन का कहना है कि ग्रामीणों से समन्वय बनाकर ही पूजा स्थल हटाया जाएगा।

एटवाल मंदिर 4 साल पहले ही शिफ्ट, खाली जगह पर अब खनन

कुसुंडा एरिया के एटवाल 25 नंबर से 4 साल पहले ही दुर्गा पूजा स्थल को स्थानांतरित कर दिया गया था। इलाका भू-धंसान वाला है और ओसीपी का विस्तार भी हो रहा है। उग्र आंदोलन के बाद मंदिर को गोधा के गनसाडीह में शिफ्ट किया गया। वहां 4 वर्षों से मां दुर्गा की पूजा की जा रही है। वहीं, खाली हुई जगह पर कोयला खनन किया जा रहा है।

धनबाद में दुर्गापूजा की धूमःमां दुर्गा मंडप में नव पत्रिका प्रवेश, पूजा शुरू

धनबादः धनबाद जिले में आयोजित विभिन्न पूजा समितियों के द्वारा स्थानीय तालाबों में जाकर कोलाबऊ यानी नवपत्रिका को स्नान एवं पूजा अर्चना कर पालकी द्वारा शोभायात्रा के रूप में लाकर विभिन्न पूजा मंडपो में स्थापित कर महा सप्तमी पूजा की शुरुआत की गई।

वही बंगाली कल्याण समिति की सभी महिलाएं पीली साड़ी में एवं पुरुष पीला कुर्ता पजामा में माथे में घट ले कर शोभा यात्रा के रूप में खोखन तलाव से पानी लेकर पालकी में कोलाबऊ लाकर जिला परिषद स्थित दुर्गा मंडप में नव पत्रिका की स्थापना की गई।

विधिवत पूजा की हुई शुरुआत

आपको बताते चले कि सप्तमी के दिन प्रातः कोलाबाऊ यानी नवपत्रिका जिसमें 9 पौधों यानी देवी के नौ रूप को जलाशय में पूरे विधि विधान से स्नान एवं पूजा कर नवपत्रिका को दुर्गा पूजा मंडप में लाकर उसे गणेश के दाएं तरफ रखकर दुर्गा पूजा की शुरुआत की जाती है।

हीरापुर दुर्गा मंदिर, बंगाली कल्याण समिति जिला परिषद, जे सी मल्लिक रोड दुर्गा पूजा समिति, नेपाल काली मंदिर, देवी पड़ा ,झरना पड़ा के पूजा समिति के सदस्यों द्वारा खोकन तालाब से शोभा यात्रा के द्वारा नव पत्रिका एवं घट लाया गया। जिसमें विभिन्न पूजा समितियां के सदस्य गण सदस्य गण ढाक के ध्वनि में नाचते झूमते गाते नजर आए।

विधायक ने किया सूर्यकुण्ड में विकास योजना का शिलान्यास

संवाददाता सहबाज़ खान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।

बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत धार्मिक पर्यटन स्थल सूर्यकुण्ड में विकास योजना का विधायक अमित कुमार यादव ने शिलान्यास किया। इस मौके पर विधायक ने सूर्यकुण्ड में होने वाली तालाब का विस्तार गहरी करण एवं स्नानागार निर्माण कार्य की आधारशिला रखीं। मौके पर बरकट्ठा जिप सदस्य प्रेरणा प्रिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष परमेश्वर साहू, झारखंड आंदोलनकारी धीरेंद्र पांडेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष टुकलाल नायक, शिक्षाविद सीके पांडेय मौजूद

थे। सौंदर्यीकरण कार्य संवेदक मेसर्स देवेन्द्र पांडेय के द्वारा पर्यटन विभाग से लगभग 37 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। इस अवसर पर सुरेंद्र पांडेय, राजकुमार यादव, राजकुमार गिरी, सुरेश कुमार पांडेय, रामस्वरूप पांडेय, संजय पांडेय, ईश्वर नायक, दीपक पांडेय, बिनोद गिरी, लखन पांडेय, गणेश साव समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

कतरास में निगम के पिकअप वाहन की चपेट में आकर बच्ची की मौत

कतरासः कतरास के रामकनाली स्थित बीसीसीएल कार्यालय के समीप गुरुवार को नगर निगम के कचरा उठाने वाले पिकअप वाहन की चपेट में आकर एक बच्ची की मौत हो गई. 11 वर्षीया बच्ची स्थानीय निवासी शाहीद अंसारी की बेटी थी. हादसे के बाद लोगों ने पिकअप वाहन को रोक दिया और बच्ची को उठा कर आनन-फानन में अस्पताल ले गए. जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. बच्ची की मां का रो-रोकर बुरा हाल था. इधर, घटना से गुस्साए लोगों ने रामकनाली-पचगढ़ी मुख्य मार्ग को ईंट-पत्थर रख कर बाधित कर दिया. रामकनाली ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने आक्रोशित लोगों को समझने का प्रयास किया, लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं हो रहे थे.

बताया गया कि नगर निगम का पिकअप वाहन रोजाना की तरह गुरुवार को भी कचरा उठाने के लिए रामकनाली पहुंचा. वाहन चालक ने दुर्गा पूजा को लेकर लोगों से बख्शीष की मांग की. बख्शीष का पैसा देने के बच्ची सड़क के एक छोर से दूसरे छोर जाने लगी. तभी पिकअप वाहन के चक्के के नीचे आकर बुरी तरह कुचल गई. आनन-फानन में परिजन उसे स्थानीय नर्सिंग ले गए,जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने वाहन और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है. घटना से गुस्साए ग्रामीण रामकनाली ओपी पहुंचकर हंगामा किया और दोषी पर कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क जाम कर दी. आश्वासन के बाद सड़क जाम समाप्त हुआ.

मेडिकल रिलीफ बनाने के बदले मांगे 30 हजारःविजिलेंस से की शिकायत तो धमका रहा कर्मचारी

धनबादः धनबाद जिले के धनसार थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदमारी मांझी बस्ती में बीसीसीएल कर्मी ने बेड़ा कोलियरी के कर्मचारी पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। वही पीड़ित परिवार ने मीडिया को बताया कि बेड़ा कोलियरी के कर्मचारी काजल बोरला ने मेडिकल रिलीफ बनाने के लिए 30 हजार रिश्वत की मांग की। जिसके बाद भुक्तभोगी के बेटे हरेधाम भुईया ने मामले की शिकायत विजिलेंस को कर दिया है।

जिसके बाद बेड़ा कोलियरी के कर्मचारी ने भुक्तभोगी परिवार को धमकी दिया है। जिससे पीड़ित परिवार काफी डरे और सहमे हुए है। पीड़ित परिवार धमकी के बाद घर में डरे और सहमे हुए है। पूजा के माहौल में पीड़ित परिवार घर से बाहर नही निकल रहे है जबकि उक्त बीसीसीएल अधिकारी के

वजह से नज़र बंद है।

लकवा ग्रसित है कर्मचारी

बताते चले कि महेंद्र भुईया को दिनांक 04-08-23 से बीमार पड़े हुए हैं। जिसके बाद उन्हें धनबाद के सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया था। जहां से उनकी स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें दुर्गापुर रेफर कर दिया गया था। जिसकी सूचना परिवार वाले ने बेड़ा कोलियरी प्रबंधन को दे दिया था। जिसके साथ ही सभी कागजात भी जमा करा दिया है।

वही बीसीसीएल कर्मी को लकवा की बीमारी से ग्रसित है। जिसके कारण ड्यूटी जाने में असमर्थ हैं । वही भुक्तभोगी का वेतन रोक दिया गया है। भुक्तभोगी के बेटे ने प्रबंधन को कई बार लिखित आवेदन भी दिया है। परंतु कोई कार्रवाई नही की जा रही है। भुक्तभोगी डेढ़ साल से कार्यालय का चक्कर लगा रहा है। परंतु प्रबंधन के कर्मचारी काजल बोरला आपदा में अवसर की तलाश में है। बेड़ा कोलियरी के कर्मचारी ने पीड़ित परिवार को कहा कि 'तुम दौड़ते रह जाओगे और तुम्हारा बाप मर जाएगा'। अगर तुम 30 हजार नही दोगे तो तुम्हारा काम नही होगा।

मदद की लगाई गुहार

वही कर्मचारी ने कहा कि 30 हजार रुपए में कर्मचारी और पदाधिकारी को रुपए देने पड़ते है। चुकी भुक्तभोगी NCW-A के एरियर का पैसा बीमार पड़ने पर लिव का पैसा एवं मेडिकल बिल बकाया है। इसी सब का भुगतान हेतु 30 हजार रुपए की मांग कर रहे है। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने मीडिया से न्याय की गुहार लगाई है।

विधायक उमाशंकर अकेला ने दुर्गा मंदिर परिसर मे किया शेड का उद्घाटन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग):दिन गुरुवार को दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पे विधायक उमाशंकर अकेला ने प्रखंड वाशियों को दिया तोहफा। मंदिर परिसर मे विधायक मद से बने शेड का उद्घाटन किया। इससे पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला के मंदिर परिसर पहुंचते ही अकेला यादव जिंदाबाद-जिंदाबाद के नारों से गुंज उठा ब्लॉक मोड़ परिसर। कार्यक्रम से पूर्व पुरे विधि विधान से अवधेश पाण्डेय ने पूजा अर्चना करवाया। फिर विधायक ने नारियल फोड़ और फीता काटकर शेड का उद्घाटन कर मंदिर परिसर को शेड सौंप दिया। वहीं विधायक उमाशंकर अकेला ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा की मै नही मेरा काम बोलता है मै पिछले वर्ष दुर्गा पूजा मे बोला था की यहां शेड का निर्माण होगा जो मैने कर दिया मै और लोगों की तरह नही हूँ की सिर्फ घोषणा करता हूँ मै जो बोलता हूँ वो करके दिखाता हूँ। ग्रामीणों की वर्षों की मांग थी

चौपारण प्रखंड मे डिग्री कॉलेज का जिसे मै और हेमंत सरकार ने पुरा किया और अब डिग्री कॉलेज का भी निर्माण बहुत जल्द पूरा हो जाएगा। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रामफ़ल सिंह,प्रखंड अध्यक्ष मंटू यादव,चैथी मुखिया गुलाबी यादव,महेश केशरी,शिव सिंह,प्रह्लाद सिंह,डिंपू जैन,नीरज सिंह,यदु यादव, टुनू वर्णवाल,शम्भू सहाय,रमेश सहाय,सत्यम सिंह,राजेश सहाय, रोहित केशरी,राहुल केशरी,देवलाल साव,दिनेश यादव,विनोद केशरी सहित अन्य।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक जख्मी

धनबाद : तोपचांची के हटिया मैदान के समीप एचएच पर गुरुवार को एक बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई. दुर्घटना में बाइक सवार युवक रौनक कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया. युवक पश्चिम बंगाल के हुगली का रहने वाला है. वह बिहार से पश्चिम बंगाल की ओर जा रहा था. उसकी गर्दन में गंभीर चोट है. तोपचांची थाना पुलिस ने घायल युवक को साहोबहियार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे एसएनएमएमसीएच, धनबाद रेफर कर दिया. युवक की स्थिति चिंताजनक बताई जाती है. पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है.

शहर के तमाम पूजा पंडालों में दी गई रतन टाटा को श्रद्धांजलि

जमशेदपुर : जमशेदपुर में कुल 332 छोटी-बड़ी व मध्यम दुर्गा पूजा समितियां विधिवत पंडाल बनाकर दुर्गोत्सव का आयोजन कर रही हैं. बुधवार की देर रात देश के रत्न रतन टाटा के आकस्मिक निधन के बाद गुरुवार को केंद्रीय समिति के महासचिव आशुतोष सिंह की इस अपील का तमाम समितियों ने पालन किया और पंडाल में रतन टाटा की तस्वीर स्थापित कर उनको श्रद्धांजलि दी. रतन टाटा के आकस्मिक निधन के कारण गुरुवार को न्यू सिदगोड़ा पूजा कमेटी द्वारा शाम के सारे सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए.

साथ ही शाम को श्रद्धांजलि सभा रखी गई जिसमें शामिल होकर समिति के तमाम सदस्यों व पदाधिकारियों ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी. दूसरी ओर, एग्रिको दुर्गा पूजा कमेटी ने भी पंडाल में रतन टाटा की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए. नेतृत्व कमेटी के महासचिव भूपेंद्र सिंह ने किया. श्रद्धांजलि सभा में कमेटी के तमाम पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे. आशुतोष सिंह ने बताया कि इसी तरह शहर की कई दुर्गा पूजा कमेटियों ने पंडाल में रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए अपने पूर्व निर्धारित सांस्कृतिक कार्यक्रम रद कर दिए.

बरकट्ठा प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है दुर्गा पूजा का त्योहार

संवाददाता सहबाज़ खान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।दुर्गा पूजा का त्योहार बरकट्ठा प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बरकट्ठा मंदिर में मां दुर्गा की पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।बरकट्ठा में बनाया गया भव्य पूजा पंडाल लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना है।पर्व को लेकर बरकट्ठा मंदिर को रंग बिरंगे लाईट से काफी आकर्षक ढंग से सजाया गया है।वहीं एनएच दो पर पूरे बरकट्ठा मेन रोड में विद्युत सज्जा किया गया है।जबकि बरकट्ठा में चहुंओर बज रही धार्मिक गीतों से पूरा इलाका भक्तिमय हो गया है।पूजा सफल बनाने में पूजा समिति अध्यक्ष रामखेलावन यादव, सचिव रामेश्वर यादव, कोषाध्यक्ष महादेव साव, उपाध्यक्ष जीबलाल नायक, शोभा समिति अध्यक्ष सुरज

मोदी, सचिव सुरेश राम, कोषाध्यक्ष दीपक राणा, उपाध्यक्ष दीपक सोनी, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष बसंत साव, पंसस प्रतिनिधि संजय गुप्ता, अशोक गुप्ता, इंद्रजीत प्रसाद, दिलीप दास, बालकी यादव, दिलीप सोनी समेत अन्य लोग शामिल हैं।

विधायक निधि से बिछेगा पेवर्स ब्लॉकःश्मशान काली मुक्तिधाम परिसर में होगा निर्माण , मंत्री ने किया शिलान्यास

चाईबासाः चाईबासा श्मशान काली स्थित मुक्तिधाम परिसर में विधायक निधि से पेवर्स ब्लॉक बिछेगा। इसका शिलान्यास गुरुवार को झारखंड सरकार के परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने नारियल फोड़कर किया। इस मौके पर श्री बिरुआ ने कहा कि करीब 10 साल पहले हमने अपने विधायक निधि से इस परिसर का निर्माण कराया था। लेकिन काफी समय बीत जाने के कारण यह मुक्तिधाम का परिसर काफी जर्जर हो गयी थी।जिसको लेकर लोगों को काफी परेशानियों का समाना करना पड़ा रहा

था। लोगों की समस्या को देखते हुए यहां फेवर ब्लॉक बिछाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। यहां फेवर ब्लॉक बिछाने से लोगों को सहूलियत होगी। मौके पर समाजसेवी नितिन प्रकाश, चाईबासा चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल समेत अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

बांगुड़दा में अनियंत्रित बाइक पुलिया से टकराई, चालक की मौत

जमशेदपुर : कमलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बांगुड़दा स्थित मां काली होटल के समीप गुरुवार को सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई. युवक की मोटरसाइकिल बराभूम- बांदोवान मुख्य सड़क पर स्थित पुलिया की रेलिंग से अनियंत्रित होकर टकरा गई. घटना में गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे पटमदा के माचा स्थित सीएचसी पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृत युवक की पहचान पश्चिम बंगाल के बांदोवान थाना क्षेत्र के सुपुरुड़ी गांव निवासी विकास कर्मकार के रूप में की गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद युवक के परिजन सीएचसी पहुंचे. जहां से शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया.

हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक पर कोकर में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

रांचीः हरियाणा में भाजपा के जीत की हैट्रिक पर कोकर बाजार में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया. नारियल फोड़ा, मिठाईयां बांटी और खुशियों का इजहार किया. कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि भाजपा के नीतियों कार्यक्रमों के साथ प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व,विकास योजनाओं पर जनता का भरोसा बढ़ा है. हरियाणा की जनता ने कांग्रेस के झूठ और षडयंत्र को भी नाकार दिया है. झारखंड में भी भाजपा की सरकार बनेगी. इंडी गठबंधन को जनता ने नाकार दिया है. भाजपा की नीति और नीयत को देश और प्रदेश की जनता समझ चुकी है इसलिए लगातार भाजपा पर भरोसा बढ़ा है. हरियाणा में हैट्रिक बनाकर जनता ने धोखेबाज दलों को सबक सिखाया है.

रांची के चुटिया से लापता बच्ची मिली, सिल्ली के युवक ने पहुंचाया घर

रांचीः चुटिया थाना क्षेत्र के पावर हाउस रोड से बुधवार को चार साल की बच्ची लापता हो गयी थी. सिल्ली के एक युवक ने गुरुवार को उस बच्ची को उसके घर पहुंचाया. वह युवक बच्ची को अपने साथ सिल्ली लेकर चला गया था. गौरतलब है कि शंभु साव बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे दुकान से कुछ सामान लेने गये थे. इसी दौरान बच्ची भी उनके पीछे-पीछे निकल गयी थी. सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि बच्ची को एक युवक अपनी गोद में उठाकर ले जा रहा है. परिजनों ने चुटिया थाना की पुलिस को इस बात की सूचना देर शाम दी. इसके बाद पुलिस ने बच्ची की खोजबीन शुरू की. शंभु साव घटनास्थल के समीप स्थित सतीश पांडेय के मकान में किराये में रहता है.

जन शिकायतों का होगा त्वरित समाधान, पुलिस मुख्यालय ने जारी किया व्हाट्सएप नंबर

रांचीः जन शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए पुलिस मुख्यालय स्तर से एक व्हाट्सएप नंबर (8809692001) जारी किया गया है. इसके नोडल पदाधिकारी पुलिस मुख्यालय के पीजी शाखा के डीएसपी होंगे. डीएसपी को इस व्हाट्सएप नंबर पर जो भी जन शिकायतें प्राप्त होगी, उसका एक अलग से पंजी बनाने और संबंधित जिला व इकाई को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजने का निर्देश दिया गया है. झारखंड पुलिस ने राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया था. डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरुआत 10 सितंबर से हुई थी. जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में 18 मुख्य मुद्दों पर आम जनता की समस्या सुनी गयी थी और उनकी मदद की गयी थी. इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य कार्रवाई योग्य शिकायत का त्वरित निदान करना और पुलिस द्वारा बनाये जा रहे सर्वोत्तम पद्धतियों को प्रदर्शित करना था. साथ ही नागरिकों की समस्या को समझते हुए पुलिस व्यवस्था में आवश्यक नीतिगत सुधार करना भी कार्यक्रम का उद्देश्य था.

घटना को अंजाम देने से पहले हिस्ट्रीशीटर मोरहाबादी मैदान से गिरफ्तार

रांचीः आपराधिक घटना को अंजाम देने से पहले हिस्ट्रीशीटर अपराधी मोरहाबादी मैदान से गिरफ्तार हुआ है. एसएसपी चंदन सिन्हा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मोरहाबादी सब्जी बाजार के पास एक अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है. जिसके बाद एक छापेमारी दल का गठन किया गया. छापेमरी दल के द्वारा घटनास्थल पर पहुंच कर घेराबंदी करते हुए मोरहाबादी सब्जी बाजार के पास से एक व्यक्ति को अवैध हथियार के साथ पकड़ा गया, जिसके पास से एक देशी पिस्टल लोडेड अवस्था में बरामद किया गया है. गिरफ्तार अपराधी की पहचान राजीव रंजन सिंह के रूप में हुई. वह मूल रूप से लोहरदगा जिला का रहने वाला है और वर्तमान में हरमू हाउसिंग कॉलोनी में रहता था. उसके खिलाफ रांची के अलग-अलग थाना में कुल 44 मामले दर्ज है.

एचईसी के सप्लाई कर्मियों को 14 से प्लांट के अंदर ले जाने की प्रक्रिया होगी शुरू

रांचीः एचईसी मुख्यालय में गुरुवार को भाजपा नेता विनय जायसवाल और निदेशकों के बीच वार्ता हुई. बैठेक मैनेजमेंट के द्वारा सप्लाई

कर्मचारियों के प्रवेश के लिए सर्कुलर जारी किया गया. एचईसी के सप्लाई कर्मियों को 14 अक्टूबर से प्लांट के अंदर ले जाने की प्रक्रिया शुरू की जायेगी. इसके लिए सभी सप्लाई कर्मचारी ने विनय जायसवाल का धन्यवाद किया. उन्होंने कहा, हम सभी उम्मीद करते हैं कि अन्य सभी समस्याओं को भी समाधान आने वाले दिनों में संभव हो सकेगा. सभी ने मैनेजमेंट का भी आभार व्यक्त किया और कहा सभी लोग मिलकर एचईसी को और खुद को इस आर्थिक संकट से निकालने के लिए यथाशक्ति प्रयास करेंगे, ताकि एक बार फिर एचईसी वापस अपनी आर्थिक प्रगति पर लौट आए. इस बातचीत में रमाशंकर प्रसाद, सुनील पांडेय, विकास तिवारी, उदय शंकर, अजय शर्मा, अनिल तिवारी, सुधीर चौधरी, मोहम्मद असलम, शिवनारायण, सुमित झा, सुमन जी, घनश्याम ठाकुर सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे.

दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस मुख्यालय अलर्ट, कहा — इंस्पेक्टर से लेकर सिपाही तक रहें ड्यूटी पर तैनात

रांचीः दुर्गा पूजा में राज्य में किसी भी प्रकार की विधि व्यवस्था में समस्या उत्पन्न नहीं हो इसे लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय अलर्ट है. डीजीपी के निर्देश पर एडीजी अभियान ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि सभी जिले के एसपी को निर्देश दिया जाता है कि अपने अधिनस्थ सभी प्रकार के कार्यालयों में पदस्थापित और प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों (इंस्पेक्टर से सिपाही तक) को दुर्गापूजा पर्व के अवसर पर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संधारण के लिए अपने-अपने जिला में आज से मूर्ति विसर्जन तक सभी सुरक्षा उपकरणों के साथ प्रतिनियुक्त करना सुनिश्चित करें. इसके अतिरिक्त जिलों में सामान्य डियूटी कर रहे पदाधिकारी और कर्मियों को भी दुर्गापूजा के अवसर पर सुरक्षा और विधि-व्यवस्था के लिए प्रतिनियुक्त करना सुनिश्चित करेंगे.

बलों को रिजर्व के रूप में न रखा जाए

साथ ही एडीजी अभियान ने कहा है कि दुर्गापूजा के अवसर पर सुरक्षा और विधि-व्यवस्था संधारण के लिए अपने-अपने जिलों से (कार्यालय कार्य और सामान्य डियूटी में) प्रतिनियुक्त किये पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों की संख्या के संदर्भ में अविलंब पुलिस मुख्यालय प्रतिवेदन भेजना सुनिश्चित करें. साथ ही यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी परिस्थिति में पदाधिकारी और बलों को रिजर्व के रूप में न रखा जाए. अगर ऐसा पाया जाता है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी.

दुर्गा पूजा को लेकर रांची पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

दुर्गा पूजा को लेकर रांची पुलिस ने फ्लैग मार्च किया. गुरुवार को ग्रामीण एसपी और कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में यह फ्लैग मार्च अल्बर्ट एक्का चौक से कर्बला चौक तक किया गया. इस दौरान पुलिस ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से दुर्गा पूजा मनाने की अपील की. पुलिस सोशल मीडिया में सांप्रदायिक या भ्रामक खबरें पोस्ट करने पर कार्रवाई करने की बात कही.

इधर, डीजीपी का चतरा दौराः कहा- राज्य से नक्सलियों का हो रहा सफाया

चतराः जिला पुलिस को टीएसपीसी नक्सलियों के विरोध सफलता मिलने के बाद नक्सल विरोधी अभियान में निकली पुलिस की टीम और जवानों के हौसला अफजाई के लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता और डीआईजी सुनील भास्कर गुरुवार को चतरा पहुंचे. इस दौरान डीसी रमेश घोलप और एसपी विकास पांडेय की मौजूदगी में डीजीपी और डीआईजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. जिसके बाद समाहरणालय के सभाकक्ष में पुलिस पदाधिकारी के संग आयोजित बैठक में डीजीपी व डीआईजी शामिल हुए. इस दौरान डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चतरा सहित झारखंड पुलिस को टीएसपीसी नक्सलियों के विरुद्ध बड़ी सफलता मिली है. झारखंड डीपीजी अनुराग गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि झारखंड में नक्सलवाद कहां हैं, ये सभी अपराधी है. टीपीसी, जेजेएमपी, टीएसपीसी का नाम गिनाते हुए कहा कि ये लोग अपराधी हैं, इनके बड़े-बड़े मकान हैं, गाड़ियां हैं, ये सभी अपराधी ही हैं. इन्हें नक्सली बताकर ऐसे अपराधियों का सम्मान बढ़ाना नहीं चाहिए. पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा कि चतरा जिला के साथ साथ प्रदेश में अफीम की खेती पर नकेल कसी जाएगी. इसके लिए युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है.

बता दें कि चतरा पुलिस ने टीएसपीसी के सबजोनल कमांडर हरेन्द्र गंझू व दस्ते में शामिल इश्वरी गंझू को एनकाउंटर में मार गिराया. पुलिस की टीम ने दस्ते में शामिल एक अन्य नक्सली गोपाल गंझू को गिरफ्तार किया है. ये एनकाउंटर सदर थाना क्षेत्र के गनियोतरी जंगल में हुआ. पुलिस बल के साथ एनकाउंटर में मारा गया हरेंद्र गंझू उर्फ रामदास भोक्ता उर्फ सुरेश गंझू सदर थाना क्षेत्र के कारी देवरिया गांव का रहने वाला है.

वित्तीय और सामाजिक गतिविधियों में आधार का काफी आज महत्वः अजय सिंह

रांचीः आधार आज एक बड़ी जरूरत हो गया है। जन्म से लेकर वित्तीय और सामाजिक गतिविधियों में इसका काफी महत्व है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आधार उपयोग को लेकर हुई कार्यशाला में ये बातें कहीं। वे बुधवार को श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में आधार से अधिकतम प्रभाव प्राप्त करना पर विषय पर आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज आधार नंबर लोगों तक विभिन्न सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को पहुंचाने में मदद कर रहा है। इससे पिछले एक दशक में बड़ा बदलाव देखा गया है। उन्होंने आधार के उपयोग, नामांकन और अद्यतन में राज्य सरकार के सहयोग से क्षेत्रीय कार्यालय रांची द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। यूआईडीएआई के उप महानिदेशक आमोद कुमार ने आधार के उपयोग पर एक प्रजेंटेशन दिया और आधार संख्या धारक के व्यापक लाभ के लिए आधार के उपयोग में राज्यों द्वारा उठाए गए कई कदमों पर प्रकाश डाला।

आईटीएस, उप महानिदेशक अखिलेश कुमार गुप्ता ने सशक्तीकरण के एक उपकरण और प्रतीक के रूप में आधार के महत्व पर प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र में डीबीटी मिशन, कैबिनेट सचिवालय के आईआरपीएस निदेशक देवेंद्र कुमार ने डीबीटी पर प्रजेंटेशन के जरिए बताया कि कैसे डिजिटल पहचान के रूप में आधार ने डीबीटी में मदद की है। उन्होंने बड़ी मात्रा में सरकारी राजस्व बचाने और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के सही लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बिचौलियों को खत्म करने में आधार की भूमिका के बारे में भी विस्तार से बताया।

अष्टमी और नवमी की पूजा एक ही दिन कन्याओं का पूजन होगा- पंडित आचार्य

रांचीः शारदीय नवरात्र चल रहे है और इनका समापन विजयादशमी के एक दिन पहले 11 अक्टूबर को होगा। शारदीय नवरात्र की महा अष्टमी और नवमी इस बार एक ही दिन 11 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इस दिन माता महागौरी की उपासना की जाती है। ज्योतिषियों की माने तो इस बार महा अष्टमी बहुत ही खास मानी जा रही है क्योंकि इस दिन महानवमी का संयोग भी बन रहा है। साथ ही इस दिन स्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग बुद्ध द्वितीय योग का सहयोग भी बन रहा है और ऐसा 50 वर्षों के बाद हो रहा है। महा अष्टमी और नवमी एक ही दिन 11 अक्टूबर को पढ़ रही है। हिंदू धर्म में कन्या पूजन का बहुत महत्व है। देवी के भक्त महा अष्टमी और नवमी के दिन कन्या पूजन करते हैं। नवरात्र में कन्या पूजन के बाद ही व्रत संपूर्ण माने जाते हैं। इस बार भी कन्या पूजन के लिए अष्टमी और नवमी तिथि अत्यंत

शुभ है। पंडित आचार्य प्रणव मिश्रा के अनुसार अष्टमी और नवमी तिथि 10 अक्टूबर को दोपहर 12.26 पर शुरू होगी और 11 अक्टूबर को 12.06 पर समाप्त होगी। नवमी 11 अक्टूबर को दोपहर 12.06 पर शुरू होगी और 12 अक्टूबर को सुबह 10.58 तक रहेगी। उनके अनुसार 10 अक्टूबर को अष्टमी का व्रत इसलिए नहीं रखा जाएगा क्योंकि सप्तमी युक्त अष्टमी व्रत रखना धर्म ग्रंथो में निषेध माना गया है। तमाड़ के देऊडी मंदिर के पुजारी मनोज पंडा के अनुसार अष्टमी युक्त नवमी व्रत रखा जा सकता है इसलिए इस साल अष्टमी और नवमी एक दिन होने से उसी दिन व्रत रखा जाएगा। कन्या पूजन का शुभ मुहूर्त मैं करना अत्यंत उत्तम माना गया है। ब्रह्म मुहूर्त 4.36 बजे से 5.22 बजे तक रहेगा। प्रातः 5.04 बजे से 6.19 बजे तक, अभिजीत मुहूर्त 11.37 बजे से 12:15 बजे तक विजय मुहूर्त दो 3.00 बजे से 2.49 बजे तक गोधूलि मुहूर्त 5.51 बजे से 6.15 बजे तक और शांति मुहूर्त 5.55 बजे से 7.09 बजे तक रहेगा। कन्या पूजन से पहले कन्याओं को आधार के साथ आमंत्रित किया जाता है। घर पर आगमन होने से उनके पर हो जाते हैं उन्हें मौली बांधी जाती है तिलक लगाया जाता है और माता की चुन्नी उड़ाई जाती है। फिर कंजक का प्रसाद मुंह लगाया जाता है। भोजन लगाने के बाद कन्याओं को फल दिए जाते हैं और अपनी इच्छा अनुसार उपहार और दक्षिणा देकर पैर छूकर विदा किया जाता है।

या देवी सर्वभूतेषु 'कन्या ' रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः

रांचीः नवरात्रि के 9 दिनों के दौरान माता के 9 रूपों को पूरे विधि विधान से पूजा जाता है. यह 9 दिन बिल्कुल एक उत्सव की तरह होते है जिसमें अष्टमी और नवमीं को कन्या भोजन कराया जाता है. कन्या भोज भारतीय परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. कन्या भोजन में बच्चियों को हलवा पूड़ी खिलाया जाता है और माता को भोग लगाया जाता है.

खाना खिलाने के साथ कन्याओं को खुश करने के लिए कुछ भेंट इत्यादि देने की भी परंपरा है। ऐसा माना जाता है कि नवदुर्गा स्वरूप को प्रिय श्रृंगार का सामान जैसे चुनरी या चूड़ी वगैरह देना शुभ होता है।

*माहेश्वरी महिला समिति रांची के सौजन्य से आज माहेश्वरी भवन में लगभग 65कन्या रूपी देवी एवं 5 भैरो रूपी लड़के की पूजा की गयी | सभी कन्या के पैर धोकर आलता लगाकर रोली से तिलक कर मोली राखी बांध हलुया खिलाकर फ़ूड पैकेट, चॉकलेट, जूस, कॉपी, पेंसिल, पेन, कप केक, फ्रूट्स,रुपए दिया गया | सभी बच्चे बहुत खुश होकर सभी सदस्य को आशीर्वाद दिया |

*आज के इस कन्या पूजन में सभा अध्यक्ष किशन जी साबू, निवर्तमान अध्यक्ष शिवशंकर जी साबू, प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार जी मारू, महिला अध्यक्ष भारती चितलांगिया, सचिव बिमला फलोर,निवर्तमान अध्यक्ष विजयश्री साबू , उपाध्यक्ष अनीता साबू , बंदना मारू कार्यक्रम सयोजिका, कोषाध्यक्ष सरला चितलांगिया, कविता मंत्री,लक्ष्मी चितलांगिया, शारडा लड्ढा,कुमुद लखोटिया, ममता डागा, सीमा मालपानी, विनीता बिहानी, नेहा साबू, आकांक्षा साबू, सरिता चितलांगिया ,युवा संगठन सचिव हेमंत चितलांगिया उपस्थित रहे | यह जानकारी मीडिया प्रभारी रश्मि कोठारीमालपानी ने दी |

नई शराब नीति लागू नहीं होने से संकटःजेएमडी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड ने देवघर-गिरिडीह जिले में मैनपावर सप्लाई करने में जताई असमर्थता

रांचीः राज्य में नई शराब नीति लागू करने की संभावना लगभग खत्म हो गई है। इस कारण सरकार द्वारा संचालित कई खुदरा शराब दुकानों पर बंद होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। दुकानों में मैन पावर सप्लाई करनेवाली एजेंसी जेएमडी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड ने देवघर और गिरिडीह जिले में दुकान चलाने से मुक्त करने का आग्रह किया है। जेएसबीसीएल के एमडी व उत्पाद आयुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि साफ-सुथरी कंपनी को भी चोर की दृष्टि से देखा जाता है।

एजेंसी ने अपने पत्र में पीओएस मशीन का संचालन जेएसबीएल के पास रहने और एसआईएस द्वारा पैसा जमा करने को लेकर खामी को भी आधार बनाया है। एक तरफ उत्पाद आयुक्त के आदेश पर राज्य के विभिन्न जिलों में खुदरा शराब की दुकानों में वित्तीय अनियमितता को लेकर जांच शुरू की गई है। जेएमडी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने अपने पत्र में कहा है कि जिले की विभिन्न शराब दुकानों पर बैंक ऑफ इंडिया व पंजाब नेशनल बैंक द्वारा पीओएस मशीन उपलब्ध कराई गई है। जिसका पूर्ण नियंत्रण या तो जेएसबीसीएल के पास या फिर बैंक के पास। इन मशीनों के वित्तीय लेनदेन की विवरणी प्रतिदिन प्राप्त नहीं होती है। जिससे दुकानों की बिक्री का ऑडिट करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

शराब की खुदरा दुकानों की हो रही जांच

शराब की खुदरा दुकानों में हो रही बिक्री और बैंकों में जमा राशि के बीच हो रहे अंतर की जानकारी के लिए विभिन्न जिलों की खुदरा दुकानों की जांच चल रही है। अब तक पूर्वी सिंहभूम और रांची की करीब 250 से ज्यादा दुकानों की जांच कर ली गई है। संभव है कि दशहरा के बाद फिर किसी जिले की जांच शुरू हो जाए। जांच का यह सिलसिला पूरे राज्य में चलने की संभावना है।

हॉकी इंडिया लीग : 13 से 15 अक्टूबर को 1000 से अधिक खिलाड़ियों की होगी नीलामी

रांचीः हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की बहुप्रतीक्षित वापसी के लिए मंच तैयार है. एचआईएल 2024-25 सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक दिल्ली के होटल हयात में होने वाली है. 7 साल के अंतराल के बाद वापसी कर रहे एचआईएल में पुरुष और पहली बार महिला लीग शामिल का आयोजन किया जा रहा है. एचआईएल में 8 पुरुषों की टीमें और 6 महिलाओं की टीमें शामिल होंगी, यह पहली बार होगा कि एक स्टैंडअलोन महिला लीग पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी. इस प्रतियोगिता के लिए 1000 से अधिक खिलाड़ियों कि नीलामी होगी. पुरुष खिलाड़ियों की नीलामी 13 और 14 अक्टूबर को होगी, जबकि महिला खिलाड़ियों की नीलामी 15 अक्टूबर को होगी. प्रत्येक टीम में 24 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से शामिल करना) और 8 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे. एचआईएल आधिकारिक तौर पर 28 दिसंबर 2024 को राउरकेला

में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू होगा. मैच दो स्थान रांची में मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और राउरकेला में बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे. महिला लीग का फाइनल 26 जनवरी 2025 को रांची में होगा और पुरुषों का फाइनल 1 फरवरी 2025 को राउरकेला में होगा.

नीलामी में स्टार खिलाड़ी

पुरुषों की नीलामी पेरिस ओलंपिक में भारत की कांस्य पदक विजेता टीम के साथ शुरू होगी, जिसमें कप्तान हरमनप्रीत सिंह, उप-कप्तान हार्दिक सिंह जैसे शीर्ष सितारे, मनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल होंगे. वहीं रूपिंदर पाल सिंह, बीरेंद्र लकड़ा और धर्मवीर सिंह जैसे पूर्व भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भी इस प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण कराया है. इनके साथ आर्थर वैन डोरेन, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स, गोंजालो पेइलैट, जिप जानसेन, थिएरी ब्रिंकमैन और दयान कैसिएम सहित कइर् अंतर्राष्ट्रीय हॉकी आइकन पुरुष लीग में भाग लेंगे.

महिलाओं की नीलामी भारतीय महिला हॉकी टीम की शीर्ष खिलाड़ियों के साथ शुरू होगी, जिनमें अनुभवी गोलकीपर सविता, कप्तान सलीमा टेटे, उभरती सितारा और ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, सबसे कैप्ड भारतीय महिला खिलाड़ी वंदना कटारिया और लालरेम्सियामी शामिल हैं. साथ ही योगिता बाली, लिलिमा मिंज और नमिता टोप्पो जैसे पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने भी नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है. डेलिफ़ना मेरिनो, चार्लोट स्टेपनहॉर्स्ट, मारिया ग्रैनाटो, राचेल लिंच और नाइके लोरेंज सहित अंतर्राष्ट्रीय महिला खिलाड़ी ने भी पहली बार आयोजित एचआईएल महिला लीग के लिए पंजीकरण कराया है.

खिलाड़ियों की नीलामी का विवरण

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभा के उल्लेखनीय संतुलन के साथ, एचआईएल 2024-25 नीलामी के लिए 1,000 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है. प्रतियोगिता के लिए 400 से अधिक घरेलू पुरुष खिलाड़ी, 150 से अधिक विदेशी पुरुष खिलाड़ी, 250 से अधिक घरेलू महिला खिलाड़ी,70 से अधिक विदेशी महिला खिलाड़ी ने पंजीकरण कराया है. खिलाड़ियों को तीन आधार मूल्य श्रेणियों में विभाजित किया गया है. जिसमें दो लाख रुपए की श्रेणी में 600 से अधिक खिलाड़ी, पांच लाख रुपए की श्रेणी में 250 से अधिक खिलाड़ी दस लाख रुपए की श्रेणी में 250 से अधिक खिलाड़ियों का ब्रेकडाउन किया गया है.

नालंदा के वीर प्रताप सिंह बिहार रणजी टीम के कप्तानः आईपीएल में सचिन तेंदुलकर का लिया था विकेट, खेल प्रेमियों ने दी बधाई

नालंदा. नालंदा के चंडी थाना क्षेत्र के जगतपुर गांव निवासी वीर प्रताप सिंह को बिहार रणजी टीम का कप्तान बनाया गया है। इस खबर से जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। क्रिकेट प्रेमियों ने वीर प्रताप सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। बता दें कि वीर प्रताप सिंह एक प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। साल 2012 में जब बिहार को रणजी टीम में मान्यता नहीं मिली थी, तब उन्होंने बंगाल से रणजी खेला था। इसके अलावा, वह आईपीएल में भी कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और डेक्कन चार्जर्स जैसी टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल में सचिन तेंदुलकर का विकेट भी लिया है। जिले के क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि वीर प्रताप सिंह को बिहार रणजी टीम का कप्तान बनाए जाने से जिले का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने कहा कि यह नालंदा के लिए गौरव का क्षण है। जिले के पूर्व और वर्तमान खिलाड़ी, कोच और अंपायरों ने वीर प्रताप सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव गोपाल कुमार सिंह और पूर्व सचिव सय्यद मोहम्मद जावेद इकबाल ने वीर प्रताप सिंह को बधाई देते हुए बिहार क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी और सचिव जिआउल आफीन का धन्यवाद किया। जिले के क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अजय कुमार, कोषाध्यक्ष मनोरंजन कुमार और संयुक्त सचिव संजीव कुमार ने भी वीर प्रताप सिंह को बिहार टीम के अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

गेट का पल्ला दुकानदार के सिर पर गिरा, मौतःलखीसराय में सही से नहीं लगाया था, सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

लखीसराय. लखीसराय के कवैया थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजार समिति के निकट केनरा बैंक के अपोजिट गुमटी का ऊपरी पल्ला सिर पर गिरने से जख्मी युवक की सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत होने का मामला उजागर हुआ है। अपनी दुकान का दरवाजा खोल रहे युवक द्वारा ऊपरी पल्ला लगाने में बरती गई थोड़ी सी असावधानी युवक के मौत का कारण बन गई। सदर अस्पताल में हुई इस मौत के संबंध में परिजनों द्वारा बताया गया कि गुरुवार की सुबह दुकान खोलने गया था। लोहे का ऊपरी पल्ला खोलने के दौरान लोहे का रॉड या सांकल सही जगह पर नहीं फंसने पर दुकानदार के सिर पर ही आकर पल्ला गिर पड़ा। वह बुरी तरह जख्मी हो गया। जख्मी हालत में स्वर्गीय शंकर साव के पुत्र 28 वर्षीय मनीष कुमार को सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

भोजपुर में बच्चा चोरी, हत्या कर शव झाड़ी में फेंकाःनानी घर में रह रहा था 9 साल का मासूम, आक्रोशितों ने सड़क किया जाम; गिरफ्तारी की मांग

आरा(भोजपुर). भोजपुर में 9 माह के बच्चे की पहले चोरी हुई, फिर उसकी हत्या कर शव फेंक दिया गया। आज सुबह नाले के किनारे झाड़ी में बच्चे की लाश मिली। मृतक तीयर थाना क्षेत्र के तीयर गांव निवासी विकास कुमार का बेटा युवराज कुमार है। युवराज राखी में अपनी मां के साथ नानी घर गया था। तब से वो वहीं रह रहा था। बुधवार रात वो लापता हो गया। परिजनों ने रातभर उसकी खोजबीन की, पर उसका पता नहीं चला। सुबह लाश मिली। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों के बीच फैली, लोगों ने शव को रखकर मोहनिया-नेशनल हाईवे हाटपोखर गांव के पास रोड जाम कर दिया। गिरफ्तारी की मांग करने लगे। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जगदीशपुर थाना अध्यक्ष बिकाऊ राम पुलिस बल के साथ पहुंचे। जगदीशपुर एसडीएम और सीओ भी घटनास्थल पर पहुंचे। गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। जिसके बाद जाम हटा। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया। घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र के भोराही टोला गांव की है। पुलिस ने एफएसएस की टीम को बुलाया है। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। मृतक के दादा कामदेव यादव ने बताया कि बुधवार की देर रात करीब एक बजे मेरे बेटे ने फोन कर सूचना दी कि युवराज को किसी ने चुरा लिया। सूचना पाकर हमलोग वहां पहुंचे और इसकी सूचना स्थानीय थाना दी। स्थानीय थाना की पुलिस देर रात तक बच्चे की खोजबीन में लगी रही, लेकिन बच्चा नहीं मिल पाया। गुरुवार सुबह उसकी लाश मिली। मुंह-नाक बंद कर बच्चे की हत्या की गई है। मृतक के दादा ने किसी से विवाद या दुश्मनी से इनकार किया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि बच्चा अपनी मां-बाप का इकलौता संतान था।

राशन नहीं मिलने पर डीएम से मिलने पहुंचे बाढ़ पीड़ितः सहरसा में जिलाधिकारी के आवास पर किया प्रदर्शन

सहरसा. सहरसा के महिषी प्रखंड में सवा लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित है। ऐसे में जिला प्रशासन ने बाढ़ पीड़ितों के बीच सूखा राशन देने के लिए पंचायत में राहत सामग्री को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। महिषी प्रखंड के तेलवा पंचायत में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री नहीं मिल रहा है। ऐसे में गुरुवार को दर्जनों बाढ़ पीड़ित जिलाधिकारी के आवास पर पहुंच कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। जिलाधिकारी से राहत सामग्री उपलब्ध करवाने की मांग के साथ सभी मिलने पहुंचे थे। बाढ़ पीड़ित माधुरी राम, तैती देवी, सहजी देवी, सबों देवी, कविता, प्रमिला देवी गायत्री देवी, जयमाला देवी समेत अन्य ने बताया कि बीते 30 सितंबर को पश्चिमी कोसी तटबंध टूट जाने के कारण बाढ़ का पानी इलाके में फैल गया। इसके कारण सभी का घर पानी में डूब गया। इसके बाद सभी कोसी बांध पर शरण लेने के लिए पहुंचे। सरकार की ओर से सूखा राशन वार्ड सदस्य को मुहैया कराया गया। वार्ड सदस्य अमेरिका देवी ने बाढ़ राहत सामग्री अपने घर पर रख लिया है। उनका कहना है कि मन होगा तो दिया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी को फोन पर सूचना दिया गया है कि जल्द ही उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसके बाद एक किलो चावल और एक किलो चूरा देकर खानापूर्ति की गई।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, हत्याकांड का था आरोपीःनालंदा में आपसी रंजिश में किया था मर्डर

नालंदा. नालंदा के गिरियक थाना क्षेत्र के सतौआ निवासी बालवीर यादव उर्फ बालो यादव के अपहरण और हत्याकांड का मुख्य आरोपी अरेस्ट हुआ है। वेद प्रकाश उर्फ वेदू यादव को पुलिस ने जिला व्यवहार न्यायालय परिसर से गिरफ्तार किया है। यह जानकारी देते हुए डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश के खिलाफ दीपनगर, सिलाव और नालंदा थाना में 10 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह 2022 में 25 हजार का इनामी अपराधी भी रहा है। बता दें कि 25 जुलाई को बालवीर यादव का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 12 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इनमें से आठ को पहले ही जेल भेजा जा चुका था। पुलिस ने लगातार छापेमारी कर शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया था। डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि यह हत्या पुरानी रंजिश के चलते की गई थी। मृतक और मुख्य आरोपी नीतीश कुमार दोनों बालू कारोबारी थे और उनके बीच व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता थी। आरोप है कि मृतक की वजह से नीतीश कुमार को करोड़ों का नुकसान हुआ था और उसका ईंट भट्ठा भी सील हो गया था। इसी रंजिश के चलते नीतीश कुमार ने पांच लाख रुपए की सुपारी देकर बालवीर यादव की हत्या करवाई थी।

पटना में गैंगरेप के बाद मर्डर, 6 महीने बाद एफआईआर : मां बोली-आरोपी बेटे से कहते हैं तू भी नहीं बचेगा

पटना. पटना में पुनपुन थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई। घटना 18 अप्रैल 2024 की है, लेकिन वारदात के 6 महीने बाद केस दर्ज हो पाया। केस दर्ज कराने के लिए मां 6 महीने तक थाने का चक्कर लगाती रही, पर किसी ने नहीं सुनी। थक-हारकर उसने राष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री को ईमेल करने के सा एक्स पर शिकायत की। इसके बाद 8 अक्टूबर 2024 को पुनपुन थाने में केस दर्ज किया गया है। गांव के ही रवि कुमार, गौरीशंकर, ओम दास और रामलखन दास पर हत्या-रेप का आरोप है। मुखिया नागा राम पर आरोप है कि पुलिस पर दबाव बनाकर केस दर्ज नहीं होने दिया।अब पुनपुन थाने की पुलिस छानबीन के लिए मौके पर पहुंची। पीड़ित मां का कहना है कि आरोपी मेरे बेटे को फोन कर कहते हैं कि तुम्हारी बहन का रेप कर मार दिया अब तुझे भी मार देंगे।

3 लोगों ने की हैवानियत

महिला ने बताया कि मेरे पति की दिमागी हालत ठीक नहीं है। वर्ष 2019 में पुनपुन के एक गांव में जमीन खरीद कर मकान बनवाया था। जहां अपने बच्चों के साथ खुशी-खुशी रह रही थी। इस बीच गांव के ही रवि कुमार, गौरी शंकर, ओम दास, राम लगन दास समेत कुछ लोग मकान बेचकर जाने का दबाव बनाने लगे। लड़की की मां का कहना है कि 'मेरी बेटी की उम्र 11 वर्ष थी। रोज ट्यूशन पढ़कर सुबह 11 बजे तक घर आ जाती थी। घटना वाले दिन 11 अप्रैल को मैं सब्जी बेचनी गई थी। इस बीच रवि कुमार, गौरी शंकर दास और ओम दास ने मेरे घर में घुसकर बच्ची के साथ गैंगरेप किया और उसके बाद उसकी हत्या कर दी। आरोपी के पिता राम लगन दास ने मुझे दोपहर में सूचना दी कि बेटी ने फांसी लगा ली है। आनन-फानन में घर पहुंची। देखा की बेटी फंदे से लटकी नहीं है, बल्कि घर के बाहर गली में मृत पड़ी हुई है।'

मेरे बेटे की भी हत्या की धमकी दी

उन्होंने आगे कहा कि 'बेटी के गले, पैर और प्राइवेट पार्ट पर जख्म के निशान थे। यह देखकर मैं बेसुध हो गई। तत्कालीन मुखिया नागा राम ने मेरे पति और मेरे इकलौते बेटे की भी हत्या की धमकी दी। डर से मैंने गुलबी घाट पर पति के सामने बेटी के शव को परवाह कर दिया।इस घटना के बाद पुनपुन थाना जाकर आवेदन दी, लेकिन पुलिस ने आवेदन लेने से मना कर दिया। चौकीदार ने भी मामला दबाने के लिए मुझे धमकी दी। मुखिया ने ही केस दर्ज नहीं होने दिया। यहां तक पोस्टमार्टम भी नहीं करवाने दिया।'

सीबीआई जांच की मांग

21 अप्रैल को सभी मेरे घर में घुस गए। सोने के जेवर और 11 हजार कैश लेकर फरार हो गए। इसकी भी शिकायत थाने में की, पर मुखिया ने केस दर्ज होने नहीं दिया। डर कर मैंने कौड़ियों के भाव में घर बेच दिया।अब दर-दर को ठोकर खाने को मजबूर हूं। मुखिया समेत सभी आरोपी लगातार धमकी दे रहे हैं। केस की जांच हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की देखरेख में सीबीआई से कराने की मांग है।

बिहार से हर साल 5 करोड़ लोग पलायन करते हैंः तेजस्वी बोले- एनडीए सरकार में डराने वाले आंकड़े, नित्यानंद का जवाब- जंगलराज में सबसे ज्यादा पलायन

पटना. बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहारियों के पलायन के मुद्दे पर नीतीश सरकार को घेरा है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर कुछ आंकड़ें शेयर करते हुए दावा किया है कि राज्य से हर साल लगभग 5 करोड़ लोग पलायन करते हैं। राजद नेता ने एक्स पर लिखा, 'केंद्र सरकार द्वारा संसद में दिए गए आँकड़ों के अनुसार प्रतिवर्ष बिहार से लगभग 3 करोड़ लोग पलायन करते है। ये वो आँकड़े है तो श्रम विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत है। एक अनुमान के अनुसार बिहार से लगभग 5 करोड़ लोग प्रतिवर्ष अस्थायी नौकरी-रोजगार के लिए पलायन करते है। 20 वर्षों की नीतीश-बीजेपी सरकार में पलायन के आँकड़े भयावह हैं। 20 वर्षों में एनडीए सरकार ने बिहार में उद्योग-धंधे लगाने की दिशा में सकारात्मक कार्य नहीं किए।' राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने आगे लिखा,'मुख्यमंत्री कहते है कि बिहार में समुद्र नहीं इसलिए हम उद्योग नहीं लगवा पाएंगे। लेकिन इच्छाशक्ति के बल पर हमारे 17 महीनों के कार्यकाल में राजद अधीन उद्योग विभाग ने निवेशकों से 50 हजार करोड़ के MoU साइन करवाए। लगभग 10 वर्षों से बिहार में डबल इंजन की सरकार है। बिहार ने एनडीए को 2014 में 31, 2019 में 39 और 2024 में 30 सांसद दिए उसके बावजूद बिहार को उसका वाज़िब हक़-अधिकार नहीं मिल रहा है। हमारी सरकार बनने पर बिहार के श्रमवीरों को बिहार में ही काम देंगे। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, औद्योगिक क्लस्टर एवं उद्योग-धंधे स्थापित करेंगे तथा सबको अपने गृह राज्य बिहार में ही काम मिलेगा।' तेजस्वी यादव के बयान पर बीजेपी के सीनियर नेता और केंद्रीय राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, 'बिहार में सबसे ज्यादा पलायन जंगलराज की सरकार में हुआ। लालू शासनकाल में लोग अपनी जान और प्रतिष्ठा बचाने के लिए बाहर गए थे। एनडीए की सरकार बनने के बाद पिछले 20 सालों में बिहार में पलायन पहले से काफी कम हुआ है। तेजस्वी यादव सफेद झूठ बोल रहे हैं।'

तेजस्वी ने पलायन को लेकर क्या कहा?

तेजस्वी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, 'केंद्र सरकार द्वारा संसद में दिए गए आंकड़ों के अनुसार प्रतिवर्ष बिहार से लगभग 3 करोड़ लोग पलायन करते हैं। ये वो आंकड़े है जो श्रम विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत हैं। एक अनुमान के अनुसार बिहार से लगभग 5 करोड़ लोग प्रतिवर्ष अस्थायी नौकरी-रोजगार के लिए पलायन करते हैं। 20 वर्षों की नीतीश-बीजेपी सरकार में पलायन के आंकड़े भयावह है। 20 वर्षों में एनडीए सरकार ने बिहार में उद्योग-धंधे लगाने की दिशा में सकारात्मक कार्य नहीं किए। मुख्यमंत्री कहते हैं कि बिहार में समुद्र नहीं, इसलिए हम उद्योग नहीं लगवा पाएंगे, लेकिन इच्छाशक्ति के बल पर हमारे 17 महीनों के कार्यकाल में राजद अधीन उद्योग विभाग ने निवेशकों से 50 हजार करोड़ के एमओयू साइन करवाए। लगभग 10 वर्षों से बिहार में डबल इंजन की सरकार है। बिहार ने एनडीए को 2014 में 31, 2019 में 39 और 2024 में 30 सांसद दिए उसके बावजूद बिहार को उसका वाजिब हक-अधिकार नहीं मिल रहा है। हमारी सरकार बनने पर बिहार के श्रमवीरों को बिहार में ही काम देंगे। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, औद्योगिक क्लस्टर एवं उद्योग-धंधे स्थापित करेंगे तथा सबको अपने गृह राज्य बिहार में ही काम मिलेगा।

स्कूल में जींस, टी-शर्ट पहन कर नहीं आएंगे गुरुजी, बिहार में जारी हुआ फरमान

पटना. बिहार में अब गुरुजी जींस और टी-शर्ट पहन कर स्कूल नहीं आएंगे। शिक्षा विभाग ने इसे लेकर फरमान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि जींस और टी-शर्ट पहन कर शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में नहीं आएंगे। शिक्षा विभाग ने इस पर कड़ी आपत्ति जतायी है कि स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और कर्मी प्राय कार्यालय संस्कृति के विरुद्ध अनौपचारिक परिधान में आ रहे हैं। विभाग ने निर्देश दिया है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शिक्षक और कर्मी गरिमायुक्त औपचारिक परिधान में ही स्कूल और संस्थानों में आएंगे। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को बुधवार को निर्देश जारी किया है। शिक्षा विभाग ने यह भी कहा है कि सोशल मीडिया से स्कूल में डीजे-नृत्य, डिस्को और निम्न स्तर की गतिविधियां की जानकारी मिली है। शिक्षकों और अन्य कर्मियों का आचरण शैक्षणिक माहौल को नकारात्मक बनाता है। यह स्वीकार योग्य नहीं है। विभाग के निदेशक, प्रशासन सुबोध चौधरी ने जिलों को लिखे पत्र में कहा है कि स्कूलों-शैक्षणिक संस्थानों में शालीन व्यवहार और गरिमामयी वातावरण सुनिश्चित कराएं। जाहिर है शिक्षा विभाग के इस निर्देश के बाद अब स्कूल के टीचर फॉर्मल ड्रेस में ही स्कूल आएंगे। विभाग की तरफ से यह भी कहा गया है कि सिर्फ शिक्षा कैलेंडर के मुताबिक ही खास दिनों में नृत्य, संगीत इत्यादि का अनुशासित एवं शालीन कार्यक्रम मान्य हैं।

पटना में 30 लाख रुपए कैश के साथ युवक गिरफ्तारः राजधानी एक्सप्रेस से उतरने के दौरान जीआरपी ने दबोचा, कहा- ठेकेदार हूं, मजदूरों को पेमेंट करना है

पटना. पटना के पाटलिपुत्र स्टेशन पर जीआरपी ने राजधानी एक्सप्रेस से उतरे एक व्यक्ति अभिषेक आनंद को 30 लाख रुपए नगद के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शख्स ने पूछताछ के क्रम में अपने आप को ठेकेदार बताया है और कहा कि वह मजदूरों को पेमेंट करने के लिए पैसे लेकर जा रहा था। वहीं जब उससे पैसों का ब्योरा मांगा गया, तो वह नहीं दे सका। इसके बाद रेल पुलिस ने आयकर विभाग को सूचना दी और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। पाटलिपुत्रा स्टेशन जीआरपी प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर रेल में अपराध की रोकथाम के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाई जा रही है। उसी क्रम में पाटलिपुत्र स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक के उत्तरी छोर पर एक शख्स को पीठू बैग के साथ संदिग्ध दिखा। संदेह होने पर उससे पूछताछ करने के साथ ही बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके बैग में 30 लाख रुपए नगद मिला। पकड़े गए शख्स की पहचान पुनपुन थाना क्षेत्र के लोदीपुर निवासी अभिषेक आनंद के रूप में हुई है। जो वर्तमान में दीघा थाना क्षेत्र के मकदुमपुर स्थित एबीसी कॉम्प्लेक्स में रहता है।

कटिहार से लेकर आ रहा था पैसा

पूछताछ में युवक ने बताया कि वह पटना ठेकेदारी करता है। मजदूरी का भुगतान करने के लिए वह कटिहार से पैसा लेकर आ रहा था। पाटलिपुत्र स्टेशन से घर जा रहा था। जब उससे रुपये से संबंधित कागजात मांगा गया तो नहीं दिया। बैग में पांच-पांच सौ रुपए की 60 गड्डी थी। आगे की तहकीकात आयकर विभाग के अधिकारी करेंगे। सूचना पाकर आयकर विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच कर बरामद रुपयों को लेकर हिरासत में लिए गए व्यक्ति से पूछताछ कर रही है।

बाढ़ एनटीपीसी में कर्मचारियों का प्रदर्शनः40 कर्मचारियों को काम से निकालने का कर रहे हैं विरोध, कहा- उन्हें पेमेंट भी नहीं मिला, मैनेजमेंट बात करने को तैयार

पटना. बाढ़ अनुमंडल के एनटीपीसी प्लांट के अंदर पेटी कांन्ट्रेक्टर दुशान कंपनी में कार्यरत सैंकड़ो कर्मचारियों ने लेबर गेट पर धरना दिया। कर्मचारियों का कहना है कि दुशान कंपनी के 40 कर्मचारियों को काम से निकाल दिया गया है। इसके बावजूद उनके अकाउंट में आज तक पेमेंट नहीं भेजा गया है। दूशान कंपनी के सैकड़ो कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर लेबर गेट पर खड़ा होकर प्रदर्शन किया।

गेट पास होने के बावजूद कर्मचारियों को रोका

एनटीपीसी में कार्यरत दुशान कंपनी के कर्मचारियों ने कहा कि गेट पास होने के बावजूद उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया है। 40 कर्मचारियों का फाइनल हिसाब कर दिया गया है और उन्हें काम से निकाल दिया गया है। इसको लेकर कंपनी में काम कर रहे सभी कर्मचारी एकजुट होकर प्रदर्शन करने लगे और निकाले गए कर्मचारियों को पेमेंट करने की मांग की। उनमें से एक कर्मचारी ने यह भी आरोप लगाया कि उसे मृत घोषित कर कई महीनों से उसका वेतन रोक दिया गया है। लगभग डेढ़ साल से पीएफ का पैसा भी नहीं निकाल पा रहा है और दफ्तर का चक्कर लगाते-लगाते थक चुका है। वहीं कई कर्मचारी 12-12 घंटे तक काम कराने को लेकर भी शिकायत करते नजर आए।

बातचीत से समस्या का समाधान हो सकता है

एनटीपीसी अधिकारी का कहना है कि कर्मचारियों का हिसाब श्रम कानून के नियमों के तहत कर दिया गया है। इसके बावजूद कर्मचारी हंगामा कर रहे हैं। मैनेजमेंट उनके साथ बात करने के लिए तैयार है। अगर वो शांतिपूर्ण तरीके से आते हैं तो बातचीत से समस्या का समाधान हो सकता है।

खराब मीटर, बिल गलत होने पर सीजीआरएफ में करें शिकायत : न तो वकील की जरूरत है, न फीस लगेगी

खराब मीटर, बिल गलत होने पर सीजीआरएफ में करें शिकायतःन तो वकील की जरूरत है, न फीस लगेगी, खुद ही बहस करने की छूट

पटना. बिजली से जुड़ी समस्या है, समाधान नहीं हो रहा । स्थानीय अधिकारी सुन नहीं रहे हैं तो सीधे उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम (सीजीआरएफ) में आवेदन कर दीजिए। यहां अपील के लिए न तो वकील की जरूरत है, न फीस लगेगी। खुद ही बहस करने की छूट भी है। नया इंतजाम यह है कि अब सीजीआरएफ ऑफिस नहीं, अपने डिविजन के सुविधा केंद्र पर भी शिकायती पत्र जमा करने की व्यवस्था हो गई है। राज्य के 20 शहरों में उपभोक्ता निवारण फोरम (सीजीआरएफ) गठित है। यहां ऑन लाइन, ऑफ लाइन आवेदन देने की सुविधा है। सीजीआरएफ के फैसले से उपभोक्ता संतुष्ट नहीं हैं तो बिजली कंपनी मुख्यालय स्थिति ऑम्बड्समैन (विद्युत लोकपाल) के यहां अपील करना होगा। यहां भी कोई फीस और वकील की जरूरत नहीं हैं। सुनवाई के बाद ऑम्बड्समैन द्वारा फैसला सुनाएंगे। इस फैसले से भी संतुष्ट नहीं है तो सीधे हाईकोर्ट जा सकते है। यदि सीजीआरएफ ने उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया है। बिजली कंपनी के अधिकारियों के उसका अनुपालन नहीं कर रहे हैं तो विद्युत विनियामक आयोग में आवेदन दें। यहां फिर सुनवाई होगी। फैसला सुनाया जाएगा। आयोग, सीजीआरएफ का फैसला नहीं मानने पर बिजली कंपनी के अधिकारी के खिलाफ 1 लाख रुपए तक का जुर्माना भी कर सकता है।

क्या है नई व्यवस्था

1.बिहार विद्युत विनियामक आयोग ने बिजली कंपनी को डिविजन में स्थापित सुविधा केंद्र पर सीजीआरएफ के नाम से आने वाले आवेदनों को रिसीव करने का आदेश दिया है। ताकि, उपभोक्ताओं को आवेदन देने के लिए बिजली कंपनी के सर्किल मुख्यालय जाना नहीं पड़े। केस एडमिट करने के बाद दोनों पक्षों को नोटिस जाएगा। बिजली कंपनी के अधिकारी और उपभोक्ता फोरम के समक्ष पक्ष रखेंगे।

2. सीजीआरएफ में केस एडमिट होने के बाद समाधान के लिए विद्युत कार्यपालक अभियंता को पत्र जाएगा। कार्यपालक अभियंता 7 दिन में जवाब देना होगा। जवाब नहीं आने की स्थिति सीजीआरएफ दोनों पक्षों को नोटिस भेजेगा। सुनवाई की तय तारीख और समय उपभोक्ता अपना पक्ष स्वयं रखेंगे। बुजुर्ग होने की स्थिति में बच्चे भी पक्ष रख सकते हैं।

भगवान राम-हनुमान को मुसलमान बताने वाले शिक्षक जियाउद्दीन पर भड़के गिरिराज, कहा- देश द्रोह का मुकदमा चले

पटना. बेगूसराय के एक टीचर ने बच्चों को पढ़ाने के दौरान भगवान राम और हनुमान को मुसलमान बताया है। जिस पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भड़क गए। पटना एयरपोर्ट पर उन्होंने कहा कि 'जियाउद्दीन जैसे टीचर पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। वो हिंदू-मुस्लिम करना चाहता था।' 'अगर कोई उनके पैगंबर पर बोले तो सिर तन से जुदा होता। मेरे भगवान हनुमान और राम जी को मुसलमान बता रहे हैं। हम तो यह नहीं कह रहे हैं कि सिर तन से जुदा होगा। उस शिक्षक को गिरफ्तार कर देशद्रोह का मुकदमा चलाया जाए।' केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है, 'हमारे संसदीय क्षेत्र बेगूसराय में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। कादराबाद स्कूल में जियाउद्दीन नाम के शिक्षक ने जिस तरीके से बच्चों को यह पढ़ाया है कि राम और हनुमान मुसलमान थे। यह बहुत बड़ी गलती है।' बेगूसराय के एक टीचर ने बच्चों को पढ़ाने के दौरान भगवान राम और हनुमान को मुसलमान बताया था।

टीचर का नाम मोहम्मद जियाउद्दीन है और वह उत्क्रमित मध्य विद्यालय कादराबाद में पढ़ाते हैं। उन्होंने क्लास में बच्चों को पढ़ाते हुए कहा कि 'भगवान राम और उनके भक्त हनुमान पहले मुसलमान थे। वे नमाज पढ़ा करते थे।' इसकी जानकारी जब लोगों तक पहुंची तो उन्होंने स्कूल पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। गुस्साए लोगों ने टीचर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, टीचर के इस बयान से उस स्कूल के कई शिक्षक भी नाराज हो गए। हालांकि, शिक्षक जियाउद्दीन ने विवाद बढ़ता देख माफी मांग ली है।मामला बछवाड़ा प्रखंड का है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस मामले में CM से सख्त एक्शन लेने की मांग की है।

7वीं क्लास को पढ़ा रहे थे शिक्षक

बताया जा रहा है कि मंगलवार को 7वीं कक्षा के बच्चों को मोहम्मद जियाउद्दीन पढ़ा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने ये आपत्तिजनक बात कही। बच्चे जब घर गए तो उन्होंने परिजनों और गांव वालों को इस बात की जानकारी दी। गांव वाले एकजुट होकर मंगलवार को शिक्षक के घर भी गए थे। जिसके बाद आज स्कूल खुलते ही बड़ी संख्या में पेरेंट्स स्कूल पहुंचकर हंगामा करने लगे। इसके बाद क्लास में जाकर बच्चों से जब इस संबंध में पूछताछ की तो कई छात्रों ने सबके सामने बताया कि 'जियाउद्दीन सर ने हनुमान जी और राम जी को मुसलमान बताया था।' बच्चों के इतना कहते ही लोग हंगामा करने लगे। लोगों के आक्रोश को देकर शिक्षक ने माफी मांग ली।

हथियार के साथ वीडियो वायरल, तीन बदमाश अरेस्ट

आरा(भोजपुर). भोजपुर पुलिस ने हथियार लहराते हुए रील बनाने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। तीन युवक सोशल मीडिया पर हथियार के साथ रील्स बनाते थे। इसका मकसद था कि उनकी दबंगई और डर लोगों में बनी रहे। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को दबोच लिया है। साथ ही हथियार तीनों युवकों के पास कहां से आया है, इसकी पूछताछ की जा रही है। एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि 7 अक्टूबर को नवादा थाना क्षेत्र अंतर्गत दो अलग-अलग वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। जिसमें दो युवक हथियार के साथ देखे गए। जानकारी के अनुसार ये हथियार की तस्करी करते थे। वीडियो में एक युवक फायरिंग करते हुए दिखा तो एक युवक हथियार और गोली दिखाते हुए देखा गया। वीडियो सामने आने के बाद वीडियो को संज्ञान में लेकर सत्यापन कर नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी के नेतृत्व में टीम गठित कर दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार हुए युवकों में लल्लू उर्फ अमित जो जवाहर टोला के रहने वाला है और दूसरा युवक मंटू यादव उर्फ सागर है, जो महावीर टोला का रहने वाला है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

आरा(भोजपुर). भोजपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में बुधवार को ठनका गिरने से बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक शाहपुर थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी स्व.शहबान मियां के बेटे हैदर अली (64) हैं। वह पेशे से किसान थे। इधर, शाहपुर प्रखंड के वार्ड नंबर चार के वार्ड सदस्य शरफुद्दीन अंसारी ने बताया कि वह पेशे से किसान थे।

चुनावी ड्यूटी से लौट रहे जवानों के साथ स्पेशल ट्रेन में हुआ भद्दा मजाक

सीआरपीएफ के 700 जवान 48 घंटे रहे भूखे

रायपुर(ईएमएस)। देश का सबसे बड़ा केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ के जवानों से साथ रेलवे की खानपान एजेंसी ने भद्दा मजाक किया है। मामला जम्मू कश्मीर के सांबा से चली स्पेशल ट्रेन 00328 का है। इसमें सीआरपीएफ की 10 कंपनियां, (लगभग 700 सौ जवान) सवार थीं। रायपुर जा रही गाड़ी में जवानों को 48 घंटे तक डिनर मुहैया नहीं कराया गया। जवानों ने केवल दो वक्त के ब्रेक फास्ट में ही काम चलाया। उनके साथ रेलवे की खानपान एजेंसी की तरफ से भद्दा मजाक किया गया। अगले स्टेशन पर मिलेगा खाना, ये कह कर उन्हें भूखे पेट यात्रा करने के लिए मजबूर किया जाता रहा। सीआरपीएफ जवानों को ला रही यह स्पेशन ट्रेन गुरुवार को दोपहर बाद रायपुर पहुंची है। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, इस स्पेशल ट्रेन को सात अक्टूबर को सांबा से चलना था। किन्हीं कारणों से यह गाड़ी लेट हो गई। इसके बाद 8 अक्तूबर को सुबह तीन बजे ये गाड़ी रायपुर के लिए रवाना हुई। सांबा से चलने के बाद जवानों को अंबाला स्टेशन पर ब्रेकफास्ट मुहैया कराया गया। इसके बाद उन्हें पूरा दिन कुछ नहीं मिला। उन्हें बताया गया कि दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लंच मिलेगा। गाड़ी शाम को आठ बजे पहुंची, ऐसे में लंच का समय तो निकल गया। दिल्ली में उन्हें जो खाना देने का प्रयास हुआ, उसकी क्वालिटी बहुत घटिया थी। जवानों के मुताबिक, वह खाना सुबह का बना हुआ था। ऐसे में जवानों ने खाना लेने से मना कर दिया। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर संबंधित एजेंसी के कर्मचारियों से फ्रेश खाना मुहैया कराने का आग्रह किया गया। रेलवे की तरफ से जवाब दिया गया कि ये संभव नहीं है। हमने अपने उच्च अधिकारियों से बात कर ली है कि अब आपको आगरा में बढ़िया खाना मिलेगा। उन्होंने फोन नम्बर भी दिया। इसके बाद भूखे पेट ही जवान आगे चल पड़े। आगरा में खाना मुहैया कराने के लिए जिस व्यक्ति का फोन, सीआरपीएफ अफसरों को दिया गया था, वह फोन ही नहीं मिल सका। कई बार फोन ट्राई किया गया।

कटनी में रात 12 बजे डिनर: भूखे पेट यात्रा कर रहे जवानों को 9 अक्टूबर को झांसी में ब्रेकफास्ट दिया गया। इसके बाद रात को कटनी में रात 12 बजे डिनर मिला। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में जब भी रेलवे एजेंसी के किसी अधिकारी/ठेकेदार से बातचीत की जाती तो वे पल्ला झाड़ लेते। एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालने लगते। वे कहते कि आप आगे बात कर लें। ट्रेन लेट है, इसलिए अब तो खाना नहीं मिल पाएगा। अब कोई शेड्यूल नहीं है। रेल में लंच और डिनर तो शेड्यूल पर ही मिलता है। जवानों को अब अगले दिन की चिंता थी। जब डिनर दिया गया तो उन्होंने पैक लंच भी देने की बात कही। इसके लिए संबंधित एजेंसी ने जवानों को मना कर दिया।

दिल्ली में विधायक फंड हुआ 15 करोड़

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली में विधायक फंड में गुरुवार को सरकार ने बड़ी बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। विधायक फंड प्रति विधायक 15 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष किया गया है, अभी यह सालाना 10 करोड़ रुपए प्रति विधायक थी। बता दें कि दिल्ली का विधायक फंड पूरे देश में सबसे ज्यादा है। दिल्ली सरकार के कैबिनेट ने गुरूवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी, इसके बाद मुख्यमंत्री आतिशी ने घोषणा की। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि देश के किसी अन्य राज्य के पास इतनी विधायक निधि नहीं है। गुजरात 1.5 करोड़ रुपये देता है, आंध्र प्रदेश-कर्नाटक दो करोड़ रुपये देते हैं। हमारी सरकार पूरे देश में सबसे अधिक विधायक निधि देती है। दिल्ली सरकार लोगों के लिए काम करना जारी रखेगी।

भाजपा विधायक भी कर रहे थे निधि बढ़ाने की मांग

वहीं मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह फंड इसलिए बढ़ाया गया है ताकि विधायक अपने-अपने इलाके में काम कर सकें। इस साल काफी बारिश हुई है।

केंद्र सरकार ने हिज्ब-उत-तहरीर पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने 1953 में यरुशलम में गठित वैश्विक इस्लामी कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है। इसके साथ ही सरकार ने कहा है कि- इस इस्लामी कट्टरपंथी समूह का उद्देश्य इस्लामिक राज्य की स्थापना करना है। एक अधिसूचना में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी भोले-भाले युवाओं को आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बनाने और प्रेरित करने के साथ-साथ आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में शामिल है। एचयूटी कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, सुरक्षित ऐप का उपयोग करके और भोले-भाले युवाओं को आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए दावाह बैठकें आयोजित करके आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी एक ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य देश के नागरिकों को शामिल करके जिहाद और आतंकवादी गतिविधियों के माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को उखाड़ फेंककर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक राज्य और खिलाफत स्थापित करना है, जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। अधिसूचना में कहा गया है, चूंकि, केंद्र सरकार का मानना है कि हिज्ब-उत-तहरीर आतंकवाद में शामिल है और उसने भारत में कई आतंकवादी कृत्यों में भाग लिया है। अधिसूचना में इस समूह को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित किया गया है।

बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति का आदेश... प्रसाद की गुणवत्ता और शुद्धता के लिए एसओपी जारी

देहरादून (ईएमएस)। तिरुपति मंदिर प्रसाद में मिलावट का मामला सामने आने के बाद उत्तराखंड में बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति भी सतर्क है। समिति ने बद्रीनाथ, केदारनाथ धाम के अलावा बीकेटीसी के अधीन आने वाले मंदिरों में भोग और प्रसाद की गुणवत्ता और शुद्धता के लिए एसओपी जारी कर दी है। जिसके बाद साल भर में एक बार फूड सेफ्टी ऑडिट करना होगा। वहीं बद्री-केदार मंदिर समिति ने भी बद्रीनाथ, केदारनाथ धामों के साथ समिति के अधीन आने वाले मंदिरों में भोग और प्रसाद की गुणवत्ता-शुद्धता के लिए एसओपी जारी की है। इस एसओपी के तहत मंदिरों के लिए बनने वाले भोग-प्रसाद को तैयार करने, प्रसाद में इस्तेमाल होने वाली खाद्य सामग्री भंडारण के साथ ही निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। यह भी कहा गया है कि साल भर में एक बार भोग प्रसाद का फुल सेफ्टी ऑडिट कराया जाएगा। इसमें भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की ओर से अधिकृत प्रयोगशाला में खाद्य सामग्री की जांच कराई जाएगी। प्रसाद और भोग में इस्तेमाल होने वाले चावल, तेल, मसाले और केसर की जांच करने के साथ ही सभी सामग्री किसी भरोसेमंद व्यापारी से खरीदने के निर्देश दिए गए हैं। भोग और प्रसाद बनाने के लिए इस्तेमाल में आने वाले तेल को ज्यादा से ज्यादा तीन बार प्रयोग में लाने को कहा गया हैं।

राजनाथ सिंह 11 राज्यों के 75 इंफ्रा-प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे: इनकी लागत करीब 2236 करोड़ रुपए, बीआरओ ने बनाई हैं 22 सड़कें और 51 पुल

नई दिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 11-12 अक्टूबर को सिक्किम में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कुपुप-शेराथांग रोड का उद्घाटन करेंगे। वे पश्चिम बंगाल, नगालैंड सहित 11 राज्यों के 74 इंफ्रा-प्रोजेक्ट्स का भी वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इनमें 22 सड़कें और 51 पुल हैं। इस दौरान रक्षा मंत्री सिक्किम के दौरे पर रहेंगे। ये निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने किया है। चीन सीमा और अन्य दूरदराज इलाकों में बने इन प्रोजेक्ट्स की लागत करीब 2236 करोड़ रुपये है। इससे लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की आवाजाही, राशन, ऑर्टिलरी जैसी चीजें पहुंचाने में आसानी होगी।

इस साल अब तक 111 प्रोजेक्ट पूरे, पिछले साल 125 बनाए थे

अधिकारियों ने बताया कि पिछले पांच सालों में सीमा पर चीन के इंफ्रा प्रोजेक्ट में तेजी आने के बाद भारत ने भी अपने निर्माण की गति बढाई है। इसी के साथ इस साल बीआरओ के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की संख्या 111 हो गई। इनकी कुल लागत 3751 करोड़ रुपये है। पिछले साल बीआरओ ने 3611 करोड़ रुपये के 125 प्रोजेक्ट पूरे किये थे।

इसी साल मार्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेला टनल का उद्घाटन किया था। वह भी इस साल पूरी हुई 111 प्रोजेक्ट्स में से एक है। बीआरओ ने उसे 825 करोड़ रुपये में रणनीतिक तवांग सेक्टर में सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की सहूलियत के लिए बनाया था। यह करीब 13 हजार फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे लंबी ट्विन-लेन सुरंग है।

एक ही वर्किंग सेशन में पूरे किए कई प्रोजेक्ट

75 नए प्रोजेक्ट में 19 जम्मू-कश्मीर, 11 लद्दाख, 18 अरुणाचल प्रदेश, 9 उत्तराखंड, 6 सिक्किम, 5 हिमाचल प्रदेश, 2-2 पश्चिम बंगाल और राजस्थान और 1-1 नगालैंड, मिजोरम और अंडमान-निकोबार में हैं। ये प्रोजेक्ट चीन सीमा और अन्य दूरदराज इलाकों में भारत के बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेंगे। अधिकारियों ने बताया बीआरओ ने इन रणनीतिक प्रोजेक्ट्स को रिकॉर्ड समय में पूरा किया है और कई को लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के प्रयोग से एक ही वर्किंग सेशन सत्र में बनाया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सीमा पर इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए बीआरओ ने पिछले पांच सालों में 16 हजार करोड़ रुपये की लागत से 450 प्रोजेक्ट पूरे किए हैं।

इनमें नई सड़कें, पुल, सुरंगें, हवाई अड्डे और हेलीपैड शामिल हैं। भारत सीमा पर इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में चीन से पीछे है लेकिन 2020 में चीन के साथ हुई झड़प के बाद इस ओर तेजी से कदम बढाए जा रहे हैं।

सीमा पर मीटिंग करेंगे, सैनिकों के साथ दशहरा मनाएंगे

रक्षा मंत्री 11 अक्टूबर को गंगटोक में सेना कमांडरों के साथ बैठक करेंगे। यह पहली बार है चीन सीमा पर इस तरह की टॉप मीटिंग होगी। इसके बाद 12 अक्तूबर को सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ दशहरा मनाएंगे। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के बीच सैन्य गतिरोध के पांच साल हो रहे हैं। सेना ने 9 अक्टूबर को कहा था कि सिक्किम सीमा पर आर्मी कमांडरों के साथ बैठक जमीनी हकीकत पर भारतीय सेना के फोकस को दर्शाता है। 1 अक्टूबर को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा- एलएसी पर तनाव कम करने के लिए दोनों सेनाओं ने अब तक कोर कमांडर स्तर की 21 दौर की बातचीत की है। नतीजतन, गलवान घाटी, पैंगोंग त्सो, गोगरा (PP-17A) और हॉट स्प्रिंग्स (PP-15) से वापसी हुई है। हालांकि, देपसांग और डेमचोक में हालात अब भी पहले जैसे नहीं हैं। दोनों सेनाओं के पास अभी भी लद्दाख थिएटर में हजारों सैनिक तैनात हैं।

राहुल गांधी हरियाणा चुनाव में हार से नाराज:बोले- नेताओं का इंटरेस्ट पार्टी से ऊपर रहा; हाईकमान की मीटिंग में नहीं पहुंचे हुड्डा-उदयभान

चंडीगढ़: हरियाणा चुनाव में मिली हार पर कांग्रेस की समीक्षा मीटिंग गुरुवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई। इसमें राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में नेताओं का इंटरेस्ट ऊपर रहा, इस कारण से पार्टी का इंटरेस्ट नीचे चला गया। बैठक में तय किया गया कि हार के कारणों को जानने के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई जा रही है, जो हरियाणा में जाकर नेताओं से चर्चा करके रिपोर्ट हाईकमान को सौपेंगी। कमेटी में कौन-कौन चेहरे शामिल किए जाएंगे, अभी उनके नामों पर चर्चा नहीं हो पाई है।

करीब आधे घंटे चली मीटिंग के बाद कांग्रेस नेता अजय माकन ने हुड्डा-सैलजा के मतभेदों पर कहा कि हार के बहुत सारे कारण हैं, जो चुनाव आयोग से लेकर नेताओं के मतभेद तक हैं। इन्हीं सब कारणों पर चर्चा हुई और आगे भी चर्चा करेंगे। इतना बड़ा उलटफेर, एग्जिट पोल जो कह रहे थे, बड़े से बड़ा सर्वे जो कह रहे थे, सभी के सभी एक साथ गलत साबित कैसे हो

सकते हैं। आधे घंटे की मीटिंग में इस मामले में किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा जा सकता है। आज की मीटिंग में हमने आगे की रणनीति पर चर्चा की है। आगे जो भी होगा, उसकी जानकारी केसी वेणुगोपाल देंगे। इस मीटिंग में हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को भी बुलाया गया था, लेकिन वे नहीं आए।

इस मीटिंग में सिरसा सांसद कुमारी सैलजा और राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला को नहीं बुलाया गया था। लालू यादव के समधी और कांग्रेस नेता कैप्टन अजय यादव को भी मीटिंग में शामिल होने का कोई मैसेज नहीं मिला। मीटिंग ऐसे टाइम पर बुलाई गई, जब सैलजा समर्थक हार के लिए सीधे तौर पर भूपेंद्र हुड्डा को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। असंध से हारे पूर्व MLA शमशेर गोगी ने कहा कि ये कांग्रेस नहीं बल्कि हुड्डा कांग्रेस की हार है। वहीं अंबाला कैंट से हारे परविंदर परी ने कहा कि B-D गैंग यानी भूपेंद्र-दीपेंद्र हुड्डा गैंग ने कई सीटों पर बागी प्रत्याशियों को उतार कांग्रेस कैंडिडेट को हराने का काम किया।

जानिए, हरियाणा चुनाव में किसके पास क्या जिम्मेदारी थी

भूपेंद्र हुड्डा: पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा केंद्र बिंदु में रहे। पार्टी ने प्रचार के दौरान हुड्डा को मुख्य चेहरा बनाया था। चुनाव में कांग्रेस की सभी छोटी-बड़ी रैलियों में वह शामिल हुए। जहां-जहां राहुल गांधी और प्रियंका गांधी रैलियां नहीं कर पाए, वहां भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रचार की कमान संभाली। कांग्रेस ने सैलजा-सुरजेवाला के दावों और बातों को दरकिनार कर हुड्डा को फ्री हैंड दिया।

उदयभान: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान के पास विधानसभा चुनाव का पूरा प्रबंधन रहा। दिल्ली और स्थानीय नेताओं के बीच समन्वय बनाने की जिम्मेदारी थी। दिल्ली के बड़े नेताओं के साथ ही स्थानीय नेताओं की रैलियों के प्रबंधन का काम भी उदयभान ने संभाला। उदयभान हुड्डा के काफी करीबी माने जाते हैं। चुनाव के वक्त उन्होंने नौकरी बांटने वाला बयान भी दिया। वह खुद भी होडल सीट से चुनाव हार गए।

दीपक बाबरिया: हरियाणा के प्रभारी होने के नाते चुनाव से पहले टिकट वितरण का पूरा जिम्मा दीपक बाबरिया ने संभाला। स्थानीय नेताओं के इनपुट के आधार पर ही बाबरिया ने अपनी रिपोर्ट स्क्रीनिंग कमेटी तक पहुंचाई थी। जब सब टिकट फाइनल हो गए तो अचानक उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई, इसके बाद वह करीब एक सप्ताह तक अस्पताल में भर्ती रहे थे।

देश के 11 लाख बच्चे बाल विवाह के खतरे में: एनसीपीसीआर रिपोर्ट

नई दिल्ली(ईएमएस)। नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एनसीपीसीआर) ने गुरुवार को एक रिपोर्ट जार कर कहा कि उसने साल 2023-24 में ऐसे 11 लाख बच्चों की पहचान की है, जो बाल विवाह के खतरे में थे। कमीशन के मुताबिक अकेले उत्तर प्रदेश में ऐसे 5 लाख से अधिक ऐसे बच्चे हैं, जो बाल विवाह के खतरे में हैं।

एनसीपीसीआर ने बताया कि उसने बाल विवाह रोकने वाले अधिकारियों, जिला प्राधिकरण और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत कई कदम उठाए हैं। कमीशन ने कहा कि फैमिली काउंसिलिंग, स्कूल में बच्चों के दाखिले की कोशिश और कानूनी एजेंसियों की मदद लेकर इन बच्चों की शादी को रोकने की कोशिश कर है।

वर्चुअल मीटिंग के बाद तैयार की गई रिपोर्ट: यह रिपोर्ट वर्चुअल रिव्यू मीटिंग्स के बाद तैयार की गई, जिसमें जिला अधिकारियों और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बातचीत की गई। रिपोर्ट में ऐसे बच्चों का डेटा पेश किया गया, जिनके स्कूल छोडने का खतरा था। स्कूल छोडन्ना बाल विवाह में योगदान देने वाली एक बड़ी वजह है। इसे मुद्दे को लेकर उत्तर प्रदेश सबसे सक्रिय रहा, उसके बाद मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई। कमीशन के मुताबिक बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में 1.2 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को जागरूकता अभियान में जोड़ा गया। इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सबसे आगे रहे। कमीशन ने लगातार 30 दिन तक स्कूलों पर नजर रखी और ये देखा कि कौन से बच्चे बिना बताए ज्यादा अनुपस्थित रहते हैं। साथ ही कमीशन ने स्कूल अथॉरिटीज से बातचीत करके बच्चों के स्कूल छोडने पर भी नजर रखी। कमीशन के अधिकारियों ने कर्नाटक और असम जैसे राज्यों में धार्मिक नेताओं, विवाह समारोहों में सेवा प्रदान करने वाले लोगों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं जैसे प्रमुख स्थानीय व्यक्तियों के साथ 40,000 से ज्यादा बैठकें कीं, ताकि नाबालिग बच्चों का विवाह रोका जा सके।

महाराष्ट्र सरकार की रतन टाटा को भारत रत्न देने की मांग, एक दिवसीय शोक की घोषणा

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने आज एक प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार से दिवंगत उद्योगपति पद्म विभूषण रतन टाटा को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किये जाने का अनुरोध किया। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बैठक में शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया और इसके साथ ही एक और प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार से रतन टाटा को उनकी उपलब्धियों के लिए भारत रत्न से सम्मानित करने का अनुरोध किया गया।

शोक प्रस्ताव में कहा गया कि, उद्यमिता भी समाज निर्माण का एक प्रभावी तरीका है। नए उद्योगों की स्थापना से ही देश को आगे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन उसके लिए दिल में सच्ची देशभक्ति और उतनी ही सच्ची चिंता अपने समाज के लिए होनी चाहिए। हमने रतन टाटा के रूप में एक समान विचारधारा वाले सामाजिक कार्यकर्ता, दूरदर्शी और देशभक्त मार्गदर्शक को खो दिया है।

प्रस्ताव में कहा गया, "भारत के औद्योगिक क्षेत्र में ही नहीं बल्कि सामाजिक विकास के कार्यों में भी रतन टाटा का योगदान अभूतपूर्व था। वह महाराष्ट्र के सपूत थे, भारत का गौरव थे। आत्म-अनुशासन, स्वच्छ प्रशासन और बड़े बड़े उद्योग को चलाते समय उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए रतन टाटा ने कठोर कसौटियों को पार कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी और भारत की पहचान बनाई। आज उनके रूप में देश का एक बड़ा स्तंभ ढह गया है।" टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा के रतन टाटा परपोते थे। उन्होंने कई वर्षों तक चेयरमैन और बाद में अंतरिम चेयरमैन के रूप में टाटा समूह की देखरेख की। देश के सबसे पुराने टाटा समूह के चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख के रूप में उन्होंने बहुत ही परोपकारी रवैये के साथ सेवा की।

रतन टाटा ने नैतिक मूल्यों को कायम रखा, उनका कार्य अन्य उद्यमियों और भावी पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करेगा वह एक सिद्धांतवादी कर्मयोगी थे। आजादी के बाद देश के पुनर्निर्माण में टाटा समूह ने प्रमुख भूमिका निभाई। इस समूह के माध्यम से रतन टाटा ने वैश्विक स्तर पर भारत का परचम लहराया। प्रस्ताव में कहा गया कि टाटा का नाम कारों से लेकर नमक और कंप्यूटर से लेकर कॉफी-चाय तक कई उत्पादों के साथ गर्व से जुड़ा हुआ है । रतन टाटा ने शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज सेवा के क्षेत्र में भी अपना अद्वितीय योगदान दिया। मुंबई पर 26/11 हमले के बाद उनके द्वारा दिखाई गई दृढ़ता के लिए याद किया जाएगा।

रतन टाटा ने कोविड काल में प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए तुरंत 1500 करोड़ रुपये दिए। साथ ही अपने अधिकांश होटलों को कोविड काल के दौरान मरीजों के लिए उपलब्ध कराया, उनकी महानता सदैव याद रखी जायेगी। महाराष्ट्र सरकार ने उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को राज्य में एक दिवसीय शोक की घोषणा की। उनका बुधवार को मुंबई के एक अस्पताल में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। महाराष्ट्र में सरकारी कार्यालयों पर राष्ट्रीय झंडा 10 अक्टूबर को शोक के प्रतीक के रूप में आधा झुका रहा। गुरुवार को कोई मनोरंजन कार्यक्रम नहीं हुए।

हरियाणा सीएम का 12 अक्टूबर का शपथग्रहण टाला गया:2 विधायक-सांसद दिल्ली डटे

चंडीगढ़: हरियाणा के नए सीएम के तौर पर नायब सैनी 12 अक्टूबर को शपथ लेने वाले थे। पंचकूला के परेड ग्राउंड में शपथ के लिए तैयारियां भी शुरू हो चुकी थीं। भीड़ जुटाने के लिए सरकारी बसें तक मांग ली गई थी। हालांकि पीएम नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे की वजह से इसे टाल दिया गया। अब शपथग्रहण 15 अक्टूबर तक कभी भी हो सकता है। शपथ से पहले चंडीगढ़ में बीजेपी विधायक दल की मीटिंग होगी। इस बैठक में दो केंद्रीय पर्यवेक्षक शामिल होंगे। वहीं सैनी अभी दिल्ली में ही हैं। जहां वे हरियाणा चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मीटिंग कर रहे हैं। इसमें मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा हो सकती है। वहीं शपथग्रहण से पहले डिप्टी सीएम और मंत्रीपद के लिए लॉबिंग शुरू हो चुकी है। पानीपत ग्रामीण से विधायक महिपाल ढांडा और इसराना से चुनाव जीते राज्यसभा सांसद कृष्णलाल पंवार ने दिल्ली में डेरा डाल लिया है। ढांडा डिप्टी सीएम पद के लिए जोर लगा रहे हैं। भाजपा यहां राजस्थान और यूपी की तर्ज पर 2 डिप्टी सीएम लगा सकती है। वहीं राज्य सभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने भी दिल्ली में नायब सैनी से दिल्ली में मुलाकात की है। कालका सीट से उनकी मां शक्ति रानी शर्मा ने चुनाव जीता है। इसके अलावा राज्यसभा सांसद किरण चौधरी भी तोशाम से चुनाव जीतीं बेटी श्रुति चौधरी के साथ केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिलीं।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत 105वें स्थान पर:पाकिस्तान हमसे पीछे

नई दिल्ली: ग्लोबल हंगर इंडेक्स की 2024 की लिस्ट में इस साल भारत 127 देशों में 105वें नंबर पर है। पिछले साल 125 देशों में 111वें स्थान पर था, और 2022 में 121 देशों में से 107वें स्थान पर था। यानी इस साल हालत मामूली ठीक हैं। लेकिन अभी भी हंगर इंडेक्स का स्कोर 27.3 है जो गंभीर बना हुआ है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान की हालत हमसे भी खराब है। लेकिन नेपाल, बांग्लादेश, कंबोडिया, फिजी, श्रीलंका जैसे देश भूख से अपने लोगों को बचाने में हमसे बेहतर हैं। ग्लोबल हंगर इंडेक्स बताता है कि किसी भी देश में भुखमरी की स्थिति क्या है। इस लिस्ट को हर साल कंसर्न वर्ल्डवाइड और वर्ल्ड हंगर हेल्प नामक यूरोपीयन एनजीओ तैयार करते हैं। दुनियाभर के अलग-अलग देशों में 4 पैमानों का आंकलन करने के बाद इंडेक्स को तैयार किया जाता है।

जीएचआई स्कोर कैसे कैलकुलेट किया जाता है?

हर देश का जीएचआई स्कोर 3 डायमेंशन के 4 पैमानों पर कैलकुलेट किया जाता है। ये तीन डायमेंशन हैं- अंडररिशमेंट, चाइल्ड मोर्टालिटी, चाइल्ड अंडरन्यूट्रिशन। चाइल्ड अंडरन्यूट्रिशन में दो कैटेगरी हैं- चाइल्ड वेस्टिंग और चाइल्ड स्टंटिंग।

1. अंडरनरिशमेंट: अंडरनरिशमेंट यानी एक स्वस्थ व्यक्ति को दिनभर के लिए जरूरी कैलोरी नहीं मिलना। आबादी के कुल हिस्से में से उस हिस्से को कैलकुलेट किया जाता है जिन्हें दिनभर की जरूरत के मुताबिक पर्याप्त कैलोरी नहीं मिल रही है।

2. चाइल्ड मोर्टालिटी: चाइल्ड मोर्टालिटी का मतलब हर एक हजार जन्म पर ऐसे बच्चों की संख्या जिनकी मौत जन्म के 5 साल की उम्र के भीतर ही हो गई।

3. चाइल्ड अंडरन्यूट्रिशन: इसमें 2 कैटेगरी आती हैं-

चाइल्ड वेस्टिंग: चाइल्ड वेस्टिंग यानी बच्चे का अपनी उम्र के हिसाब से बहुत दुबला या कमजोर होना। 5 साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे, जिनका वजन उनके कद के हिसाब से कम होता है। ये दर्शाता है कि उन बच्चों को पर्याप्त पोषण नहीं मिला इस वजह से वे कमजोर हो गए।

रतन के बाद कौन संभालेगा टाटा की विरासत:छोटे भाई रिटायर्ड; सौतेले भाई नोएल बड़े दावेदार, उनके पास कई कंपनियों की हिस्सेदारी

मुंबई: टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का 86 साल की उम्र में बुधवार रात करीब 11:30 बजे निधन हो गया। रतन टाटा की विदाई के बाद सवाल उठता है कि अब टाटा ग्रुप की विरासत कौन संभालेगा। सवाल इसलिए भी, क्योंकि रतन टाटा ने अपना उत्तराधिकारी नियुक्त नहीं किया था। अभी समूह की सबसे बड़ी कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन हैं, लेकिन इससे भी ऊपर टाटा ट्रस्ट है, जिसकी कमान टाटा परिवार के सदस्य ही संभालते रहे हैं। निधन से पहले तक रतन ही टाटा ट्रस्ट के प्रमुख थे। टाटा ट्रस्ट की अहमियत और आकार इस तरह समझ सकते हैं कि यह टाटा ग्रुप की परोपकारी संस्थाओं का समूह है, जो 13 लाख करोड़ रुपए के रेवेन्यू वाले टाटा ग्रुप में 66% की हिस्सेदारी रखता है। इसके तहत आने वाले सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के पास ही टाटा संस की 52% हिस्सेदारी है।

टाटा संस और टाटा ट्रस्ट दोनों के चेयरमैन रहे रतन

टाटा ग्रुप के इतिहास में रतन टाटा ऐसे आखिरी व्यक्ति रहे, जिन्होंने टाटा संस और टाटा ट्रस्ट दोनों के चेयरमैन की भूमिका निभाई। कंपनी के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन में 2022 में संशोधन किया गया, जिसमें एक ही व्यक्ति के दोनों पद पर रहने पर रोक लगा दी गई। ऐसा गवर्नेंस में स्ट्रक्चर में बदलाव लाने के लिए किया गया।

छोटे भाई जिमी टाटा करीब 25 साल पहले रिटायर हो चुके

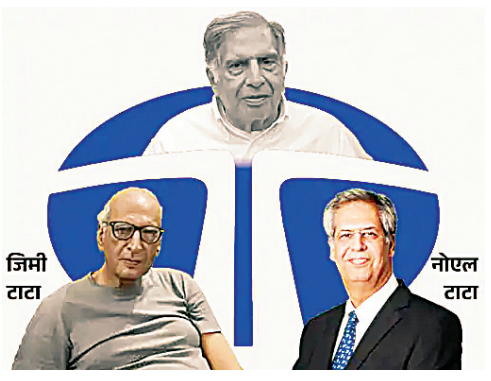

रतन टाटा के छोटे भाई जिमी टाटा मुंबई में ही रहते हैं, लेकिन वे 90 के दशक में रिटायरमेंट ले चुके हैं। हालांकि वे टाटा संस की कंपनियों में शेयर रखते हैं। उन्होंने भी रतन की तरह शादी नहीं की थी और रिटायरमेंट के बाद वे 2 बेडरूम वाले फ्लैट में रहते हैं। जिमी टाटा पिछले 25 साल से ज्यादा समय से सक्रिय कारोबार से दूरी बनाए हुए हैं। टाटा के नए कारोबार से भी वे जुड़े हुए नहीं हैं। ऐसे में उन्हें टाटा ट्रस्ट की कमान सौंपे जाने के आसार कम ही हैं।

सौतेले भाई नोएल टाटा चेयरमैन पद के सबसे मजबूत दावेदार

रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा अपने पारिवारिक संबंधों और ग्रुप की कई कंपनियों में भागीदारी के कारण टाटा की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत दावेदार है। नवल और सिमोन टाटा के बेटे नोएल ट्रेंट, वोल्टास, टाटा इन्वेस्टमेंट और टाटा इंटरनेशनल के चेयरमैन हैं। टाटा स्टील के वाइस चेयरमैन और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड में भी हैं।

नोएल के बच्चे लिआह, माया और नेविल कंपनियों में काम कर रहे

नोएल नवल टाटा के बच्चे लिआह, माया और नेविल अन्य प्रोफेशनल्स की तरह कंपनी में काम कर रहे हैं। सबसे बड़ी बेटी लिआह टाटा ने स्पेन से मार्केटिंग में मास्टर डिग्री हासिल की है। 2006 में उन्होंने ताज होटल रिसॉर्ट्स एंड पैलेस में बतौर असिस्टेंट सेल्स मैनेजर जॉइन किया था। अभी द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड में वाइस प्रेसिडेंट के तौर पर काम कर रही हैं। छोटी बेटी माया टाटा ने ग्रुप की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी टाटा कैपिटल में एनालिस्ट के तौर पर जॉइन किया था। जबकि उनके भाई नेविल टाटा ने ट्रेंट में अपनी प्रोफेशनल जर्नी शुरू की।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद 6

रांची, शुक्रवार, 11 अक्टूबर, 2024

www.koylanchalsamvad.com

टाटा समूह की विरासत के गौरव रतन टाटा का निधन

भारत के रत्न कहे जाने वाले सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। टाटा समूह की विरासत के वह एक ऐसे उत्तराधिकारी थे, जिन्होंने अपने पूर्वजों की तरह अपने औद्योगिक साम्राज्य को देश और विदेश तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया। टाटा समूह के संस्थापक जेआरडी टाटा के वह चौथे वंशज थे। रतन टाटा ने अपने जीवन-काल में टाटा समूह की दौलत को बड़ी तेजी के साथ बढ़ाया। उन्होंने नैतिक मूल्यों और सादगी के साथ सामाजिक दायित्वों को पूरा किया। उन्होंने टाटा समूह के कारोबार को नैतिकता के साथ बढ़ाया। सामाजिक दायित्व में भारत के हर नागरिक के बीच में अपनी और टाटा समूह की विशिष्ट छाप छोड़ी। उन्होंने भारत के गौरव, भरोसे और कारोबार की पताका दुनिया के कई देशों में फहराई है। सारी दुनिया को रतन टाटा ने जो संदेश दिया, उसकी गूंज अब दुनिया के सभी देशों में सदियों तक सुनाई देगी। 1868 में अंग्रेजों के शासनकाल में टाटा समूह की स्थापना हुई थी। टाटा समूह को भारत में औद्योगिक क्रांति के रूप में पहचाना जाता है। टाटा समूह की चार पीढ़ियों के इस लंबे सफर में, नैतिकता के साथ उद्योग और व्यापार में आगे बढ़ाते हुए, पूंजीवाद और समाजवाद का तालमेल और भारतीय संस्कृति का बेहतर उदाहरण, टाटा समूह की हर पीढ़ी ने देश के सामने रखा है। रतन टाटा ने शादी नहीं की थी। उन्होंने विदेशों में पढ़ाई की। लेकिन उन्हें यूरोप की हवा नहीं लगी। वह तन और मन से हमेशा भारतीय बने रहे। 1868 से लेकर अभी तक टाटा समूह ने हमेशा नवाचार करके उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में विशिष्टता के साथ काम करते हुए स्टील, ऑटोमोबाइल, डेटा इनोवेशन, नमक, केमिकल, चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता के साथ काम किया है। टाटा समूह ने नैतिकता और संस्कारों के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया। टाटा समूह व्यापार को नैतिकता के साथ करने के लिए जाना जाता है। कर्मचारियों और सामाजिक दायित्व को लेकर टाटा समूह हमेशा सजग रहा। सही मायने में टाटा समूह भारत में औद्योगिक क्रांति लाने के लिए जाना जाता है। 1907 में टाटा समूह ने स्टील प्लांट की स्थापना करके भारत में औद्योगिक क्रांति का शंखनाद किया था। टाटा समूह ने पिछले वर्षों में आईटी के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विभिन्न व्यवसाय में हमेशा आगे बढ़कर हर चुनौती को स्वीकार किया है। टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी, टाटा स्टील समूह के अंतर्गत सैकड़ों कंपनियों ने उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त की हैं। शोध और सामाजिक कार्यों में टाटा समूह ने खुले हाथों पैसे खर्च करने में कभी कोई कोताही नहीं बरती। कैंसर जैसी असाध्य बीमारी से निपटने के लिए हजारों करोड़ रुपये शोध में टाटा समूह ने तब खर्च किए,जब कोई इस मामले में सोचता नहीं था। पारसी परिवार में जन्मे रतन टाटा ने अपनी पारिवारिक विरासत को पूरी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी, नैतिकता, सामाजिक दायित्व के साथ पूरा करते हुए एक नई आधारशिला रखी है। रतन टाटा ने कभी, कोई ऐसा काम नहीं किया। जिससे टाटा समूह के ऊपर कोई उंगली उठा सके। रतन टाटा ने अपने पूर्वजों के बनाए गए नियमों, सामाजिक समरसता, धन का उपयोग व्यापार और उद्योग बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक दायित्व के प्रति टाटा समूह हर समय प्रतिबद्ध रहा है। टाटा परिवार के सदस्य अपने ऊपर बहुत कम खर्च करते थे। टाटा समूह जो भी कमाई करता था, उसे उद्योग विस्तार में लगाकर, लाखों लोगों को रोजगार देकर, मान-सम्मान के साथ सुख सुविधाएं पहुंचाने के लिए देश और विदेश में जाना जाता है। सामाजिक उत्तरदायित्व को जिस तरह से टाटा समूह की हर पीढ़ी ने निभाया है, उसकी प्रशंसा दुनिया के देशों में होती है। टाटा समूह, नैतिकता और ईमानदारी का प्रतीक है। रतन टाटा ने अपने जीवनकाल मे टाटा समूह की इसी विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया है। सादा जीवन उच्च विचार की भारतीय संस्कृति का निर्वाह उन्होंने सारे जीवन किया। रतन टाटा दुनिया छोड़कर चले गए हैं, लेकिन रतन टाटा ने अपने 86 वर्ष के जीवन मे जिस तरह से पारिवारिक विरासत की प्रतिबद्धता और संस्कारों का संवर्धन किया है, वह आने वाली पीढ़ी और दुनिया के लिए एक उत्तम संदेश है। लोग थोड़ी सी सफलता में अहंकारी हो जाते हैं। धन संपदा और ऐश्वर्या का जिस तरह से प्रदर्शन करते हैं, रतन टाटा हमेशा उससे दूर रहे। सहजता, सरलता और ईश्वर के प्रति आस्था का ऐसा अनोखा संगम कम ही देखने को मिलता है। रतन टाटा के निधन पर देश भर में शोक व्याप्त है। लोग मन से उनके निधन पर श्रद्धांजलि व्यक्त कर रहे हैं। लोगों को लगता है, उन्होंने अपने ही परिवार के किसी सदस्य को खो दिया है। यही कमाई रतन टाटा और टाटा समूह की है। यह कमाई इस लोक में भी है, और परलोक में भी हमेशा बनी रहेगी।

बालाघाट दशहराः हनुमान के जीवंत दर्शन

मां दुर्गा और प्रभु श्री राम की असीम कृपा से मध्यप्रदेश के हृदय स्थल बालाघाट में विगत 63 वर्षों से महावीर सेवादल समिति द्वारा प्रतिवर्ष दशहरा पर दशहरा चल समारोह का आयोजन अनुष्ठान पूर्वक किया जाता है। जिसमें भगवान श्रीराम की शोभायात्रा के साथ ही महावीर का रूप धारी, रामभक्त हनुमान के जीवंत दर्शन देखते ही बनता है। जिसमें साधक अपने सिर पर 40 किलो का मुकुट धारण कर नगर भ्रमण करते है। उनकी सेना जय भवानी, जय श्री राम, जयवीर महावीर के जयघोष के साथ उनके पीछे-पीछे चलती है। दशहरा से एक दिन पूर्व महावीर का रूप धारण करने वाले तपस्वी सिर पर मुकुट लेकर नगर का अर्द्धभ्रमण करते हैं। बालाघाट जिले का दशहरा पर्व चल समारोह के चलते मध्यप्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश में प्रसिद्ध है।

नैनन देखीः अलौकिक दशहरा उत्सव, साक्षात रामलीला और हनुमान दर्शन केवल हरियाणा के पानीपत के अलावा बालाघाट समेत कुछेक जगह में उपासना के तौर पर अधिष्ठित है। प्रफुल्लित, हनुमान साधक सचमुच ऐसा लगता है, कुछ पल के लिए जैसे धरती पर वीर हनुमान का अवतरण हो गया हो। जैसे-जैसे चल समारोह आगे बढ़ता चलता है। भावविभोर, शहर की सड़कों के दोनों किनारों के उपर जुलूस में हजारों की संख्या में लोग हनुमान जी के दर्शन पाने के लालायीत नजर आते हैं। प्रतिवर्ष सैकड़ों युवा हनुमान बनने समिति के पास नाम लिखवाते हैं। लेकिन इस कठिन तपस्या उपवास के लिए किसी एक सौभाग्यशाली का चयन होता है। तबसे ही बड़े ही तन्मयता से इस तपस्या और प्रभु वंदना में साधक लगे रहते हैं। नैनन देखी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम और संकटमोचक पवन पुत्र हनुमान के साक्षात दर्शन हो जाते हैं। अद्भुत संस्कृति और परंपरा जिले के लिए ईश्वरी वरदान से कम नहीं है।

पानीपत की परंपराः अभिभूत, मुजफरगढ़ (अब पाकिस्तान में) लय्यिया समाज द्वारा 80 साल पहले श्री हनुमान जी के स्वरुप पहन कर नवरात्र पर नगर परिक्रमा की शुरुआत हुई थी। श्री गुरु प्यारालाल झाम्ब ने इस परंपरा की शुरुआत की थी। वर्ष 1941 में पाकिस्तान में श्री गुरु प्यारालाल झाम्ब एवं श्री ढालूराम ने हनुमान सभा बनाकर हनुमान स्वरुप का ये मुकुट बनाये थे। श्री गुरु प्यारालाल झाम्ब, दुलीचंद जी के गुरु हुआ करते थे। भगत दुलीचंद महाराज ने पाकिस्तान के मुज़फरगढ़ तहसील लहिया में ये मुकुट पहन कर वर्षों तक झांकी निकाली थी। विभाजन के समय परिवार समेत हनुमान जी का मुकुट वे बॉक्स में डालकर ले आये थे। रास्ते में रोक कर कई लोगो ने मुकुट ले जाने पर चेतवानी दी लेकिन आस्था के चलते मूर्ति को जान से प्यारी बता कर पानीपत ले आये।

मुकुट धारणः भगत दुलीचंद महाराज विभाजन के बाद जब पानीपत आये तो उन्होंने ही स्वरुप पहन कर पहली बार नवरात्र में नगर परिक्रमा निकाली थी। तब से लेकर अब तक श्री भगत दुलीचंद हनुमान सभा द्वारा पानीपत में यह परंपरा चलायी जा रही हैं। श्री किशनलाल दीवान जो भगत दुलीचंद जी के शिष्य थे। उन्होंने इस परंपरा को आगे बढाया। तब से उनके कई शिष्य पानीपत में बन गए। जैसे किशनलाल दीवान, मोहनलाल जी, लुधिनचंद दीवान, अथरचंद दीवान, नोताराम चावला इत्यादि। आजादी के बाद से लेकर अब तक पानीपत में तब से यह परंपरा चली आ रही है। सैंकड़ो हनुमान सभाएं पानीपत में या बालाघाट और दुसरे शहरों में भी हनुमान स्वरुप पहन कर झांकियां निकलती हैं। और यहीं से बालाघाट तक पहुंची हनुमान जी के मुकुट धारण करने की संस्कृति और परंपरा। जो आज भी श्रद्धा भाव से दशहरा के पावन पर्व पर अनवरत श्रद्धा भाव से जारी है।

ब्रह्मचर्य का पालनः हनुमान स्वरूप बनने वाले भगत परिवार से विमुख 40 दिन तक ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए घर व व्यवसाय का त्याग करते हुए मंदिरों में अपना डेरा जमा लेते हैं। व्रत रखकर एक समय खाना खाते हैं व ज़मींन पर सोते हैं। इन दिनों प्रभु राम की आराधना में लीन होकर राम नाम का जाप करते रहते हैं। अष्टमी से दशहरे के अगले दिन तक व्रतधारी श्रद्धालु भक्त हनुमान स्वरुप धारण करके नगर परिक्रमा करते हैं। पावन बेला में श्रद्धालु बड़ी संख्या में अपनी मन्नत मांगते और वीर बजरंगबली का आशीर्वाद लेने आतुर रहते हैं। पानीपत में दशहरे के दो दिन बाद हरिद्वार पहुंचकर गंगा किनारे हवन क साथ परिक्रमा का समापन होता हैं। भगत दुलीचंद जी का पूरा परिवार इस परंपरा को बखूबी ढंग से अदा कर रहा हैं।

हरियाणा चुनाव परिणाम : इस घर को आग लग गई घर के चराग़ से

निर्मल रानी

हरियाणा व जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव परिणाम आ चुके हैं। कश्मीर में जहां कांग्रेस - नेशनल कॉन्फ्रेंस (इंडिया) गठबंधन ने जीत हासिल की है वहीं हरियाणा में कांग्रेस के दस सालों बाद सत्ता में वापसी की लगाई जा रही तमाम अटकलों,संभावनाओं,भविष्यवाणियों यहाँ तक कि लगभग सभी एजेंसियों द्वारा दिए जा रहे एग्ज़िट पोल के बावजूद भारतीय जनता पार्टी राज्य के इतिहास में पहली बार एक ऐसा राजनैतिक दल साबित हुआ जिसने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की हो। राज्य में भाजपा विरोधी लहर के कई प्रमुख ठोस कारण थे। इनमें पहला सबसे बड़ा कारण इस कृषि बाहुल्य राज्य के किसानों की भाजपा से ज़बरदस्त नाराज़गी थी। साथ ही अग्निवीर योजना को लेकर भी यहाँ के युवाओं में काफ़ी रोष था। महिला पहलवानों के अपमान को लेकर भी राज्य में काफ़ी नाराज़गी थी। यह नाराज़गी केवल किसी पूर्वाग्रही पक्ष द्वारा प्रचारित की जा रही ज़बरदस्ती या दिखावे की नाराज़गी नहीं थी बल्कि जनता का यह रोष उस समय सिर चढ़कर बोलता था जबकि जनता के इसी विरोध के चलते राज्य के अधिकांश भाजपा उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार के दौरान जनता के विरोध प्रदर्शनों व काले झंडों का सामना करना पड़ता था। पूरे राज्य में सैकड़ों घटनाएं ऐसी हुईं जबकि भाजपा प्रत्याशी को चुनाव प्रचार बीच में छोड़कर ही वापस आना पड़ा। भाजपा के बड़े से बड़े स्टार प्रचारकों को सुनने के लिये जुटने वाली कम भीड़ भी यही इशारा कर रही थी कि राज्य के मतदाता भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिये कमर कस चुके हैं। कांग्रेस ने तो इन नतीजों को परिभाषित करते हुये कहा है कि- यह तंत्र की जीत और लोकतंत्र की हार है, हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। और हम इन सारी शिकायतों को लेकर चुनाव आयोग जाएंगे। बहरहाल जो विश्लेषक व समीक्षक कल तक हरियाणा में कांग्रेस को प्रचंड बहुमत दिला रहे थे और भाजपा को 15 से बीस सीटों पर धकेल रहे थे वही लोग अब भाजपा की अप्रत्याशित वापसी के कारण खोजने में जुट गए हैं। अनेक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने ग़ैर जाट वोट बैंक तैयार कर उनका ध्रुवीकरण इतनी ख़ामोशी व चतुराई से किया कि विपक्ष उसे भांप ही नहीं पाया। राज्य में कांग्रेस नेताओं की आपसी कलह को भी कुछ लोग इस हार का ज़िम्मेदार बता रहे हैं। परन्तु हक़ीक़त यह है कि हरियाणा में भाजपा की वापसी का सबसे बड़ा कारण भाजपा विरोधी मतों का विभाजन है। ख़ासकर आम आदमी पार्टी,बहुजन समाज पार्टी,आज़ाद पार्टी (चंद्रशेखर रावण), जन नायक जनता पार्टी,इनेलो जैसे दल जोकि भाजपा विरोधी स्वरों के साथ चुनाव तो ज़रूर लड़े परन्तु हक़ीक़त में इनके मतों के विभाजित होने के कारण ही भाजपा बहुमत के आंकड़े तक पहुँच सकी। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी जोकि इण्डिया गठबंधन का हिस्सा भी है उसने तो हठधर्मिता की सभी हदें पार करते हुये राज्य की सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिये। परिणाम यह निकला कि उसके तो सभी उम्मीदवारों की ज़मानत ज़ब्त हो गयी। परन्तु इससे भाजपा को यह फ़ायदा ज़रूर हुआ कि भाजपा ने अनेक सीटों पर मात्र 2-3 हज़ार मतों से जीत दर्ज की। यानी उतने ही वोट आप ले गयी। यदि कांग्रेस के साथ आप का सीट बंटवारा हो गया होता और आप अपनी हैसीयत से अधिक सीटों के लिए ज़िद न करती तो नतीजे कुछ और ही हो सकते थे। मज़े की बात तो यह भी है कि इन चुनावों को केजरीवाल ने अपनी ईमानदारी का प्रमाणपत्र समझ रखा था। उन्होंने कहा था कि इन चुनावों में देश की जनता अपने वोट के माध्यम से ही यह बताएगी कि हम कितने ईमानदार हैं। तो अब हरियाणा में आप के सभी प्रत्याशियों की ज़मानत ज़ब्त होने का क्या अर्थ निकाला जाये ? आप के चुनावी मैदान में उतरने और सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के फ़ैसले को राज्य के मतदाताओं ने केजरीवाल की ईमानदारी या भ्रष्टाचार पर जनमत संग्रह के रूप में तो नहीं देखा हाँ चुनाव पूर्व केजरीवाल की ज़मानत होना और हरियाणा में कांग्रेस से समझौता न कर सभी सीटों पर आप के चुनाव लड़ने के फ़ैसले को आप को भाजपा की सहयोगी यानी बी टीम के रूप में ज़रूर देखा। जिसका नतीजा आप को बुरी तरह भुगतना पड़ा। इसी तरह मायावती की बसपा व आज़ाद समाज पार्टी ने भी अपने प्रत्याशी उतारकर अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा को ही मदद पहुंचाई।

सवाल यह है कि पिछले लोकसभा चुनावों में जब इण्डिया गठबंधन की एकता यह साबित कर चुकी थी कि जिन जिन राज्यों में भाजपा के मुक़ाबले में इण्डिया गठबंधन का एक ही उम्मीदवार चुनाव लड़ा ऐसे अनेक सीटों पर इण्डिया गठबंधन को सफलता मिली और जहाँ जहाँ इण्डिया गठबंधन बिखरा रहा वहां वहाँ उसे ज़्यादा नुक़्सान हुआ। भाजपा ख़ुद भी यह अच्छी तरह जानती है कि विपक्ष के एक के मुक़ाबले अपना एक प्रत्याशी लड़वाकर उसे आसानी से जीत नहीं मिल सकती। इसलिये वह इण्डिया के उन घटक दलों के प्रति नर्म रुख़ से पेश आती है जो इण्डिया गठबंधन से अलग होकर चुनाव लड़कर चुनावी संघर्ष को त्रिकोणीय या चतुर्थकोणीय बनाने की क्षमता रखते हैं। कांग्रेस के लिये भी यह गहन चिंतन का समय है। जिस तरह चुनाव परिणाम आने से पहले चुनाव के दौरान ही मुख्यमंत्री पद को लेकर सूत न कपास, जुलाहों में लट्ठम लट्ठ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। इतना ही नहीं बल्कि राज्य कांग्रेस के मुख्य मंत्री पद के दावेदार कुछ प्रमुख नेता अत्यधिक आत्मविश्वास में डूबे हुये अपने परिजनों व अपने समर्थकों को टिकट दिलाने की जुगत भिड़ा रहे थे यहाँ तक कि जातिगत दुर्भावना फैलाने तक की ख़बरें आने लगीं,इन बातों से भी कांग्रेस को नुक़्सान उठाना पड़ा। राहुल गांधी ने भी अपनी तरफ़ से राज्य में चुनावी माहौल कांग्रेस के पक्ष में तैयार करने में कोई कसर न छोड़ी। परन्तु पार्टी के नेताओं की आपसी फूट, उनका अत्यधिक आत्म विश्वास और इण्डिया गठबंधन का पूरी मज़बूती के साथ खड़े न होना यानी भाजपा विरोधी मतों का विभाजन कांग्रेस की हार व भाजपा की विजय का कारण बना। यानी बक़ौल शायर, महताब राय ताबां- दिल के फफोले जल उठे सीने के दाग़ से। इस घर को आग लग गई घर के चराग़ से।

सवाल यह है कि पिछले लोकसभा चुनावों में जब इण्डिया गठबंधन की एकता यह साबित कर चुकी थी कि जिन जिन राज्यों में भाजपा के मुक़ाबले में इण्डिया गठबंधन का एक ही उम्मीदवार चुनाव लड़ा ऐसे अनेक सीटों पर इण्डिया गठबंधन को सफलता मिली और जहाँ जहाँ इण्डिया गठबंधन बिखरा रहा वहां वहाँ उसे ज़्यादा नुक़्सान हुआ। भाजपा ख़ुद भी यह अच्छी तरह जानती है कि विपक्ष के एक के मुक़ाबले अपना एक प्रत्याशी लड़वाकर उसे आसानी से जीत नहीं मिल सकती। इसलिये वह इण्डिया के उन घटक दलों के प्रति नर्म रुख़ से पेश आती है जो इण्डिया गठबंधन से अलग होकर चुनाव लड़कर चुनावी संघर्ष को त्रिकोणीय या चतुर्थकोणीय बनाने की क्षमता रखते हैं।

स्वर्ण ऋण के प्रति बढ़ता भारतीयों का रुझान

प्रहलाद सबनानी

किसी भी देश के आर्थिक विकास को गति देने हेतु पूंजी की आवश्यकता रहती है। तेज आर्थिक विकास के चलते यदि किसी देश में वित्तीय बचत की दर कम हो तो उसकी पूर्ति ऋण में बढ़ौतरी से की जा सकती है। भारत में ऋण : सकल घरेलू अनुपात अन्य विकसित एवं कुछ विकासशील देशों की तुलना में अभी बहुत कम है। परंतु, हाल ही के समय में भारत का सामान्य नागरिक ऋण के महत्व को समझने लगा है एवं भौतिक संपति के निर्माण में अपनी बचत के साथ साथ ऋण का भी अधिक उपयोग करने लगा है। कुछ बैंक सामान्यजन को ऋण प्रदान करने हेतु प्रतिभूति की मांग करते है। भारत में सामान्यजन के पास स्वर्ण के रूप प्रतिभूति उपलब्ध रहती है अतः स्वर्ण ऋण बहुत अधिक चलन में आ रहा है। विशेष रूप से गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा ऋण की प्रतिभूति के विरुद्ध स्वर्ण ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में तेजी से बढ़ रहे स्वर्ण ऋण के कारणों एवं कारकों का वर्णन इस लेख में किया गया है।

भारत में वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा 39,687 करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए गए थे, स्वीकृत की जाने वाली यह राशि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 62,835 करोड़ रुपए हो गई एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में और आगे बढ़कर 79,218 करोड़ रुपए हो गई। गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में स्वर्ण ऋण के मामले में 26 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है जबकि अन्य प्रकार के ऋणों में इसी अवधि के दौरान औसत वृद्धि दर 12 प्रतिशत की रही है। भारतीय नागरिक स्वर्ण ऋण के प्रति बहुत अधिक आकर्षित हो रहे हैं। आज भारत के विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों एवं विभिन्न बैंकों द्वारा भारी मात्रा में स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए जा रहे हैं। अगस्त 2024 माह में बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों ने मिलकर 41 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुए 1.4 लाख करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए हैं। आज गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के कुल ऋण में स्वर्ण ऋण का प्रतिशत में हिस्सा सबसे अधिक है, दूसरे स्थान पर स्कूटर एवं चार पहिया वाहनों के लिए प्रदान किए गए ऋणों का ऋण हैं, इसके बाद तीसरे स्थान पर व्यक्तिगत ऋण 14 प्रतिशत के भाग के साथ है एवं इसके बाद जाकर गृह ऋण का नम्बर आता है जो कुल ऋण का 10 प्रतिशत भाग है। बैकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण ऋण पर पूंजी पर्याप्तता सम्बंधी शिथिल नियमों का पालन करना होता है। अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में स्वर्ण ऋण पर जोखिम का भार (रिस्क वेट) तुलनात्मक रूप से कम रहता है। इससे बैंक एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियां भी स्वर्ण ऋण प्रदान करने की ओर आकर्षित होते हैं।

यहां स्वाभाविक रूप से प्रशन्न उभरता है कि पिछले लगभग 3 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों में स्वर्ण ऋण के प्रति इतना रुझान क्यों बढ़ा है? भारतीय रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 822 मेट्रिक टन से भी अधिक हो गए हैं परंतु विश्व स्वर्ण काउन्सिल के एक अनुमान के अनुसार, भारतीय नागरिकों के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 25000 टन से भी अधिक के हो गए हैं, जिनकी बाजार कीमत वर्ष 2020 में 109 लाख करोड़ रुपए की थी। भारत में नागरिकों के पास स्वर्ण भंडार विश्व के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत है। भारत में प्रतिवर्ष 750 से 800 टन स्वर्ण का आयात होता है और पिछले 25 वर्षों के दौरान भारत में 17,500 टन स्वर्ण का आयात हुआ है और मार्च 2019 से मार्च 2024 के दौरान भारत में स्वर्ण भंडार 40 प्रतिशत से बढ़ गए हैं। दरअसल, भारत में दीपावली (धन तेरस) के शुभ अवसर पर स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है एवं मध्यमवर्गीय परिवार भी धन तेरस के दिन स्वर्ण की खरीद प्रति वर्ष करते हैं। इससे भारत के करोड़ों परिवारों के पास स्वर्ण का स्टॉक उपलब्ध रहता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण प्रदान करने के सम्बंध में नियमों को बहुत सरल बनाया है एवं अब भारतीय नागरिकों को स्वर्ण के स्टॉक के विरुद्ध ऋण बहुत ही आसान शर्तों पर उपलब्ध होने लगा है। भारत में प्रचिलित परम्पराओं के अनुसार मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा स्वर्ण को बेचना शुभ नहीं माना जाता है जबकि स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः स्वर्ण को बाजार में बेचने के स्थान पर स्वर्ण को बैंक में गिरवी रखकर उसके विरुद्ध बैंक से आसानी से स्वर्ण ऋण प्राप्त करना ज्यादा उचित माना जाता है। और फिर, हाल ही के वर्षों में भारतीय शेयर बाजार बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है और विभिन्न कम्पनियों के शेयरों में किए गए निवेश पर 12 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की आय प्रतिवर्ष होने लगी है। इससे बहुत बड़ी मात्रा में भारतीय नागरिक (खुदरा निवेशक) शेयर बाजार में निवेश करने हेतु आकर्षित हुए हैं। चूंकि स्वर्ण ऋण बहुत ही आसानी से उपलब्ध होने लगे हैं अतः मध्यमवर्गीय परिवार स्वर्ण ऋण लेकर पूंजी बाजार में निवेश अथवा चार पहिया वाहन खरीदने एवं गृहों का निर्माण करने लगे हैं। स्वर्ण ऋण की राशि आसान किश्तों में जमा करानी होती है, अतः स्वर्ण लेने वाले नागरिकों पर कोई बहुत अधिक दबाव भी नहीं पड़ता है। उक्त कारणों के चलते भारत में हाल ही वर्षों में स्वर्ण ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है।

चूंकि बैंकों एवं गैर गैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किया जा रहे स्वर्ण ऋण में वृद्धि दर अतुलनीय रही है अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने स्वर्ण ऋण स्वीकृति करने सम्बंधी नियमों के कठोर अनुपालन के लिए गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को हाल ही में चेताया है ताकि इन बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण स्वीकृत करने में किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जा सके तथा स्वर्ण ऋण के खाते गैर निष्पादनकारी आस्तियों (एनपीए) में परिवर्तित नहीं हों। यदि बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्वर्ण ऋण सम्बंधी नियमों का अनुपालन अक्षरशः किया जाता है तो स्वर्ण ऋण खाते का गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तितत होना सम्भव नहीं है।

यहां स्वाभाविक रूप से प्रशन्न उभरता है कि पिछले लगभग 3 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों में स्वर्ण ऋण के प्रति इतना रुझान क्यों बढ़ा है? भारतीय रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 822 मेट्रिक टन से भी अधिक हो गए हैं परंतु विश्व स्वर्ण काउन्सिल के एक अनुमान के अनुसार, भारतीय नागरिकों के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 25000 टन से भी अधिक के हो गए हैं, जिनकी बाजार कीमत वर्ष 2020 में 109 लाख करोड़ रुपए की थी। भारत में नागरिकों के पास स्वर्ण भंडार विश्व के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत है। भारत में प्रतिवर्ष 750 से 800 टन स्वर्ण का आयात होता है और पिछले 25 वर्षों के दौरान भारत में 17,500 टन स्वर्ण का आयात हुआ है।

चला गया खास होते हुए भी आम दिखने वाला...!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

रतन टाटा सिर्फ एक अरबपति नहीं बल्कि एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने टाटा समूह के साथ इस देश और इस देश के करोड़ों लोगों के लिए बहुत कुछ किया है।तभी तो रतन टाटा के निधन से हर कोई दुखी है। उन्हें संयमित जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के माध्यम से परोपकारी कार्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए भी जाना जाता रहा है। उनके निधन के बाद यह सवाल उठ रहा है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा? करीब 3800 करोड़ रुपये की नेटवर्थ के मालिक रतन टाटा जीवन भर अविवाहित रहे हैं। टाटा परिवार में एन चंद्रशेखर टाटा संस के 2017 से चेयरमैन हैं।उनके अलावा टाटा ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों से ऐसे बहुत से लोग हैं, जो भविष्य में टाटा समूह में अलग-अलग जिम्मेदारी निभाते नजर आ सकते हैं। रतन टाटा के पिता नवल टाटा की दूसरी शादी सिमोन से हुई थीं। उनके बेटे नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं। रतन टाटा की विरासत हासिल करने के लिए उनका यह संबंध उन्हें एक प्रमुख उत्तराधिकारी उदावेदार बनाता है। नोएल टाटा के तीन बच्चे हैं, जिनमें माया, नेविल और लीह हैं। यह रतन टाटा के उत्तराधिकारी हो सकते हैं। टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। रतन टाटा ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रतीक थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शब्दों में, भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉरपोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया। नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले, रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने बिजनेस और परोपकार दोनों पर कभी न मिटने वाली छाप छोड़ी है। उनके परिवार और टाटा कम्युनिटी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी का कहना है कि ये भारत के लिए बहुत दुखद दिन है। रतन टाटा का जाना ना सिर्फ टाटा ग्रुप, बल्कि हर भारतीय के लिए बड़ा नुकसान है। व्यक्तिगत तौर पर रतन टाटा का जाना मुझे बहुत दुख से भर गया है, क्योंकि मैंने अपना दोस्त खो दिया है। रतन टाटा, दुनियाभर में फैले टाटा साम्राज्य के सबसे चमकदार रत्न थे। उन्होंने मैनेजमेंट की मॉडर्न तकनीकों को अपनाकर टाटा ग्रुप को दुनिया का भरोसेमंद ब्रांड बनाया। उन्होंने कभी भी टाटा के संस्थापकों के विजन से समझौता नहीं किया।

रतन टाटा का समाज के प्रति योगदान अविस्मरणीयः अभिषेक कुमार

जब हम रतन टाटा के बारे में सोचते हैं, तो हमारे मन में एक महान व्यक्तित्व का चित्रण होता है - एक ऐसा व्यक्ति जिसने न केवल टाटा समूह को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया, बल्कि समाज के उत्थान के लिए

भी अद्वितीय योगदान दिया। उनकी सरलता, विनम्रता और दूरदर्शिता ने उन्हें एक अद्वितीय व्यक्तित्व बनाया। रतन टाटा का जीवन प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने हमेशा नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता दी और व्यापार के क्षेत्र में ईमानदारी और पारदर्शिता को बनाए रखा। उनकी नेतृत्व क्षमता ने लाखों लोगों को प्रेरित किया और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया। रतन टाटा का समाज के प्रति योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अनेक योजनाएँ शुरू कीं, जिनसे अनगिनत लोगों की ज़िंदगियाँ बेहतर हुईं। उनका मानवता के प्रति प्रेम और सेवा की भावना सच्चे अर्थों में अद्वितीय है।आज, जब हम रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, तो हमारे हृदय में गहरा दुख है। हम उनके योगदानों को हमेशा याद रखेंगे और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का प्रयास करेंगे। उनकी अनुपस्थिति हमें खलेगी, लेकिन उनके आदर्श और सिद्धांत हमेशा हमारे साथ रहेंगे।रतन टाटा जी को हमारी विनम्र श्रद्धांजलि। आज मां भारती ने रतन टाटा जी के रूप में अपना एक महान सपूत खो दिया है। इस दुःखद समाचार से हृदय द्रवित है, मन उदास है। रतन जी देश के 'रत्न' थे। उन्होंने भारतीय उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। वह देश के विकास के लिए सदैव समर्पित रहे और समाज में बेहतर बदलाव के लिए कई अभूतपूर्व कार्य किए। मैं उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। वह सदैव हमारी यादों में रहेंगे। ॐ शांति!

संघर्षों के बीच सफलता की कहानी लिखती बालिकाएं

एक गैर सरकारी संगठन ने प्लान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस एनजीओ ने एक अभियान चलाया, जिसका नाम 'क्योंकि मैं एक लड़की हूं' रखा गया। इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने के लिए कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 19 दिसंबर 2011 के दिन संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया और 11 अक्तूबर 2012 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया और उस समय इसकी थीम "बाल विवाह को समाप्त करना" था।

दुनियाभर में बालिकाओं को सम्मान एवं समानतापूर्ण जीवन में हिस्सेदारी बढ़ाने, उसके सेहतमंद जीवन से लेकर शिक्षा और करियर के लिए मार्ग बनाने के उद्देश्य से हर साल 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन बालिकाओं को उनके अधिकारों और बालिका सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाता है। भारत समेत कई देशों में बालिकाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी स्थिति, शिक्षा के अधिकार और करियर में महिलाओं के विकास में आने वाला बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाना ही इस दिवस का उद्देश्य है। इस दिवस का उद्देश्य है कि दुनियाभर की बालिकाओं की आवाज को सशक्त करना और आने वाली चुनौतियों और उनके अधिकारों के संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करना। वर्ष 2024 के इस दिवस की थीम है भविष्य के लिए बालिकाओं का दृष्टिकोण, जो बालिकाओं की आवाज की शक्ति और भविष्य के लिए दृष्टि से प्रेरित, तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता और सतत आशा, दोनों को व्यक्त करता है।

आज की बालिकाओं की एक सम्पूर्ण पीढ़ी जलवायु, संघर्ष, युद्ध, गरीबी, मानव अधिकारों और लैंगिक असमानता जैसे वैश्विक संकटों से जूझ रही है। बहुत सी लड़कियों को अभी भी उनके अधिकारों से वंचित रखा जाता है, जिससे उनके विकल्पों पर प्रतिबंध लगता है और उनका भविष्य सीमित हो जाता है। फिर भी हाल ही में किए गए विश्लेषण से पता चलता है कि लड़कियाँ न केवल संकट का सामना करने में साहसी हैं, बल्कि भविष्य के लिए आशावान भी हैं। हर दिन, वे एक ऐसी दुनिया की कल्पना को साकार करने के लिए कदम उठा रही हैं जिसमें सभी लड़कियों को सुरक्षा, सम्मान और अधिकार प्राप्त हों। इस खास दिन मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं यानी नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे भी देश और समाज के विकास में योगदान दे सकें। देश एवं दुनिया में लड़कियों के लिये ज्यादा समर्थन और नये मौके देने के लिये इस उत्सव की विशेष प्रासंगिकता है। बालिका शिशु के साथ भेद-भाव एक बड़ी समस्या है जो कई क्षेत्रों में फैला है जैसे शिक्षा में असमानता, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सीय देख-रेख, सुरक्षा, सम्मान, बाल विवाह आदि। ये बहुत जरूरी है कि विभिन्न प्रकार के सामाजिक भेदभाव और शोषण को समाज से पूरी तरह से हटाया जाये जिसका हर रोज लड़कियाँ अपने जीवन में सामना करती हैं।

एक गैर सरकारी संगठन ने प्लान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस एनजीओ ने एक अभियान चलाया, जिसका नाम 'क्योंकि मैं एक लड़की हूं' रखा गया। इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने के लिए कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 19 दिसंबर 2011 के दिन संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया और 11 अक्तूबर 2012 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया और उस समय इसकी थीम "बाल विवाह को समाप्त करना" था। आज दुनिया में कन्याओं एवं बालिकाओं के समग्र विकास के साथ उनके जीवन को सुरक्षित करना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि छोटी बालिकाओं पर हो रहे अन्याय, अत्याचारों की एक लंबी सूची रोज बन सकती है। न मालूम कितनी अबोध बालिकाएं, कब तक ऐसे जुल्मों का शिकार होती रहेंगी। कब तक अपनी मजबूरी का फायदा उठाने देती रहेंगी। सख्त कानूनों के बावजूद, देश में हर 15 मिनट पर एक बालिका यौन अपराध का शिकार होती है। निर्भया मामले में जनांदोलन के बाद सख्त कानून बनने के बावजूद देश में बलात्कार एवं बाल-दुष्कर्म मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है।

समाज में व्याप्त अत्यधिक गरीबी ने बालिकाओं के खिलाफ सामाजिक बुराई जैसे दहेज प्रथा को जन्म दिया है जिसने बालिकाओं की स्थिति को बद से बदतर बना दिया है। आमतौर पर माता-पिता सोचते हैं की लड़कियां केवल रुपये खर्च कराती है जिसके कारण वो लड़कियों को बहुत से तरीकों (कन्या भ्रूण हत्या, दहेज के लिये हत्या) जन्म से पहले या बाद में मार देते हैं, कन्याओं या महिलाओं को बचाने के लिये ये मुद्दे समाज से बहुत शीघ्र खत्म करने की आवश्यकता है। हम तालिबान-अफगानिस्तान आदि देशों में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता, शोषण की चर्चाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं? इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गजब का विरोधाभास दिखाई देता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी बालिकाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन बालिकाओं के स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए। तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में

भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से बालिकाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग बालिकाओं को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं।

'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। बावजूद इसके सही समर्थन, संसाधन और अवसरों के साथ, दुनिया की 1.1 बिलियन से ज्यादा लड़कियों की क्षमता असीम है और जब लड़कियां नेतृत्व करती हैं, तो इसका प्रभाव तत्काल और व्यापक होता है। परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्थाएं सभी मजबूत होती हैं, हमारा भविष्य उज्जवल होता है। अब समय आ गया है कि लड़कियों की बात सुनी जाए, ऐसे सिद्ध समाधानों में निवेश किया जाए जो भविष्य की ओर प्रगति को गति देंगे, जिसमें हर लड़की अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकेगी।

आटा गूंथना भी एक कला है

प्रायः सभी गृहिणियां सुबह-शाम आटा गूंथती हैं मगर आटा गूंथना भी सबके बस की बात नहीं है। चौंक गई न आप, जी हां, कई महिलाएं रोजाना आटा गूंथती तो हैं मगर उनको ठीक अनुपात का पता ही नहीं होता। वे कभी सख्त तो कभी अधिक नरम आटा गूंथ देती हैं जिससे रोटी बेलने में परेशानी भी होती है और रोटी का आकार भी अच्छा नहीं बनता। आइए, आपको इस कला के रहस्य से अवगत कराएं।

सादी रोटी के लिए

सादी रोटी बनाने के लिए आटा न अधिक नरम हो व न ही अधिक सख्त। इसके लिए बराबर अनुपात में पानी डालें। आटे का अनुपात भी सही रखें। छोटी-छोटी लोइयां बनाकर चकले पर गोल आकार में बेले व तवे पर पकायें। ध्यान रखें कि आंच न अधिक धीमी हो और न ही तेज।

रोल वाली रोटी

आटे में सही अनुपात में पानी मिलाकर नरम आटा गूंथें। छोटी लोई लेकर पतले व गोल आकार में बेल लें। पूरी रोटी पर घी लगाएं व लपेट कर रोल बना लें। रोल को दोबारा लोई बनाकर बेलें व धीमी आंच पर सेंक लें।

पूड़ी के लिए

पूड़ियां बनाने के लिए आटे में थोड़ा घी मिलाएं। ध्यान रहे कि घी पूरे आटे में मिल जाए। अजवायन व बेसन भी मिलाया जा सकता है। थोड़ा पानी डालकर आटे को सख्त गूंथ कर अच्छी प्रकार मथ लें। छोटी-छोटी लोइयां बनाकर छोटे व गोल आकार में बेलें व घी में तलें।

परांठे के लिए

वैसे तो परांठे विभिन्न प्रकार के बनाए जाते हैं जैसे आलू के परांठे, मूली के परांठे मेथी के परांठे, गोभी के परांठे आदि मगर रोजाना प्रयोग में सादे परांठे ही बनाए जाते हैं। सादा परांठों के लिए आटा गूंथते समय यदि थोड़ा दूध डाल दिया जाए तो परांठे नरम बनेंगे। अजवायन व नमक भी डाल सकती हैं।

शादी कहां होगी जाने ज्योतिष विद्या से

कहते हैं जोड़ियां ऊपर से बनकर आती हैं पर फिर भी विवाह को लेकर हर किसी में यह जानने की बेसब्री होती है कि उसकी शादी कहां, किससे और घर से कितनी दूर होगी, घर गांव में होगा या शहर में। ऐसी छोटी-छोटी इच्छाएं हर किसी के मन उठती हैं। ज्योतिष विधा के जरिये इसकी जानकारी मिल सकती है।

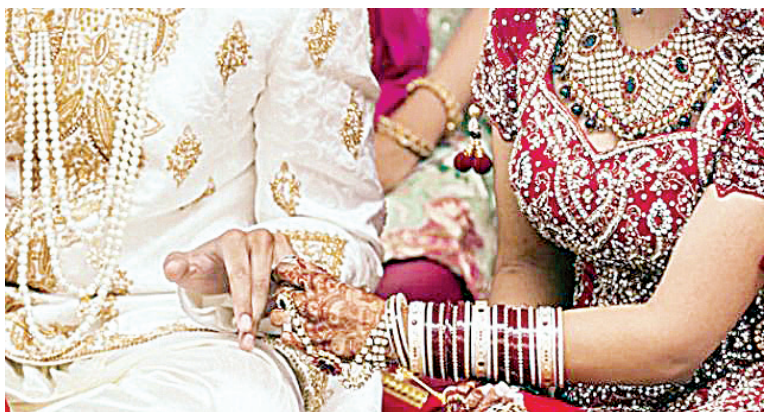

आसपास होगा विवाह

ज्योतिष विधा के अनुसार, आपकी कुंडली के सप्तम भाग में यदि वृष, सिंह वृश्चिक और कुंभ राशि स्थित है तो ऐसे में लड़की की शादी उसके घर से 90 किमी के अंदर ही होगी। अगर सप्तम भाग में चंद्र, शुक्र तथा गुरू हों तो ऐसे में लड़की की शादी घर के आसपास ही होती है।

दूरी पर होगा विवाह

अगर कुंडली के सप्तम भाग में मेष, कर्क, तुला और मकर हैं तो आपका विवाह उसके जन्मस्थान से 200 किमी के अंदर होगा। वहीं अगर द्विस्वभाव राशि मिथुन, कन्या, धनु या फिर मीन राशि स्थित हो तो विवाह घर से 80 से 100 किमी की दूरी पर हो जाता है।

विदेश में संभावना

अगर आपकी कुंडली में सप्तम भाग से द्वादश भाव के मध्य हो तो आपका विवाह विदेश में होगा। या फिर लड़का शादी के बाद आपको विदेश ले जाएगा। वहीं लड़की की कुंडली में दसवां भाव उसके पति का भाव होता है। दशम भाव अगर शुभ ग्रहों से युक्त या दृष्ट हो या दशमेश से युक्त या दृष्ट हो तो पति का अपना मकान होता है।

कब होगी शादी?

यदि लड़का-लड़की की जन्म लग्न कुंडली में सप्तम भाव में सप्तमेश बुध हो, हालांकि वह पाप ग्रह से प्रभावित ना हो तो ऐसे में विवाह 13 से 18 साल की आयु में हो जाता है। वहीं अगर सप्तम भाग में सप्तमेश मंगल पापी ग्रह से प्रभावित हो तो शादी 18 साल की आयु में होती है।

देर में होती है शादी

बुध शीघ्र ही शादी करवाता है, अगर आपकी कुंडली के सातवें घर में बुध हो तो आपकी शादी का योग 20 से 25 साल की उम्र में बन जाता है। यदि राहु या शनि का प्रभाव हो तो दो साल की देर यानी 27 साल की उम्र में शादी होती है।

इनका विवाह नहीं होता आसानी से

मंगल, राहु केतु में से कोई एक यदि सातवें घर में हो तो शादी में काफी देर हो सकती है। जितने अशुभ ग्रह सातवें घर में होंगे शादी में देर उतनी ही अधिक होती है। मंगल कुंडली के सातवें घर में 27 साल की उम्र से पहले शादी नहीं होने देता। वहीं राहु यहां होने पर विवाह आसानी से नहीं होने देता। कई बार तो बात पक्की होने के बावजूद रिश्ते टूट जाते हैं। केतु सातवें घर में होने पर गुप्त शत्रुओं की वजह से शादी में अडचनें पैदा करता है।

सभी प्रकार के रोगों और पीड़ाओं से मुक्ति दिलाता है हनुमान यज्ञ

'नासे रोग हरे सब पीरा। जो सुमिरे हनुमंत बलबीरा।।' हनुमान चालीसा की यह चौपाई बताती है कि बजरंग बली सभी प्रकार रोगों और पीड़ाओं से मुक्ति दिला सकते हैं। इसी प्रकार कलयुग में हनुमान यज्ञ सभी प्रकार की पीड़ा से मुक्ति दिलाने वाला और धन और यश की प्राप्ति के लिए एक उत्तम और चमत्कारिक उपाय के रूप में बताया जाता है। संतों के अनुसार हनुमान यज्ञ में इतनी शक्ति है कि अगर विधिवत रूप से यज्ञ को कर लिया जाए तो यह व्यक्ति की हर मनोकामना को पूरा कर सकता है। इसलिए शायद कई हिन्दू राजा युद्ध में जाने से पहले हनुमान यज्ञ का आयोजन जरूर करते थे। आइये जानते हैं कैसे होता है हनुमान यज्ञ और यदि कोई हनुमान यज्ञ नहीं करवा सकता है तो हनुमान जी की कृपा प्राप्ति का अन्य उपाय- हनुमान यज्ञ को एक सिद्ध ब्राह्मण की आवश्यकता से ही विधिवत पूर्ण किया जा सकता है। यह यज्ञ इंसान को धन और यश की प्राप्ति करवाता है। जो भी व्यक्ति हनुमान यज्ञ से हनुमान जी की पूजा करता है और ध्यान करता है उसके जीवन में सभी समस्याएं निश्चित रूप से समाप्त हो जाती हैं। हनुमानजी को प्रसन्न करने का यह सर्वाधिक लोकप्रिय उपाय है। इस यज्ञ में हनुमान जी के मन्त्रों द्वारा, इनको बुलाया जाता है और साथ ही साथ अन्य देवों की भी आराधना इस यज्ञ में की जाती है। कहा जाता है कि इस यज्ञ में जैसे ही भगवान श्रीराम का स्मरण किया जाता है तो इस बात से प्रसन्न होकर, हनुमान जी यज्ञ स्थल पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में विराजमान हो जाते हैं।

हनुमान यज्ञ के लिए कुछ आवश्यक वस्तुयें- लाल फूल, रोली, कलावा, हवन कुंड, हवन की लकडियाँ, गंगाजल, एक जल का लोटा, पंचामृत, लाल लंगोट, पांच प्रकार के फल। पूजा सामग्री की पूरी सूची, यज्ञ से पहले ही ब्राह्मण द्वारा बनवा लेनी चाहिए। हनुमान यज्ञ के लिए सबसे लिए मंगलवार का दिन बहुत शुभ माना जाता है। इस यज्ञ को विधिवत पूरा एक ब्राह्मण की सहायता से ही करवाया जा सकता है। अगर कोई व्यक्ति किसी कारण, पंडित जी से यज्ञ या हवन नहीं करवा सकता है तो ऐसे वह स्वयं से भी एक अन्य पूजा विधान को घर में खुद से कर सकता है।

पूजन विधिः हनुमान जी की एक प्रतिमा को घर की साफ़ जगह या घर के मंदिर में स्थापित करें और पूजन करते समय आसन पर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठ जाएं। इसके पश्चात हाथ में चावल व फूल लें व इस मंत्र (प्रार्थना) से हनुमानजी का स्मरण करें-

ध्यान करें-
अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यं।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।।

ऊँ हनुमते नमः ध्यानार्थे पुष्पाणि सर्मपयामि।।
अब हाथ में लिया हुआ चावल व फूल हनुमानजी को अर्पित कर दें। इसके बाद इन मंत्रों का उच्चारण करते हुए हनुमानजी के सामने किसी बर्तन अथवा भूमि पर तीन बार जल छोड़ें।

ऊँ हनुमते नमः, पाद्यं समर्पयामि।।
अर्घ्यं समर्पयामि। आचमनीयं समर्पयामि।।
इसके बाद हनुमानजी को गंध, सिंदूर, कुंकुम, चावल, फूल व हार अर्पित करें। इसके पश्चात् हनुमान जी की उपयोगी और सरल 'हनुमान चालीसा' का कम से कम 5 बार जाप करें। सबसे अंत में घी के दीये के साथ हनुमान जी की आरती करें। इस प्रकार यह यज्ञ और निरंतर घर में इस प्रकार किया गया पूजन, हनुमान जी को प्रसन्न करता है और व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं को भी पूरा करता है।

इजरायल ने गाजा में बिना हमले के ही लोगों की जान को खतरे में डाला

गाजा(ईएमएस)। इजरायल की बमबारी ने न केवल विनाशकारी तबाही मचाई है, बल्कि एक नए और खामोश खतरे को भी जन्म दिया है। एस्बेस्टस, एक खनिज जो सामान्य स्थिति में मानव के लिए कम खतरनाक होता है, बमबारी से टूटकर वायुमंडल में फैल गया है। जब यह कण हवा में फैल जाते हैं और लोग इसे सांस के जरिए अंदर लेते हैं, तो यह अत्यधिक कैंसरकारी साबित होता है।

विली ने गाजा में एस्बेस्टस के प्रभाव की तुलना 11 सितंबर, 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले से की, जब धूल के बादलों में एस्बेस्टस सहित कई जहरीले रसायन हवा में फैल गए थे। उस समय न्यूयॉर्क में एस्बेस्टस से संबंधित बीमारियों के कारण हजारों लोग मारे गए थे। इसी तरह, गाजा में भी आने वाले समय में एस्बेस्टस के कारण फेफड़ों और अन्य अंगों के कैंसर के मामले तेजी से बढ़ सकते हैं। यह स्थिति गाजा के लोगों के लिए एक लंबी और धीमी त्रासदी साबित हो सकती है, जिसमें उन्हें स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के हमलों के कारण पिछले एक साल में गाजा की इमारतों में मौजूद एस्बेस्टस छोटे-छोटे टुकड़ों में टूटकर हवा में मिल गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे गाजा में फेफड़े और अन्य प्रकार के कैंसर के मामले बढ़ सकते हैं, और अगले कई दशकों तक इसका प्रभाव देखा जा सकता है।संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार, गाजा में बमबारी से उत्पन्न मलबे में लगभग 800,000 टन एस्बेस्टस शामिल हो सकता है, जो हवा को दूषित कर रहा है। एस्बेस्टस विशेषज्ञ रोजर विली ने इसे गाजा के लोगों के लिए एक मौत की सजा कहा है, क्योंकि यह धीरे-धीरे आने वाले वर्षों में घातक बीमारियों का कारण बनेगा।

इजराइल-हमास जंग में गाजा की 60 फीसदी इमारतें बन गईं खण्डहर

इजराइल और हमास जंग एक साल से जारी है जिसमें गाजा की 60 फीसदी इमारतें बर्बाद हो चुकी हैं। इजराइल ने हमास को खत्म करने के लिए इन रिहायसी इलाकों को बर्बाद कर दिया है जो लाखों लोगों के घर थे। इजराइली सेना ने हवाई हमलों में सबसे ज्यादा असर खान यूनिस, गाजा सिटी और जबालिया को नुकसान पहुंचाया है।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक गाजा पट्टी में जंग शुरू होने के बाद इस साल जून तक 39 मिलियन टन मलबा पैदा हुआ था। इसमें रेत, बिना फटे बम, एस्बेस्टस, खतरनाक पदार्थ और यहां तक कि लोगों के अवशेष भी शामिल हैं। एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि बर्बाद घरों को फिर से पहले जैसा बनाने में 80 साल लग जाएंगे। गाजा में रहने वाले लोगों के पास न तो समय है और न ही पैसा जो इसकी भरपाई कर सकें। दूसरी तरफ फसलों और खेतों के बर्बाद होने से भुखमरी का संकट पैदा हो गया है।

खान यूनिस की 54 फीसदी इमारतें खंडहर हुईं गाजा दक्षिण में बसा एक सैकड़ों साल पुराना शहर है। खान यूनिस के लोगों का कहना है उनका शहर एक बर्बाद हो चुका है। वे जिन घरों में रहते थे उन्हें बुलडोजर से गिरा दिया गया है। हॉस्पिटल, स्कूलों को इजराइली तोपखाने ने मलबे में बदल दिया है। इजराइल का कहना है कि हमास के आतंकियों का सफाया करने के लिए इस तरह के हमले जरूरी हैं।

खान यूनिस के अंदर मामलुक युग (1250-1517) की एक सिटाडेल दीवार बची है। एक साल पहले इस दीवार के नजदीक सिटाडेल स्क्वायर था। यहां दुकानदार मिठाई बेचा करते थे। इसी जगह पर 96 साल पुरानी ग्रैंड मस्जिद भी हुआ करती थी। अब यहां सिर्फ मलबा बिखरा पड़ा है।

ईरान में थम्सअप का इशारा करने पर भडक सकते हैं लोग

तेहरान (ईएमएस)। क्या आपको मालूम है कि आप ईरान की यात्रा करते हैं और सार्वजनिक रूप से थम्सअप (अंगूठा ऊपर करने) का इशारा करते हैं, तो स्थानीय लोग भड़क सकते हैं या आपको नुकसान पहुंचाने के लिए दौड़ सकते हैं। इस पर आपकी पुलिस में शिकायत भी हो सकती है, और आप जेल भी जा सकते हैं। ईरान में थम्सअप से सामाजिक गलतफहमियां और टकराव उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, अगर आप ईरान जा रहे हैं, तो वहां के अंगुलियों के इशारों के बारे में पूर्व जानकारी लेना बहुत जरूरी है। ईरान में लोग आमतौर पर हाथ के इशारों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। यहां तक कि दो अंगुलियों से वी का निशान बनाना, जो आमतौर पर जीत या शांति का प्रतीक माना जाता है, यहां अश्लील इशारा समझा जाता है। किसी व्यक्ति की ओर अंगुली से इशारा करना भी असभ्य और आक्रामक माना जाता है, जबकि किसी वस्तु की ओर इशारा करना अधिक उचित समझा जाता है। ईरान सहित कई मध्य पूर्वी संस्कृतियों में बाएं हाथ को अशुद्ध माना जाता है।

इसका इस्तेमाल किसी वस्तु को पास करने या अभिवादन के लिए करना अपमानजनक माना जा सकता है। किसी दूसरे की ओर हाथ बढ़ाना तिरस्कारपूर्ण अपमान का प्रतीक होता है। अफगानिस्तान में भी थम्सअप को अश्लीलता का संकेत माना जाता है, और इटली के कुछ हिस्सों में भी इसे अपमानजनक माना जा सकता है। हालांकि, यहां यह उतना गंभीर नहीं है जितना ईरान और अफगानिस्तान में। वियतनाम में अंगुलियों को क्रॉस करना अश्लीलता से जोड़ा जाता है, जबकि मलेशिया में तर्जनी से इशारा करना असभ्यता समझा जाता है। इसी प्रकार, फिलीपींस में हथेली को ऊपर करके इशारा करना अत्यधिक आपत्तिजनक माना जाता है।

इसलिए, ईरान और अन्य देशों की यात्रा करते समय सांस्कृतिक संवेदनाओं का ध्यान रखना बहुत महत्वपूर्ण है, ताकि गलतफहमियों और विवादों से बचा जा सके। ईरान में थम्सअप का अर्थ मिडिल फिंगर दिखाने के समान अश्लीलता के रूप में लिया जाता है। यह केवल ईरान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य देशों में भी थम्सअप को अपमानजनक इशारा समझा जाता है। इस इशारे की जड़ें प्राचीन फ़ारसी संस्कृति में हैं, जहां इसे तिरस्कार की अश्लील अभिव्यक्ति के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। यह एक गैर-मौखिक तरीका है अपमान व्यक्त करने का, जो वैश्विक स्तर पर पाए जाने वाले अन्य अश्लील इशारों की तरह है।

सात मोर्चों पर अकेले भिड़ रहा है इजरायल, नेतन्याहू ने जारी किया वीडियो

तेल अवीव(ईएमएस)।इजरायल ने दावा किया है कि वह 7 मोर्चों पर युद्ध लड़ रहा है और इस दौरान उस पर यमन, इराक, लेबनान और गाजा से लगातार हमले हो रहे हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को एक वीडियो बयान जारी कर लेबनान के लोगों को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने हिज़बुल्लाह की नई लीडरशिप के खात्मे का दावा किया। वहीं, इजरायली वायुसेना ने हिज़बुल्लाह के कई अंडरग्राउंड कमांड सेंटर्स को भी निशाना बनाया। इन हमलों के अलावा, इजरायल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास के पास भी हमले किए हैं। इस बीच, हमास प्रमुख यह्या सिनवार ने बंधकों की रिहाई और युद्धविराम के लिए वार्ता का प्रस्ताव रखा है, जिसमें क़तर को मध्यस्थ बनाने की चर्चा हो रही है।नेतन्याहू ने कहा, हिज़बुल्लाह की क्षमताओं को नष्ट कर दिया गया है। हमने हसन नसरल्लाह के उत्तराधिकारी और उनके उत्तराधिकारी के भी उत्तराधिकारी को खत्म कर दिया है। इसके साथ ही, उन्होंने लेबनान के नागरिकों को आतंकवादियों को अपने देश से निकालने की चेतावनी दी। इस दौरान, इजरायल की सेना ने लेबनान में हिज़बुल्लाह के 115 ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिसमें 6 वरिष्ठ कमांडरों समेत 50 आतंकियों के मारे जाने का दावा किया गया। इन कमांडरों में अहमद हसन नाजल, हुसैन तलाल कमाल, और अली अहमद इस्माइल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

इटली ने हमास समर्थक इमाम जुल्फिकार को देश से बाहर किया

रोम,(ईएमएस)। इटली ने 54 साल के कट्टरपंथी इमाम जुल्फिकार खान को देश से निकालने का फैसला सुना दिया है। एक मामले से जुड़े आदेश पर 08 अक्टूबर को हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इस संबंध में बताया जा रहा है कि जुल्फिकार एक पाकिस्तानी नागरिक है जो 1995 में इटली आए थे। उनकी कट्टरता को देखते हुए उन्हें देश से निकालने के साथ ही उनका निवास परमिट भी रद्द कर दिया गया है। सरकार द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है, कि 2023 की ठंड से जुल्फिकार खान के व्यवहार में वैचारिक कट्टरता और कट्टरपंथ की ओर झुकाव बढ़ा हुआ देखा गया था। उनके बयानों में पश्चिम विरोधी, यहूदी विरोधी, समलैंगिकता विरोधी और महिला विरोधी भावनाएं नजर आईं थीं। हद तो तब हो गई जब उन्होंने उसी देश के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया, जिसने उन्हें अपने यहां रहने का मौका दिया। यही नहीं एक बयान में मुस्लिमों को सरकार की ओर से लिए जा रहे टैक्स का विरोध करने को कहा गया। इसके लिए उन्होंने तर्क दिया था कि संसाधन मुस्लिम समुदाय के अंदर ही रहने चाहिए। समलैंगिकता को उन्होंने एक बीमारी बताया और इसके इलाज की बात कही। इसके अलावा इजरायल और हमास युद्ध शुरू होने के बाद उन्होंने नवंबर 2024 से अप्रैल 2024 के बीच कई आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर डाले। इसमें अमेरिकी, जर्मन, फ्रांसीसी, ब्रिटिश और इटालियन लोगों को नापाक जायोनीवादी का समर्थक बताया।

इटली के अधिकारियों ने इसके साथ ही इमाम खान को उन विदेशियों के साथ जोड़ा जो इस्लामी आतंकी समूहों में शामिल थे। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि वह बोलोग्ना क्षेत्र में राजनीतिक, धार्मिक और अर्धसैनिक संगठनों को घुसपैठ में मदद कर सकता है। इसके अलावा उन पर आरोप है कि मई 2024 में कथित तौर पर एक मस्जिद में हमास की तारीफ और इजरायल की आलोचना वाला बयान उन्होंने दिया था।

ब्यूनस आयर्स में छात्र नेशनल कांग्रेस के बाहर प्रदर्शन करते हुए। ये राष्ट्रपति जेवियर मैलिस के यूनिवर्सिटी को लेकर बनाये एक कानून का विरोध कर रहे हैं।

जापान में आम चुनाव की तैयारी पूरी, प्रधानमंत्री ने संसद के निचले सदन को किया भंग

टोक्यो (ईएमएस)। जापान में आम चुनाव की तैयारियां पूरी हो गई हैं। प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने संसद के निचले सदन को भंग कर दिया है, और उनका लक्ष्य अपनी पार्टी के लिए बहुमत हासिल करना है। हालांकि, इशिबा के सामने कई चुनौतियाँ भी हैं। एक समाचार एजेंसी के अनुसार आम चुनाव 27 अक्टूबर को होंगे, जबकि प्रचार अभियान 15 अक्टूबर से शुरू होगा। इशिबा ने 27 सितंबर को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद का चुनाव जीता था और 1 अक्टूबर को एलडीपी के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा नियंत्रित संसद में प्रधानमंत्री के रूप में चुने गए। यह चुनाव 2023 के अंत में एलडीपी के राजनीतिक फंड घोटाले के सामने आने के बाद होने वाला पहला आम चुनाव है। पिछले सप्ताह संसद में अपनी पहली पॉलिसी स्पीच में इशिबा ने कहा था कि कई घोटालों के बाद राजनीति में जनता का भरोसा बहाल करने के लिए काम करना आवश्यक है। जनता के आक्रोश को देखते हुए, एलडीपी ने बुधवार को राजनीतिक निधि घोटाले में शामिल 12 सांसदों को आगामी चुनाव में आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में समर्थन नहीं देने का निर्णय लिया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अधिकांश समय जापान में एलडीपी का शासन रहा है। पिछली बार पार्टी ने 465 सदस्यीय निचले सदन में 258 सीटें जीती थीं और यह कोमिटो के साथ गठबंधन में शासन कर रही थी, जिसके पास 32 सीटें थीं। मुख्य विपक्षी दल जापान की कॉन्स्टिट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी है, जिसका नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिको नोडा कर रहे हैं। इस पार्टी ने पिछली बार 99 सीटें जीती थीं। चुनाव में एलडीपी के फंडिंग घोटालों के साथ-साथ राजनीतिक सुधार, मुद्रास्फीति और आर्थिक उपायों जैसे प्रमुख मुद्दे भी छाए रहने की उम्मीद है। विपक्षी दल एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करने और एलडीपी के प्रभुत्व को कम करने पर जोर दे रहे हैं। इस चुनावी माहौल में, जापानी मतदाता अपनी राजनीतिक आकांक्षाओं और आकांक्षाओं को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार हैं, जिससे यह चुनाव विशेष महत्व रखता है।

गाजा में इजरायली हमले में अपने पिता की मौत पर रोते बिलखते हुए एक लड़के को सांत्वना देते हुए अन्य लोग।

ईरान पर इजराइली हमला घातक और चौंकाने वाला होगा!

बाइडन ने की नेतन्याहू से फोन पर बात, सकारात्मक रही बातचीत

बेरुत में रह रहे तुर्की के लोग तुर्की के नौसैनिक जहजों से स्वदेश लौटने के लिए कतार में लगकर अपने नाम दर्ज कराते हुए।

तेल अवीव,(ईएमएस)। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के साथ बुधवार को फोन पर बात की। पिछले 50 दिनों में पहली बार दोनों नेताओं ने बातचीत की। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच ईरान के मिसाइल हमले का जवाब देने पर चर्चा हुई। इजरायल ने कहा कि उसका जवाबी हमला विनाशकारी होगा। लेकिन बाइडन ने ईरान के परमाणु या तेल उत्पादन स्थलों को टारगेट करने पर विरोध किया है। बाइडन से बात न होने तक नेतन्याहू ने अपने रक्षा मंत्री को अमेरिका जाने से रोका दिया था। इजराइल के रक्षा मंत्री ने बुधवार को कहा था कि ईरान पर उसकी ओर से किया जाने वाला हमला घातक और चौंकाने वाला होगा। उन्होंने कहा कि हाल में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा। इजराइली हमले से ईरान सकते में आ जाएगा। कोई विवरण दिए बिना रक्षा मंत्री ने कहा कि वे समझ नहीं पाएंगे कि क्या हुआ और कैसे हुआ। पिछले सप्ताह ईरान ने इजराइल पर कई मिसाइलें दागीं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है जिसे लेकर पूरी दुनिया चिंतित है। बाइडन लंबे समय से नेतन्याहू के गाजा में युद्ध के साथ-साथ लेबनान में इजराइल की लड़ाई के तरीकों को लेकर निराश और नाराज हैं। साथ ही संघर्ष खत्म करने से जुड़ी रणनीति न अपनाने पर अफसोस जताया है लेकिन बुधवार को हुई बातचीत को व्हाइट हाउस ने डायरेक्ट और उत्पादक बताया और पीएमओ ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही। इस दौरान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी इस फोन पर चल रही बातचीत सुन रही थीं।

व्हाइट हाउस ने ईरान के खिलाफ संभावित इजराइली जवाबी हमले पर अमेरिका के रुख के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हालांकि बातचीत में बाइडन ने कहा था कि वह इजराइल को हर तरह से मदद दे रहे हैं। पीएमओ के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह नेतन्याहू को फोन किया और इजराइल की ओर से हिजबुल्ला के खिलाफ चलाए गए अभियानों के लिए उन्हें बधाई दी थी।

ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ की कहा- वे सबसे बेहतर इंसान हैं

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत का जिक्र करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के आने से पहले भारत में हर साल पीएम बदला जाता था। वहां बहुत ज्यादा अस्थिरता थी। इसके बाद वह आए। वह महान हैं। वह मेरे मित्र हैं। बाहर से वह ऐसे दिखते हैं, जैसे वह आपके पिता हैं। वह सबसे अच्छे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कॉमेडियन एंड्रयू शुल्ट्ज और आकाश सिंह के साथ फ्लैग्रैंट नामक पॉडकास्ट में ये बातें कही। 88 मिनट लंबे साक्षात्कार के लगभग 37 मिनट तक उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने संबंधों का जिक्र किया।

ट्रंप ने आगे कहा कि हाउडी मोदी 2019 में टेक्सास के ह्यूस्टन में भारतीय समुदाय का एक कार्यक्रम था। एनआरजी स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ी और दोनों देशों के बीच संबंधों को दर्शाया गया। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग पागल हो रहे थे और हम घूम रहे थे।।हम उनके बीच में थे, हर किसी को हाथ हिला रहे थे। अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रनौत ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक पॉडकास्ट को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। इस पॉडकास्ट में ट्रंप ने पीएम मोदी को सबसे अच्छा इंसान बताते हुए उन्हें टोटल किलर करार दिया।सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पॉडकास्ट को शेयर करते हुए कंगना रनौत ने कैप्शन में लिखा, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लैग्रेंट पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री मोदी को सबसे अच्छा इंसान बताया, लेकिन साथ ही उन्हें टोटल किलर (ऐसे शख्स जो सफल हैं, आक्रामक हैं और किसी भी स्थिति से निपटने में पारंगत) बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक जवाबी कार्रवाई की धमकी देकर उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया, जब उन्होंने कहा कि हम उनसे निपट लेंगे, भारत ने सैकड़ों वर्षों से उन्हें हराया है। इसकी तुलना मुंबई में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए की बेरुखी से करें।

मिस्र के उत्तरी सिनाई में फिर से रेल सेवा शुरू करने की तैयारी

काहिरा (ईएमएस)। मिस्र के उत्तरी सिनाई में आधी सदी से भी अधिक समय बाद फिर से रेल सेवा शुरू होगी। यहां 100 किलोमीटर लंबे रेलमार्ग का ट्रायल ऑपरेशन शुरू हो चुका है। मिस्र के परिवहन और उद्योग मंत्री कामेल अल-वजीर ने कहा, इस लाइन के शुरू होने से सिनाई से अन्य प्रांतों तक लोगों और माल की आवाजाही आसान होगी, नए शहरी इलाकों और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा मिलेगा, उत्तरी सिनाई में आर्थिक परियोजनाओं को समर्थन मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, अल-फरदान-बीर अल-अब्द लाइन सिनाई प्रायद्वीप में रेल संपर्क को आधुनिक बनाने और विस्तार देने के मकसद से एक बड़े प्रोजेक्ट का पहला चरण है। मिस्र के परिवहन और उद्योग मंत्रालय ने अल-फरदान को ताबा से जोड़ते हुए लाइन को करीब 500 किलोमीटर तक विस्तारित करने की घोषणा की। मिस्र एक व्यापक आर्थिक सुधार कार्यक्रम के हिस्से के रूप में अपने परिवहन बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए काम कर रहा है। 1973 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद क्षेत्र में संघर्ष और सैन्य अभियानों के कारण सिनाई में ट्रेन सेवाएं काफी हद तक निलंबित कर दी गई थीं। बता दें 1973 अरब-इजरायल युद्ध को योम किप्पुर युद्ध, रमजान युद्ध, जैसे नामों से भी जाना जाता है। युद्ध के दौरान ज्यादातर लड़ाई सिनाई प्रायद्वीप और गोलान हाइट्स में हुई जिस पर 1967 में इजरायल ने कब्जा कर लिया था। कुछ लड़ाई मिस्र और उत्तरी इजरायल में भी हुई। युद्ध 6 अक्टूबर 1973 को शुरू हुआ, जब अरब गठबंधन ने यहूदी पवित्र दिन योम किप्पुर के दौरान इजरायल पर एक आश्चर्यजनक हमला किया। योम किप्पुर युद्ध को इस लिहाज से अहम माना जाता है कि इसके बाद अरब देश और इजरायल, दोनों ही पक्ष समझौतावादी रुख अपनाते दिखे।

फ्लोरिडा की तरफ बढ़ रहा तूफान मिल्टन, 50 लाख लोगों से तटीय क्षेत्र छोड़ने की अपील

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। फ्लोरिडा तूफान मिल्टन से निपटने की तैयारियों में लगा है। तूफान के अमेरिकी राज्य के पश्चिमी मध्य तट पर टाम्पा खाड़ी के पास पहुंचने का अनुमान है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोमवार को फ्लोरिडा में आपातकाल की घोषणा को मंजूरी दे दी, जो अभी भी तूफान हेलेन के प्रभावों से उबर रहा है। बाइडेन ने जर्मनी और अंगोला की अपनी योजनाबद्ध यात्रा स्थगित कर दी और इसके बजाय फ्लोरिडा में तूफान मिल्टन की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। फ्लोरिडा के पश्चिमी तट पर 50 लाख से अधिक निवासियों को घनी आबादी वाले तटीय क्षेत्र को छोड़ने की अपील की गई। यहां की एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 20 से अधिक काउंटियों ने अनिवार्य और स्वैच्छिक निकासी आदेश जारी किए हैं। अधिकारियों ने निकासी आदेश के तहत आने वाले लोगों को सख्त चेतावनी दी है। अधिकारियों ने कहा कि जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाला तूफान मेक्सिको की पूर्वी खाड़ी से होकर फ्लोरिडा पहुंचेगा। इसका केंद्र फ्लोरिडा के पश्चिमी तट पर पहुंच सकता है। यूएस नेशनल वेदर सर्विस के राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने फ्लोरिडा निवासियों से अपनी तैयारी पूरी करने की अपील की है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने एक्स पर लिखा, अब समय आ गया है कि आप अपने प्लान पर काम करें और अपने स्थानीय अधिकारियों से प्राप्त निकासी आदेशों का पालन करें। आपका घर फिर से बनाया जा सकता है, लेकिन हम तूफान में खोई हुई जान की भरपाई नहीं कर सकते। फ्लोरिडा आपातकालीन प्रबंधन प्रभाग ने एक्स पर चेतावनी देते हुए कहा कि तूफान के कारण तेज हवाएं, घातक तूफानी लहरें, बवंडर और भारी बारिश जैसी कई मौसमी समस्याएं उत्पन्न होने का डर है, इन समस्याओं के कारण पूरे राज्य में बिजली आपूर्ति बाधित होने की आशंका है। फ्लोरिडा आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने कहा कि राज्य के कुछ हिस्सों में उष्णकटिबंधीय तूफानी हवाएं चल सकती हैं, जिसका मतलब है कि गाड़ी चलाना या बाहर रहना असुरक्षित है। कई काउंटियों में फ्री शटल सेवा संचालित की जाएगी, जो लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद करेगी।

आकर्षक आंखों के लिए जरूरी हैं ये 9 चीजें, डायट में शामिल है ऐसा आहार

किसी से भी इंटरेक्शन करने का पहला माध्यम आंखें होती हैं। सबसे पहले आई कॉन्टेक्ट होता है, फिर स्माइल पास होती है और फिर बातचीत आगे बढ़ती है... इसलिए जरूरी है कि हमारी आंखें खूबसूरत और आकर्षक बनी रहें।

आंखों के जरिए हम केवल दुनिया नहीं देखते। बल्कि आंखें हमें हमारी सेहत का हाल भी बताती हैं। सोचिए जरा, जब कोल्ड, फीवर या स्ट्रेस से हम तंगहाल होते हैं तो सबसे पहले हमारी आंखों की चमक फीकी पड़ती है। इससे हमारा चेहरा देखते ही हमारे परिवार और दोस्तों को हमारी सेहत का हाल पता चल जाता है। आइए, जानते हैं उन चीजों के बारे में जो आंखों का आकर्षण बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी हैं।

सबसे पहले कॉर्निया की सेहत

कॉर्निया हमारी आंख का वह जरूरी हिस्सा है, जो हमारी आखों में सामने दिख रही वस्तुओं के प्रतिबिंब बनाने में मदद करता है। इसी से हम किसी वस्तु, व्यक्ति या जगह को पहचान पाते हैं। कॉर्निया को स्वस्थ रखने के लिए और विजन को सही बनाए रखने के लिए हमारी आंखों को विटमिन-A की जरूरत होती है।

ब्लाइंडनेस से बचने के लिए

आंखों के लिए विटमिन-A की जरूरत इसलिए भी होती है ताकि आंसू बनानेवाली नलिकाएं सूखें नहीं। अगर टीयर डक्ट्स सूख जाती हैं तो कॉर्निया सॉफ्ट हो जाता है और इसकी कार्यक्षमता कम हो जाती है। इससे अंधेपन की समस्या हो सकती है।

शिमला मिर्च और कद्दू

अगर भारतीय रसोई में बननेवाले सात्विक भोजन का नियमित सेवन किया जाए तो किसी भी व्यक्ति के शरीर में विटमिन-A की कमी होने की संभावना कम ही रहती है। लेकिन अगर आपको नॉनवेज खाना अधिक पसंद है, तब भी अपनी डायट में हरी पत्तेदार सब्जियां, कद्दू और शिमला मिर्च शामिल करें।

विटमिन-बी की फैमिली के ये सदस्य

विटमिन-B फैमिली के मुख्य रूप से 3 विटमिन हमारी आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद हैं। इनमें विटमिन B6, B9 और B12 शामिल हैं। इन तीनों विटमिन्स का कॉम्बिनेशन आंखों में होमोसिस्टीन को बनने से रोकता है। यह एक हानिकारक अमीनो एसिड है, जो सूजन बढ़ाता है। इससे आंखों में विजन लॉस की दिक्कत हो जाती है।

कॉर्निया को प्रोटीन देने के लिए

हमारी आंखों में कॉर्निया सबसे महत्वपूर्ण पार्ट होता है। इसके सेल्स और स्ट्रक्चर को सही बनाए रखने के लिए हमारी आखों की कोशिकाओं में कोलेजन की जरूरत होती है। कोलेजन एक तरह का प्रोटीन है, जो कॉर्निया और स्क्लेरा (आंख की पुतली का सफेद भाग) का निर्माण करने में मदद करता है।

थाइमीन

थाइमीन विटमिन- B1 को कहा जाता है। यह मुख्य रूप से दो तरह से काम करता है। पहला-बॉडी सेल्स की कार्यप्रणाली को सही बनाए रखता है और दूसरा, खाने से ऊर्जा का उत्पादन करता है। यह आंखों की मसल्स को स्मूद और एनर्जेटिक रखने का काम करता है। साबुत दालें, मीट और फिश से मिलता है।

राइबोफ्लेविन

राइबोफ्लेविन को विटमिन-B2 के नाम से भी जाना जाता है। यह हमारी बॉडी में ऑक्सीडेशन की प्रक्रिया को धीमा करता है। राइबोफ्लेविन का सेवन मोतियाबिंद होने से रोकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर शरीर में राइबोफ्लेविन की कमी लंबे समय तक बनी रहती है तो मोतियाबिंद होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसे आप ओट्स, मिल्क से प्राप्त कर सकते हैं।

नियासिन

नियासिन यानी विटमिन-B3 शरीर के अंदर भोजन को ऊर्जा में परिवर्तित करने का काम करता है। साथ ही यह ऐंटिऑक्सीडेंट के रूप में भी काम करता है, जिससे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। नियासिन हमारी आंख में ग्लॉकोमा नामक बीमारी होने से रोकता है, जिसमें आंख की ऑप्टिक नर्व डैमेज हो जाती है। फलियां और मशरूम इसकी पूर्ति कर सकते हैं।

मोतियाबिंद से बचाव के लिए

पिछले दिनों आंखों से संबंधित एक स्टडी में यह बात सामने आई कि यदि कोई व्यक्ति हर दिन अपनी डेली डायट में करीब 490 मिलीग्राम विटमिन-C का सेवन करता है तो उनमें मोतियाबिंद जैसी समस्या होने की संभावना 75 प्रतिशत तक घट जाती है। जबकि जो लोग 125 ग्राम या इससे कम विटमिन-सी लेते हैं, उनमें मोतियाबिंद होने की संभावना 75 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

आंखों की कोशिकाओं को मजबूत करे

विटमिन-E एक ऐसा पॉवरफुल ऐंटिऑक्सीडेंट है, जो हमारी स्किन सेल्स को प्रोटेक्ट करता है। इनमें हमारी आंखों की कोशिकाएं भी शामिल हैं। हमारे शरीर में मौजूद मुक्त कण जो अस्थिर मॉलेक्यूल्स की तरह काम करते हैं और कई बार आंखों की सेल्स को नुकसान पहुंचा देते हैं।

विटमिन-ई से भरपूर खाना

विटमिन ई की प्राप्ति के लिए आपको सूखे मेवे, मूंगफली, सिंघाड़ा, अखरोट, मखाना, एवकाडो, सलमन फिश और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करना चाहिए। ध्यान रखें कि पर्याप्त पोषक तत्वों के लिए किसी भी एक चीज पर निर्भर ना हों। बल्कि सभी तरह के फल सब्जियां अपनी डायट में शामिल करें।

ल्यूटिन और जिजेनथिन

ल्यूटिन और जिजेनथिन ऐसे कैरोटेनॉइड्स हैं जो हमारी आंखों के मैक्युला और रेटिना में पाए जाते हैं। ये आंखों को हार्मफुल ब्लू लाइट से प्रॉटेक्ट करते हैं। हालांकि इसकी डेली इनटेक डोज और सेफ सप्लिमेंट डोज अभी तक तय नहीं है। ये दोनों तत्व हमें पालक, केल, कोलर्ड ग्रीन्स से प्राप्त होते हैं।

ओमेगा-3 फैटी एसिड्स

हमारी आंख के रेटिना में ओमेगा-3 फैटी एसिड DHA की फॉर्म में पाए जाते हैं। ये हमारी आखों में सूजन को रोकता है। जो डायबीटिक रेटिनोपेथी (डायबीटिज के दौरान आंख में होनेवाली बीमारी) होने से रोकता है। साथ ही यह आंखों में आंसुओं के प्रोडक्शन को बढ़ाकर ड्राई आई की समस्या भी दूर करता है। चिया सीड्स, नट्स और कई कुकिंग ऑइल से इसे प्राप्त कर सकते हैं।

रोजमर्रा की गलतियों के कारण होता है कमर दर्द, लाइलाज नहीं है यह रोग

आज हर उम्र के लोगों को कमर दर्द की परेशानी रहती है। लगभग 90 प्रतिशत लोग अपने जीवन में कमर दर्द की समस्या से जूझ रहे होते हैं। शरीर में रीढ़ की हड्डी में 32 कशेरूका (वर्टेब्रा) होती हैं, जिनमें से 22 वर्टेब्रा कार्य करती हैं और जब ये ठीक से काम नहीं कर पाती तो कई तरह की समस्याएं उभरने लगती हैं। इसके अलावा कमर की बनावट में कई तरह के अंग कार्य करते हैं, यदि इनमें किसी भी प्रकार की समस्या होती है तो कमर दर्द की शिकायत हो सकती है। ज्यादातर झुकने में और मुड़ने में तकलीफ होती है। यदि शुरुआती दौर में ही इसका सही इलाज करवा लिया जाए तो यह तकलीफ हमेशा के लिए दूर हो सकती है।

रोजमर्रा की जिंदगी में होने वाली गलतियां ही कमर दर्द का सबसे बड़ा कारण हैं। जो लोग अपनी नौकरी की वजह से एक ही जगह बैठकर घंटों काम करते हैं या बहुत ज्यादा शारीरिक मेहनत करते हैं या गलती से कई बार ज्यादा वजन उठा लेते हैं, वे कमर दर्द के जल्दी शिकार होते हैं। शरीर का भार सामान्य से अधिक होना, व्यायाम नहीं करना भी कमर दर्द के मुख्य कारण हो सकते हैं।

एम्स के डॉ. केएम नाधीर के अनुसार, कमर दर्द में आमतौर पर पीठ में दर्द, खिंचाव या अकड़न महसूस होती है। कमर दर्द कष्टकारक और असहज होता है, लेकिन आमतौर पर गंभीर नहीं होता है। कमर दर्द कई कारणों से होता है, जिनमें अचानक जोर पड़ना या गिरना, चोट लगना या लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहना शामिल हैं।

मोटापे में कमर दर्द

शरीर के अत्यधिक भार की वजह से मोटे लोगों को अक्सर कमर दर्द की समस्या रहती है। शरीर के अतिरिक्त भार को संभालने के लिए कमर आगे की ओर झुकती है। वजन अधिक होने से रीढ़ की हड्डी के छोटे-छोटे जोड़ों में समस्याएं शुरू हो जाती हैं और पीछे की डिस्क जल्दी खराब होने लगती है। यदि मोटे व्यक्ति फिजियोथेरेपी और सर्जरी करवाते हैं तो इस समस्या से उन्हें निजात मिल सकती है।

कमर दर्द का इलाज संभव

लोगों में यह भ्रांति है कि कमर दर्द लाइलाज बीमारी है। ऑपरेशन से कमर दर्द की समस्या हमेशा के लिए दूर हो सकती है। नवीन चिकित्सा पद्धतियों द्वारा रीढ़ की हड्डी का सफल ऑपरेशन संभव है और थोड़े ही दिनों में व्यक्ति सामान्य हो जाता है।

कभी न करें ऐसी लापरवाही

कमर दर्द की शुरुआती अवस्था में ही यदि डॉक्टर से परामर्श लेकर उचित इलाज करवाकर सावधानी बरती जाए तो इससे छुटकारा मिल सकता है। इलाज के अभाव में यह गंभीर समस्या भी बन सकती है। लगभग 85-95 प्रतिशत तक कमर दर्द दवाओं, व्यायाम, पोश्चर करेक्शन तकनीकों और फिजियोथैरेपी तकनीकों से भी ठीक किए जा सकते हैं।

स्पाइन फ्यूजन तकनीक

सर्जरी आमतौर पर एनेस्थिशिया देकर की जाती है। सर्जरी से पूरी या आंशिक रूप से डिस्क को बाहर निकाल लिया जाता है। पूरी डिस्क निकालने के बाद उस डिस्क की जगह पर अन्य कृत्रिम डिस्क लगा दी जाती है। इसके अलावा स्पाइन फ्यूजन तकनीक से भी कमर की मजबूती बनाई जा सकती है। डॉक्टर द्वारा सर्जरी के बाद लगभग 3 महीने आराम करने की सलाह दी जाती है। इस दौरान किसी भी तरह का कार्य न करने की भी सलाह दी जाती है।

ओजोन थैरेपी से इलाज

ओजोन थैरेपी सबसे आधुनिक तकनीक मानी जाती है। यह थैरेपी लोकल एनेस्थिसिया देकर की जाती है। इस थैरेपी में एक-एक घंटे की छह सिटिंग होती है, जो तीन हफ्ते में पूरी होती है। यह ओजोन थैरेपी माइक्रोस्कोपिक सर्जरी है, जिसमें शरीर पर किसी प्रकार की सर्जरी नहीं करनी पड़ती है। इस थेरेपी के माध्यम से ओजोन को डिस्क के आंतरिक हिस्से तक पहुंचाया जाता है। यह थैरेपी सभी प्रकार के कमर दर्द में कारगर नहीं हो सकती है।

डॉ. लक्ष्मीदत्ता शुक्ला के अनुसार, कमर दर्द के कई कारगर घरेलू इलाज भी हैं। इनमें शामिल हैं - अदरक और तुलसी का उपयोग। इसके अलावा खसखस के बीज का उपयोग करके भी कमर दर्द से निजात पाई जा सकती है। बहुत कम लोगों को पता है कि नियमित रूप से दूध का सेवन करने वालों को कमर दर्द नहीं होता है। वहीं कमर दर्द होने पर तेल की मालिश और बर्फ की सिकाई की जाती है। ये सभी उपाय दर्द निवारक दवाओं की तुलना में अधिक कारगर हैं और नुकसानदायक तो बिल्कुल नहीं हैं।

पतले बालों को घना दिखाने में कारगर हैं ये 5 घरेलू नुस्खे

कई पीढ़ियों से बालों की सुंदरता के लिए अपनाए जा रहे 5 आसान घरेलू नुस्खे हम यहां आपके लिए लाए हैं। इनमें से जो भी आपको अच्छा लगे उसे आजमाकर देखें। पूरी उम्मीद है कि इनके परिणाम से आपको निराशा नहीं होगी...

बालों का लगातार पतला होना और वॉल्यूम खोते जाना अब एक आम समस्या बन गई है। हमें इस मुद्दे पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है कि हमारे गिरते बालों की वजह कैमिकल्स और पैस्ट्रीसाइट्स हैं, जिनका लगातार हमारी लाइफ में दखल बढ़ रहा है। ऐसे में देसी नुस्खे ही हमें इनके बुरे प्रभाव से बचा सकते हैं। यहां बालों की सुंदरता के लिए आसान तरीके जानें...

दही डाले बालों में जान

अगर आपके बाल रूखे, बेजान और पतले हो गए हैं तो आप अपने बालों की लंबाई के हिसाब से दही लें। सादा दही में एक चम्मच शहद मिलाकर अच्छी तरह मैश करें। तैयार मिश्रण को बालों में लगाएं। फिर 30 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से अच्छी तरह शैंपू करें। यह एक ऐसा घरेलू नुस्खा है, जिसका असर आपको पहली ही बार में नजर आएगा।

मेथी दाना पेस्ट

मेथी दाना में प्रोटीन की मात्रा बहुत अधिक होती है। आपको शायद पता हो कि बालों की सेहत के लिए प्रोटीन सबसे जरूरी पदार्थ है। साथ ही मेथी में निकोटिनिक एसिड कंटेंट होता है, जो बालों की जड़ों में डैंड्रफ नहीं होने देता और हेयर फॉल को रोकता है।

ऐसे लगाएं मेथी दाना

बालों में मेथी दाना लगाने के लिए आप दो चम्मच मेथी दाना रात को पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इसे पीसकर पेस्ट बना लें। तैयार पेस्ट में 1 चम्मच नारियल तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को 30 मिनट के लिए बालों में लगा लें। इसके बाद शैंपू कर लें। सप्ताह में 3 बार ऐसा जरूर करें। आपके बाल जल्द घने और शाइनी हो जाएंगे।

हिना से हेल्दी बनें बाल

हाथों पर रचाई जानेवाली हिना सदियों से बालों की देखभाल और रंगत बनाए रखने का भी एक माध्यम है। हिना से बालों की सिर्फ कंडीशनिंग नहीं होती है बल्कि यह बालों को घना दिखाने में भी मददगार है। क्योंकि यह बालों को मोटा करती है और उन्हें वॉल्यूम देती है।

प्याज का रस

प्याज का रस बालों के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। आप सप्ताह में दो से तीन बार अपने बालों में प्याज का रस लगा सकते हैं। इसमें मौजूद डायट्री सल्फर नए बाल उगाने और उगे हुए बालों को पोषण देने का काम करता है, जिससे बाल घने और सेहतमंद नजर आते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल जितना अच्छा मॉइश्चराइजर हमारी स्किन के लिए है उतना ही अच्छा मास्क हमारे बालों के लिए है। यह बालों की कंडीशनिंग करता है। हेयर डैमेज को कंट्रोल करने के साथ ही यह पहले से बालों में हो चुके डैमेज को रिपेयर भी करता है। सिल्की, स्मूद और घने बालों के लिए आप सप्ताह में 2 बार अपने बालों पर आधा-आधा घंटे के लिए यह जेल लगाएं।

नैनो-टेक्नोलॉजी, एस्ट्रो-फिजिक्स सहित इन क्षेत्रों में आपार संभावनाएं

अगर आपने विज्ञान विषय से 12वीं पास की है तो आप कई क्षेत्रों में बेहतर रोजगार हासिल कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक के इस युग में रोजगार के लिए परंपरागत क्षेत्रों की जगह इन क्षेत्रों में तेजी से मांग बढ़ रही है। ये नये क्षेत्र हैं।

नैनो-टेक्नोलॉजीः एक रिपोर्ट के अनुसार नैनो टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री के लगातार बढ़ने की उम्मीद है। नैस्कॉम के मुताबिक आने वाले समय में इस क्षेत्र में पेशेवरों की भारी मांग रहेगी। 12वीं के बाद नैनो टेक्नोलॉजी में बीएससी या बीटेक और उसके बाद इसी विषय में एमएससी या एमटेक करके इस क्षेत्र में शानदार करियर बनाया जा सकता है।

एस्ट्रो-फिजिक्सः अगर आप सितारों और गैलेक्सी में दिलचस्पी रखते हैं तो 12वीं के बाद एस्ट्रो-फिजिक्स में रोमांचक करियर बना सकते हैं। इसके लिए आप चाहें तो पांच साल के रिसर्च ओरिएंटेड प्रोग्राम (एमएस इन फिजिकल साइंस) और चार या तीन साल के बैचलर्स प्रोग्राम (बीएससी इन फिजिक्स) में प्रवेश् ले सकते हैं। एस्ट्रोफिजिक्स में डॉक्टरेट करने के बाद स्टूडेंट्स इसरो जैसे रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन में साइंटिस्ट बन सकते हैं।

पर्यावरण विज्ञानः इस स्ट्रीम में पर्यावरण पर इंसानी गतिविधियों से होने वाले असर का अध्ययन किया जाता है। इसके तहत इकोलॉजी, आपदा प्रबंधन, वन्य जीव प्रबंधन , प्रदूष्ण नियंत्रण जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इन सभी विषयों में एनजीओ और यूएनओ के प्रोजेक्ट्स बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में जॉब की अच्छी संभावनाएं हैं।

वॉटर साइंसः यह जल की सतह से जुड़ा विज्ञान है। इसमें हाइड्रोमिटियोरोलॉजी, हाइड्रोजियोलॉजी, ड्रेनेज बेसिन मैनेजमेंट, वॉटर क्वॉलिटी मैनेजमेंट, हाइड्रोइंफॉर्मेटिक्स जैसे विषयों की पढ़ाई करनी होती है। हिमस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में तेजी से मांग बढ़ रही है।

माइक्रो-बायोलॉजीः माइक्रो-बायोलॉजी की फील्ड में एंट्री के लिए बीएससी इन लाइफ साइंस या बीएससी इन माइक्रो-बायोलॉजी कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद मास्टर डिग्री और पीएचडी भी का ऑप्शन भी है। इसके अलावा पैरामेडिकल, मरीन बायोलॉजी, बिहेवियरल साइंस, फिशरीज साइंस जैसे कई फील्ड्स हैं, जिनमें साइंस में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स अच्छा करियर बना सकते हैं।

धोनी से सीखा कठिन हालातों में शांत बने रहना : रिंकू

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम की बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 में मिली जीत में अहम भूमिका निभाने रिंकू सिंह ने कहा है कि इस प्रकार के हालात में खेलना उन्होंने पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को देखकर सीखा है। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में दबाव के हालातों में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले रिंकू और नितीश रेड्डी ने शतकीय साझेदारी बनायी। इस दौरान रिंकू ने अपने टी20 करियर का तीसर अर्धशतक लगाया। रिंकू ने कहा कि मैं कठिन हालातों में शांत रहने का प्रयास करता हूं यह मेरे लिए स्वाभाविक है क्योंकि मैं लंबे समय से इस स्थान पर खेल रहा हूं। मैं उसी हिसाब से अभ्यास भी करता हूं

इसके अलावा मैंने धोनी से भी इस बारे में काफी बात की है जिससे भी मुझे सहायता मिली। उन्होंने कहा कि जब भी आप 3 से 4 विकेट खो देते हैं तो आपको आत्मविश्वास की जरूरत होती है। वहीं, नीतीश

कुमार के साथ साझेदारी पर उन्होंने कहा कि हम सिर्फ साझेदारी बनाना चाहते थे क्योंकि विकेट थोड़ा धीमा था। हमारी सोच थी कि स्ट्राइक रोटेट करें और खराब गेंदों पर शॉट लगायें। वहीं, प्लेयर ऑफ द मैच नितीश रेड्डी ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करके बहुत अच्छा लग रहा है, इस पल पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। हर चीज के लिए आभारी हूं। मुझे कप्तान और कोच को श्रेय देना चाहिए। उन्होंने मुझे निडर क्रिकेट खेलने को कहा।

कोच और कप्तान ने तेजी से खेलने को कहा था

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में तेजी से अर्धशतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले रिंकू सिंह ने कहा है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें खुलकर खेलने को कहा था। रिंकू के अनुसार कोच और कप्तान ने खिलाड़ियों से मैदान पर अपने अनुसार खेलने को कहा था। साथ ही कहा था कि वे निडर होकर शॉट लगायें। रिंकू ने इस मैच में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों पर 53 रन बना दिये। इस दौरान रिंकू की नीतीश रेड्डी 74 के साथ 49 गेंदों पर 108 रनों की शानदार साझेदारी हुई। इससे भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रही। भारत की इस सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त को लेकर रिंकू ने कहा, कोच और कप्तान ने हमें अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए कहा था। हमें आक्रामक रुख अपनाने की पूरी आजादी दी गयी थी। रिंकू ने कहा, कोच ने हमें खुद पर भरोसा करने और अपना खेल खेलने के लिए कहा था। उन्होंने हमें गेंद को हिट करने की पूरी आजादी दी थी।

रिंकू को इस मैच में तब बल्लेबाजी के लिए भेजा गया , जब भारतीय टीम ने पावरप्ले के अंदर ही 41 रन पर तीन विकेट खो दिये थे। इस बल्लेबाज ने कहा, मैं जिस स्थान पर खेलता हूं, वहां मुझे खेल के अलग-अलग मोड़ पर बल्लेबाजी करनी पड़ती है। जब भी मैं पहले बल्लेबाजी करने आता हूं, तो मेरा लक्ष्य एक और दो रन लेकर खराब गेंदों पर हमला करना होता है। वहीं जब मैं 2 से 3 ओवर बचे होने पर बल्लेबाजी करने आता हूं, तो मेरा लक्ष्य अधिक से अधिक बाउंड्री लगाने का होता है।

मुझे निडर होकर खेलने कहा गया था : नितीश रेड्डी

नितीश रेड्डी की आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने दूसरे टी20 मुकाबले में बांग्लादेश को आसानी से हरा दिया। इस प्रकार भारतीय टीम ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में युवा बल्लेबाज नितीश ने जमकर छक्के लगाये और 74 रन की अहम पारी खेली। नितीश ने कहा कि उससे निडर होकर खेलने का कहा गया था और उसने वही किया। साथ ही कहा कि टीम की जीत में योगदान देकर वह बेहद खुश है। नितीश ने मैच के बाद कहा, ''भारत का प्रतिनिधित्व करके बहुत अच्छा लगता है. इस पल पर बहुत गर्व महसूस होता है! हर चीज के लिए आभारी हूं! मुझे कप्तान और कोच को श्रेय देना चाहिए। उन्होंने मुझे निडर क्रिकेट खेलने की आजादी दी।''

नितीश ने 34 गेंद में ही 74 रन बना दिये। इस प्रकार भारतीय टीम ने नौ विकेट पर 221 रन बनाये। इसके बाद नितीश ने गेंदबाजी के दौरान 23 रन देकर दो विकेट लिए और बांग्लादेश को 9 विकेट पर 135 रनों पर ही रोक दिया।

इस मैच में भारत की शुरुआत खराब रही और टीम ने पावरप्ले के अंदर ही 41 रन पर तीन विकेट खो दिए थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव के शुरुआत में आउट होने के बाद मध्यक्रम ने पारी संभाली। रिंकू सिंह (53) और नितीश के बीच चौथे विकेट के लिए 108 रनों की साझेदारी हुई जिससे टीम को जीत दर्ज करने में आसानी हुई।

पीसीबी में युवा क्रिकेट निदेशक बन सकते हैं अजहर अली

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान अजहर अली क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में युवा विकास कार्यक्रम के निदेशक बनाये जा सकते हैं। पीसीबी ने युवा क्रिकेट निदेशक के पद के लिए विज्ञापन दिया जिसमें उन्होंने इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन मांगा है। इसमें शर्त है कि उम्मीदवारों ने अपने देश की ओर से कम से कम 50 टेस्ट मैच खेले हों। ऐसे में अजहर इस पद की दौड़ में सबसे आगे हैं क्योंकि उन्होंने जूनियर स्तर के खिलाड़ियों के साथ

काम करने और व्यवस्था को बेहतर बनाने में अपनी रुचि भी व्यक्त की है। इसके अलावा एक अन्य पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ भी इस पद के लिए दावेदार हैं। हाल ही में उन्होंने राष्ट्रीय चयनकर्ता के पद से इस्तीफा दिया है।

पीसीबी ने यह तस करने के लिए नया पद बनाया है कि नियुक्त उम्मीदवार क्षेत्रीय कोच, अकादमियों और खिलाड़ियों के साथ अंडर-13 से अंडर-19 स्तर पर बेहतर तरीके से समन्वय स्थापित कर सके। उन्हें नई प्रतिभाओं की खोज करने और उन्हें सही प्रणाली के माध्यम से तैयार करने का भी काम दिया जाएगा। इसके अलावा इस पद पर बैठे व्यक्ति की जिम्मेदारी विभिन्न आयु वर्ग के टूर्नामेंटों में आयु सत्यापन करने रहेंगा जिससे धोखाधड़ी की संभावना न रहे। इसके साथ ही राजनीतिक हस्तक्षेप को भी रोकना होगा।

अस्थान मे जापान की हरिमोटो मिवा आईटीटीएफ एशियन टेबिल टेनिस में रिटर्न शॉट लगाती हुई।

इंग्लैंड ने एक ही दिन में 396 रन बनाकर पाक पर शिकंजा कसा

मुल्तान (ईएमएस)। इंग्लैंड ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए एक ही दिन में 396 रन बना डाले। इससे पहले पाक टीम ने अपनी पहली पारी में 556 रन बनाये थे। इंग्लैंड की टीम ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए पाक गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। अब मुल्तान टेस्ट में बाजी पलट गयी है और पाकिस्तान पर 550 रन से ज्यादा बनाकर भी हार का खतरा मंडरा रहा है। इस मैच में पाक की ओर से कप्तान शान मसूद, अब्दुल्ला शफीक और सलमान आगा ने शतक बनाए पर इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने भी पलटवार करते हुए दो शतक ठोक दिये।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के 556 रन के जवाब में तीन विकेट पर 492 रन बना लिए हैं। उसने ये रन सिर्फ 101 ओवर में बनाए हैं। इस प्रकार इंग्लैंड का रनरेट 5 के करीब है, जो टेस्ट क्रिकेट में काफी अच्छा माना जाता है। अभी क्रीज पर जो बल्लेबाज हैं उन दोनो ने ही शतक लगाये हैं। जो रूट 176 और हैरी ब्रूक 141 रन बनाकर खेल रहे हैं। ऐसे में अगर इंग्लैंड एक सत्र में भी अच्छी बल्लेबाजी करता है तो पाक टीम पर दबाव आ जाएगा।

इंग्लैंड ने तीसरे दिन 396 रन बनाए। यह तीसरी बार है जब किसी टीम ने पाक में एक दिन में 390 रन से ज्यादा बना दिये हों। पहले नंबर पर इंग्लैंड ही है, जब उसने 2022 में एक ही दिन में 506 रन बनाए थे. श्रीलंका भी 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ एक दिन में 406 रन बना चुका है।

चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल लाहौर से स्थानांतरित होने की रिपोर्ट गलत : पीसीबी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल किसी भी हाल में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। पीसीबी ने कहा कि फाइनल तय कार्यक्रम के अनुसार लाहौर में ही होगा। वहीं गत दिवस आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारतीय टीम के कारण फाइनल यूएई में खेला जाएगा। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि अगर भारत फाइनल के लिए क्वालीफाई करता है, तो दोनों देशों के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव के कारण मुकाबले को दुबई में रखा जा सकता है।

रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि फाइनल के अलावा, सेमीफाइनल को भी स्थानांतरित किया जा सकता है। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से जुलाई 2008 के बाद से ही पाक का दौरा नहीं किया है। दोनो ही देशों के बीच राजनीतिक संबंध भी तनावपूर्ण हैं। ऐसे में सरकार टीम को पाक भेजने का खतरा मौल नहीं ले सकती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भारतीय बोर्ड अपने मैच स्थानांतरित करने को कह सकता है।

वहीं पीसीबी का मानना है कि ऐसा नहीं होगा। पाक बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी की पूरी मेजबानी अपने यहां करने की पुष्टि करते हुए कहा, दोनो सरकारों के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव के बावजूद, पीसीबी एक सफल और निर्बाध टूर्नामेंट सुनिश्चित करने के अपने रुख पर कायम है। पीसीबी के प्रवक्ता ने कहा, ऐसी रिपोर्ट में कोई सच्चाई नहीं है, जिसमें कहा गया है कि चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल पाक से बाहर आयोजित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं कि टूर्नामेंट की सभी तैयारियां सही हों और हमें पूरा भरोसा है कि एक यादगार आयोजन की मेजबानी करने में हम सक्षम रहेंगे। इस समय तक आयोजन स्थल में किसी भी बदलाव के बारे में आईसीसी की ओर से हमारे पास कोई जानकारी नहीं आई है।

शाकिब ने माफी मांगी, स्वदेश में अपना अंतिम टेस्ट खेलने की इच्छा जतायी

दुबई (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने देश में आरक्षण के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान कोई प्रतिक्रिय व्यक्त नहीं करने के लिए माफी मांगी है। ऐसे में माना जा रहा है कि शाकिब स्वदेश लौटकर जिससे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेल सकते हैं। शाकिब 21 अक्टूबर से मीरपुर में होने वाले इस टेस्ट के बाद इस प्रारूप से संन्यास ले लेंगे। इस मैच के बाद उकने अमेरिका जाने की संभावना है क्योंकि उनका परिवार वहीं रहता है। शाकिब ने फेसबुक पर लिखा, 'मैं उन सभी छात्रों को श्रृद्धांजलि देता हूं जिनकी आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान मौत हुई या जो घायल हुए। बांग्लादेश में शाकिब पर हत्या का एक मामला भी दर्ज हुआ है और उनकी गिरफ्तारी की भी आशंका है। शाकिब ने कहा, 'प्रियजनों को खोने की कमी की कोई भरपाई नहीं कर सकता। बच्चे या भाई को खोने की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। इस नाजुक दौर में मेरी खामोशी से आहत हुए लोगों से मैं माफी चाहता हूं। शेख हसीना सरकार में संसद सदस्य रहे शाकिब ने कहा, 'मैं आपकी जगह होता तो मैं भी दुखी होता। शाकिब ने अपना अंतिम टेस्ट बांग्लादेश में खेलने की इच्छा जताई है पर कहा है कि उन्हें वर्तमान सरकार पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराए। भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद वह यूएई चले गए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप के बाद इस प्रारूप को अलविदा कह दिया था। उन पर प्रदर्शनों के दौरान एक छात्र की हत्या का आरोप है जबकि शाकिब उस समय कनाडा में एक टी20 लीग खेल रहे थे। वहीं बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष फारूक अहमद ने शाकिब के अनुरोध को खारिज करते हुए कहा था कि बीसीबी कोई सुरक्षा एजेंसी नहीं है और उन्हें सुरक्षा कवर की गारंटी नहीं दे सकती।

विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ कैच छोड़ना भारी पड़ा : तस्कीन

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। तस्कीन ने कहा कि हमने इस मैच में जो कैच छोड़े वे हमें भारी पड़ गये। साथ ही कहा कि कैच छोड़ना हमेशा नुकसानदेह होता है वो भी जब विश्वकप की सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ छोड़ा जाये तो हार से बचना संभव नहीं होता। उनकी टीम ने इस मैच में सबसे अधिक रन बनाने वाले नितीश रेड्डी के कैच छोड़े थे।

इस इस तेज गेंदबाज का मानना है कि भारतीय टीम किसी भी प्रकार के हालातों में आक्रामक बल्लेबाजी कर सकती है। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी की अपनी कमजोरियों के कारण हमें हार का सामना करना पड़ा है। बांग्लादेश को अब तक हुए दोनो ही टी20 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। तस्कीन ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं, न केवल अपने घरेलू हालात में बल्कि विदेशी धरती पर भी। उनके पास हमसे अधिक अनुभवी और बेहतर खिलाड़ी हैं।

उनकी टीम ने पावरप्ले के अंदर शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों को आउट कर मैच में दबाव बनाने का प्रयास किया था पर भारत के नितीश रेड्डी और रिंकू सिंह की जोड़ी ने अपनी बल्लेबाजी से मैच पलट दिया। तस्कीन ने कहा, पावरप्ले में हमने अच्छा प्रदर्शन किया पर अंत में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की जिससे मैच हमारे हाथ से निकल गया। आम तौर पर, हमारे पास इस तरह के खराब दिन नहीं होते, लेकिन टी20 में किसी भी दिन कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा, ओस के कारण स्पिनर अच्छा प्रदर्शन नहीं पाए। हम 11वें या 12वें ओवर तक खेल में थे और इस विकेट पर, अगर हमने उन्हें 180 रन से कम पर रोक दिया होता, तो यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। वहीं कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने पहले स्वीकार किया था कि उनकी टीम लगातार 180 या उससे अधिक रन बनाने के लिए संघर्ष करती है और तस्किन का मानना है कि यह चल रही कठिनाई घरेलू स्तर पर गुणवत्ता वाली पिचों पर उनके अनुभव की कमी से आई है। उन्होंने कहा, वे नियमित रूप से 180 से 200 रन बनाते हैं। हमारे लिए घरेलू मैदान पर 130-40 है। हमें बड़े स्कोर आदत नहीं है और यही वास्तविकता है।

एचआईएल से नई प्रतिभाएं सामने आयेंगी: सलिमा टेटे

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने एक बार फिर से हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की शुरुआत पर खुशी जतायी है। सलीमा ने कहा कि इस लीग से युवा खिलाड़ियों को तराशने में सहायता मिलेगी। इससे टीम के पास बैकअप के तौर पर कई अच्छी खिलाड़ी उपलब्ध होंगी। इस साल के अंत में शुरू होने वाली इस बहुप्रतीक्षित लीग की सात साल बाद वापसी हो रही है। हॉकी इंडिया ने एचआईएल में महिलाओं की अलग स्पर्धा पहली बार आयोजित करना तय किया है। ये पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी। यह लीग 28 दिसंबर से एक फरवरी तक दो आयोजन स्थलों रांची और राउरकेला में खेली जाएगी। पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ तो महिलाओं की प्रतियोगिता में छह टीमें भाग लेंगी।

सलीमा ने कहा, 'मैं एचआईएल की शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हूं,

यह सात साल बाद दोबारा शुरू हो रहा है और इस बार इसमें महिला लीग भी है। पूरी टीम पिछले कुछ दिनों से इस बात पर बात कर रही थी। इसमें हमें अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों से मिलने, उनके साथ खेलने का अवसर मिलेगा। इससे हम अपने प्रदर्शन में सुधार ला सकेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, 'इससे युवा खिलाड़ियों को खेल को बेहतर समझने का मौका मिलेगा। करियर की शुरुआत में ही दबाव वाले पेशेवर माहौल में खेलने से उन्हें बेहतर अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि एचआईएल टीम से बाहर रहने वाले खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी पेश करने का अवसर देगा।

इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक होगी। इसमें सभी फ्रैंचाइजी को 24 खिलाड़ियों वाली टीम बनानी होगी जिसमें कम से कम 16 भारतीय चार जूनियर खिलाड़ी रखना अनिवार्य रहेगा।

क्रिकेट जगत ने दी रतन टाटा को श्रद्धांजलि, बोले देश ने एक महान रत्न खो दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में शामिल टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा को क्रिकेट जगत ने भी श्रद्धांजलि दी है। रतन टाटा का बुधवार रात को 86 साल की उम्र में निधन हो गया था। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांसें ली। उनके निधन से देश भर में शोक की लहर है। भारतीय क्रिकेटरों ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग

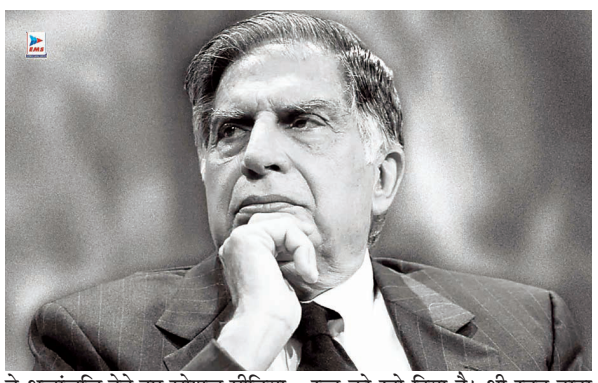

ने श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, हमने देश के एक सच्चे रत्न को खो दिया है। श्री रतन टाटा जी। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है। आप हमेशा हमारे दिल में रहेंगे। ओम शांति।

वहीं पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, भारत ने आज एक सच्चे आइकन को खो दिया। रतन टाटा सर के दूरदर्शी नेतृत्व, उनकी करुणा और परोपकार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश और दुनिया पर एक अलग छाप छोड़ी है। उनकी विरासत हम सभी को प्रेरणा देती रहेगी। ओम शांति।

वहीं हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, सतनाम वाहेगुरु, रतन टाटा जी आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक के रूप में हमेशा हमारे दिलों में बने रहेंगे। उनके नेतृत्व, विनम्रता और नैतिकता और मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने एक ऐसा मानदंड स्थापित किया जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उनकी विरासत को हमेशा याद किया जाएगा, न केवल उनके द्वारा बनाई गई कंपनियों के लिए, बल्कि उन अनगिनत जिंदगियों के लिए भी, जिन्हें उन्होंने अपनी करुणा और उदारता से छुआ। ईश्वर उनकी आत्म को शांति दे।

वहीं सूर्यकुमार यादव ने कहा, दयालुता का प्रतीक, सबसे प्रेरणादायक, एक आदमी का चमत्कार। सर, आपने बहुत सारे दिलों को छू लिया है। आपका जीवन राष्ट्र के लिए वरदान रहा है। आपकी अंतहीन और बिना शर्त सेवा के लिए धन्यवाद। आपकी विरासत जीवित रहेगी। इसके अलावा कई अन्य क्रिकेटरों और क्रिकेट जगत से जुड़े लोगों ने भी रतन टाटा को याद किया है।

महिला टी20 विश्वकप : भारतीय टीम ने श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल के लिए दावेदारी की

शारजाह (ईएमएस)। भारतीय टीम ने टी20 महिला विश्व कप में श्रीलंका को हराकर अपना दूसरा मैच जीता है। इसी के साथ ही भारतीय टीम के सेमीफाइनल में प्रवेश की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। भारतीय टीम ने इस मैच में तीसरे मैच में शानदार खेल दिखाते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 172 रन बनाए।कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तेजी से 52 रन की पारी खेली। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.5 ओवर में 90 रन ही बना पायी। इस प्रकार भारतीय टीम ने ये मैच 82 रनों से जीत लिया। इस जीत के बाद भारतीय टीम अंक तालिका में ग्रुप ए में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है।

भारती टीम को पहले मैच में न्यूजीलैंड से हार मिली थी पर इसके बाद उसने पाकिस्तान और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की कर ली है। अब भारत को सेमीफाइनल के लिए एक मैच और जीतना है।

भारतीय टीम एक समय पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 102 रन पर आउट होने के कारण से ग्रुप ए की अंक तालिका में नीचे पहुंच गई थी पर लगातार दो जीत उसमें भी श्रीलंका पर बड़ी जीत के बाद अब भारतीय टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर भी पहुंच गया है। वहीं पाकिस्तान तीसरे जबकि न्यूजीलैंड तीसरे नंबर पर है। लगातार हार के बाद श्रीलंका सबसे नीचे है। भारतीय टीम ने इस आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा स्कोर बना डाला. श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर की तूफानी 27 बॉल पर खेली 52 रन की पारी के दम पर भारत ने 9 विकेट पर 172 रन बनाया. साउथ अफ्रीका ने स्कॉटलैंड के खिलाफ दुबई में 5 विकेट पर 166 रन बनाए थे. श्रीलंका को भारत ने 90 रन पर ऑलआउट कर 82 रन से जीत दर्ज की. यह टी20 इंटरनेशनल में इस टीम के खिलाफ भारत की रन के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है.

हैदराबाद में खेला जाएगा भारत- बांग्लादेश तीसरा टी20

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और बांग्लादेश के बीच तीसरा टी20 मुकाबला 12 अक्टूबर को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 2-0 से आगे है और वह इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने ग्वालियार और दिल्ली में हुए दोनो मुकाबले जीते हैं। तीसरे मैच के लिए दर्शकों में जबरदस्त आकर्षण है। ऐसे में टिकटों की खासी मांग है पर जिन्हें टिकट नहीं मिले वे निराश नहीं हों। तीसरे टी20 की लाइव स्ट्रीमिंग भी होगी। इसके अलावा प्रशंसक इस मैच को ओटीटी में भी देख सकते हैं। ये मैच शाम 7 बजे से शुरु होगा

टीम इस प्रकार है : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और मयंक यादव।

भारतीय अंडर-19 टीम ने दूसरे यूथ टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलिया को हराया

चेन्नई (ईएमएस)। हरवंश पांगलिया और अनमोलजीत सिंह के शानदार प्रदर्शन से भारतीय अंडर-19 टीम ने दूसरे यूथ टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलियाई जूनियर टीम को एक पारी और 120 रनों से हरा दिया। . भारतीय टीम की ओर से हरवंश ने 117 रन बनाये जबकि अनमोलजीत ने 9 विकेट लिए। अंडर-19 भारतीय टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा यूथ टेस्ट चेन्नई में खेला गया. भारत ने मैच में पहले बल्लेबाजी की। भारतीय टीम ने हरवंश पांगलिया 117 और नित्या पंड्या 94 की अच्छी पारियों से 492 रन बनाए। कप्तान सोहम पटवर्धन 63, निखिल कुमार 61 ने भी अच्छा योगदान दिया। . भारतीय गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 टीम को पहली पारी में 277 रन पर ही रोक दिया। इसके बाद फॉलोआन खेलते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 95 रन पर ही आउट हो गयी। इस तरह भारतीय टीम ने ये मैच एक पारी व 120 रन से जीत लिया। भारतीय टीम की ओर से ऑफ स्पिनर अनमोलजीत सिंह ने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 5 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को रहना होगा सावधान : लारा

जमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने कहा है कि भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौर में सतर्क रहना होगा। लारा के अनुसार मेजबान टीम अपनी पिचों पर बेहद खतरनाक बन जाती है। भारतीय टीम आने वाले दिनों में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। यह सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू हो जाएगी। पिछले कुछ साल में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली चार सीरीज लगातार जीती हैं, जिसमें 2018-19 और 2020-21 सीज़न में ऑस्ट्रेलिया में दो जीत शामिल हैं। भारत ने 10 बार ये सिरीज जीत है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल पांच बार ही इसे जीत पायी है। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम बार घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ 2014-15 सत्र में जबकि भारत में अंतिम सीरीज जीत 2004-05 में जीती थी।

लारा ने कहा कि भारत में हालात बदल गये हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की भी प्रशंसा की है। आईपीएल के साथ, भारत के पास अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आ रहे हैं। इसमें आप अपने खिलाड़ियों को एक अलग स्तर की प्रतिस्पर्धा में खेलने का अवसर दे रहे हैं, जो बहुत अच्छा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके तटों पर खेलना आसान नहीं है। वह अपने घर पर एक अलग प्रकार की टीम है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रूट और स्टोक्स को शामिल करें : मोर्गन

मुंबई (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन का मानना है कि इंग्लैंड को अगले साल पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जो रूट और ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को शामिल करना चाहिये। रूट और स्टोक्स ने साल 2023 में भारत में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के बाद से ही एकदिवसीय प्रारुप में नहीं खेला है। ये दोनों खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी तीन मैचों की सीरीज में भी नहीं खेल पायेंगे।

स्टोक्स चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में हुई एकदिवसीय सीरीज में भी नहीं खेल पाये थे। तब उनकी टीम 3-2 से हार गई थी। वहीं दूसरी ओर रुट को श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बीच आराम दिया गया था। मॉर्गन ने कहा, मैं युवा खिलाड़ियों का समर्थन करके खुश हूं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया पर जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, बेन स्टोक्स और जो रूट के बिना टीम पूरी नहीं हो सकती।

साथ ही कहा कहा, स्टोक्स पहले ही कह चुके हैं कि उन्हें अभी तक बाज से कोच से खेलने को लेकर कोई संदेश नहीं मिला है। अगर संदेश मिलता है तो वह पक्के तौर पर खेलना चाहेंगे। मेरा मानना है कि उनके उतरने से हमारी जीत की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। युवा खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीरीज में खेल रहे हैं और फिर फरवरी में यहां भारत से खेलेंगे। ऐसे में आपके सामने अवसर है। जब बड़े नाम वापस आ जाएंगे तो यह अवसर जल्दी ही खत्म हो सकता है।

उद्योग जगत में छाया मातम, फिक्की ने कहा- रतन टाटा ने उद्यमियों की कई पीढ़ियों को किया प्रेरित

उद्योग मंडल फिक्की ने उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर बृहस्पतिवार को शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक ऐसा आदर्श बताया, जिन्होंने नैतिक पूंजीवाद के अपने दृष्टिकोण से उद्यमियों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। फिक्की के अध्यक्ष अनीश शाह ने कहा, फिक्की रतन टाटा को न केवल एक सफल व्यवसायी के रूप में, बल्कि एक आदर्श व्यक्ति के रूप में भी याद करता है, जिन्होंने ईमानदारी, विनम्रता तथा सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों को अपनाया। इसी तरह भारतीय वाणिज्य एंव उद्योग मंडल (एसोचैम) ने रतन टाटा को एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बताया, जिनका प्रभाव भारतीय उद्योग जगत से परे फैला है।

एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा, टाटा ने न केवल विविधतापूर्ण टाटा समूह को दुनिया के कई देशों में पहुंचाया, बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी, मोटर वाहन, इस्पात तथा आतिथ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में

वैश्विक परिदृश्य पर भारत की ब्रांड इक्विटी में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा, उनका जीवन भारत के उद्यमियों के लिए वैश्विक स्तर पर सोचने और आगे बढ़ने, बेदाग प्रतिष्ठा तथा कॉर्पोरेट प्रशासन के उच्च मानक को बनाए रखने के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन नवल टाटा ने बुधवार रात साढ़े 11 बजे दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह 86 वर्ष के थे।

बचपन में माता-पिता अलग हुए, दादी ने परवरिश की; बारिश में भीगते परिवार को देखकर सबसे सस्ती कार बनाई

मुंबईः भारत के सबसे पुराने कारोबारी समूह के मुखिया रतन टाटा का निधन हो गया है। वे टाटा संस के मानद चेयरमैन थे। उन्होंने 86 साल की उम्र में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आखिरी सांस ली। उन्हें बुधवार को ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 7 अक्टूबर को भी उनके अस्पताल जाने की खबर आई थी, लेकिन उन्होंने पोस्ट करके कहा था कि वे ठीक हैं और चिंता की कोई बात नहीं है। पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित रतन टाटा की अगुआई में ही टाटा ग्रुप ने देश की सबसे सस्ती कार लॉन्च की, तो हाल ही में कर्ज में फंसी एआर इंडिया को 18 हजार करोड़ की कैश डील में खरीदा था। बिजनेस में बेहद कामयाब रतन टाटा निजी जिंदगी में बेहद सादगी पसंद थे और मुंबई में अपने छोटे से फ्लैट में रहते थे।

माता-पिता बचपन में अलग हुए, दादी ने परवरिश की

- 28 दिसंबर 1937 को नवल और सूनू टाटा के घर जन्मे रतन टाटा ग्रुप के फाउंडर जमशेदजी टाटा के परपोते थे। उनका परिवार पारसी धर्म से है। उनके माता पिता बचपन में ही अलग हो गए थे और दादी ने उनकी परवरिश की थी। 1991 में उन्हें टाटा ग्रुप का चेयरमैन बनाया गया था।
- रतन टाटा की चार बार शादी होते-होते रह गई। टाटा बताते हैं कि एक बार तो शादी हो ही गई होती, जब वो अमेरिका में थे। उसी समय उनकी दादी ने उन्हें फोन करके बुला लिया। उस समय भारत-चीन युद्ध छिड़ जाने की वजह से वे अमेरिका वापस नहीं जा सके। कुछ समय बाद उस लड़की ने किसी और से शादी कर ली।

21 साल चेयरमैन रहे, टाटा ग्रुप का मुनाफा 50 गुना बढ़ा

- 1962 में फैमिली बिजनेस जॉइन किया था। शुरुआत में उन्होंने टाटा स्टील के शॉप फ्लोर पर काम किया। इसके बाद वे मैनेजमेंट पोजीशन्स पर लगातार आगे बढ़े। 1991 में, जे.आर.डी. टाटा ने पद छोड़ दिया और ग्रुप की कमान रतन टाटा को मिली।
- 2012 में 75 वर्ष के होने पर, टाटा ने एग्जीक्यूटिव फंक्शन छोड़ दिए। उनके 21 वर्षों के दौरान, टाटा ग्रुप का मुनाफा 50 गुना बढ़ गया। इसमें अधिकांश रेवेन्यू जगुआर-लैंडरोवर व्हीकल्स और टेटली जैसे पॉपुलर टाटा उत्पादों की विदेशों में बिक्री से आया।
- चेयरमैन का पद छोड़ने के बाद उन्होंने 44 साल के साइरस मिस्त्री को उत्तराधिकारी नियुक्त किया। उनका परिवार ग्रुप में सबसे बड़ा इंडिविजुअल शेयरहोल्डर था। हालांकि, अगले कुछ वर्षों में, मिस्त्री और टाटा के बीच तनाव बढ़ गया।

लॉफिंग ज़ोन

एक सहेली दूसरी से मिलने गई। वहां उसका मुन्ना खेल रहा था। वह मुन्ने को देख कर बोली, 'वाह, मुन्ने ने तो तुम्हारी ही आँख पाई है नाक अपने पापा जैसी पाई हैं।'

बड़ा मुन्ना पास ही खेल रहा था। वह झट बोला, 'और कमीज इसने मेरी पाई हैं।'

□ □ □

एक समाज सेवक ने अपने कवि मित्र से अपने एक अन्य मित्र का परिचय कराया, 'इनसे मिलिए, यह मेरे मित्र हैं और अंडों का कारोबार करते हैं।'

'बेचने का या फैंकने का?' कवि ने पूछा।

□ □ □

अजनबी ने सिपाही से पूछा, 'जनाब यहां जगह-जगह यह क्यों लिखा हैं कि गाड़ी आहिस्ता चलाए।'

सिपाही, 'इसलिए कि यहां दूर-दूर तक कोई अस्पताल नहीं हैं।'

□ □ □

सड़क पर धूमधाम से बरात चली जा रही थी। घोड़े पर बैठे दूल्हे के मुंह पर पट्टी बंधी थी। यह देखकर एक राहगीर ने एक बाराती से पूछा – 'भैया, दूल्हे के मुंह पर पट्टी क्यों।' बाराती ने मुस्कुराते हुए बताया – 'भाई साहब, दूल्हा मुहल्ले का नेता है। उसे भीड़ देखकर भाषण देने की बीमारी है।'

□ □ □

देश में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंची

▪ दूरसंचार कंपनियों को हर ग्राहक से 8 फीसदी अधिक कमाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में देश में इंटरनेट ग्राहकों की संख्या तिमाही आधार पर 1.59 फीसदी बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंच गई। जनवरी-मार्च तिमाही में देश में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे। कुल 96.96 करोड़ ग्राहकों में 4.20 करोड़ लोग वायर के जरिये इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जबकि वायरलेस इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 92.75 करोड़ पहुंच गई है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से इंडिया टेलीकॉम सर्विसेज परफॉर्मेंस इंडिकेटर रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान मोबाइल सेवाओं के लिए हर ग्राहक से दूरसंचार कंपनियों को होने वाली कमाई सालाना आधार पर 8.11 फीसदी बढ़कर 157.45 रुपये पहुंच गई है। मासिक आधार पर इन कंपनियों का प्रति उपयोगकर्ता औसत मासिक राजस्व (एआरपीयू) जनवरी-मार्च तिमाही के 153.54 रुपये की तुलना में 2.55 फीसदी बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बढ़कर 70,555 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें तिमाही आधार पर 0.13 फीसदी और सालाना आधार पर 7.51 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ब्रॉडबैंड के जरिये इंटरनेट चलाने वालों की संख्या अप्रैल-जून तिमाही में 1.81 फीसदी बढ़कर 94.07 करोड़ पहुंच गई। जनवरी-मार्च तिमाही में इनकी संख्या 92.40 करोड़ थी। हालांकि, नैरोबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 3.03 करोड़ से घटकर 2.88 करोड़ रह गई। देश में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 120.56 करोड़ हो गई। इसमें जनवरी-मार्च की तुलना में 0.53 फीसदी और सालाना आधार पर 2.70 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शहरी इलाकों में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 66.53 करोड़ से बढ़कर 66.71 करोड़ पहुंच गई। ग्रामीण इलाकों में भी यह संख्या 53.85 करोड़ है, जो तिमाही आधार पर अधिक है। देश में वायरलेस ग्राहकों की संख्या 50.4 लाख बढ़कर अप्रैल-जून में 117.05 करोड़ पहुंच गई है।

मासिक आधार पर संख्या 0.43 फीसदी और सालाना आधार पर 2.36 फीसदी बढ़ी है। इस दौरान वायरलाइन ग्राहकों की संख्या मासिक आधार पर 3.90 फीसदी और सालाना आधार पर 15.81 फीसदी बढ़कर 3.51 करोड़ पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक देश में कुल दूरसंचार घनत्व तिमाही आधार पर 85.69 फीसदी से बढ़कर 85.95 फीसदी पहुंच गया। ग्रामीण इलाकों में यह 59.19 फीसदी से बढ़कर 59.65 फीसदी पहुंच गया, जबकि शहरी दूरसंचार घनत्व 133.72 फीसदी से घटकर 133.46 फीसदी रह गया।

अनिल अग्रवाल की वेदांता पर 92 करोड़ का जुर्माना, 10 करोड़ का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल

मुंबई (ईएमएस)। अनिल अग्रवाल की वेदांता लिमिटेड पर भारी जुर्माना लगाया गया है, जिसमें 92.04 करोड़ रुपये का टैक्स जुर्माना और 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त जुर्माना शामिल है। इसके साथ ही, कंपनी को कस्टम ड्यूटी और उस पर लगने वाले ब्याज का भी भुगतान करना होगा। यह जानकारी कंपनी ने शेयर बाजार को दी। यह जुर्माना तब लगाया गया है जब अनिल अग्रवाल ने हाल ही में सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत की आयरन ओर इंडस्ट्री संकट में है। उनका कहना था कि ऊंचे नीलामी प्रीमियम, सीमित ऑफर और खदानों के धीमे संचालन के कारण यह स्थिति बनी है। सरकार ने उनके आरोपों को भ्रामक और गलत बताया था। जुर्माने की कार्रवाई वेदांता द्वारा आयात से पहले की शर्तों के उल्लंघन के कारण हुई है। ये शर्तें एडवांस ऑथराइजेशन के तहत किए गए आयात पर सीमित समय के लिए लागू थीं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि कंपनी को तूतीकोरिन के कस्टम कमिश्नर के दफ्तर से एक आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें 92,03,85,745 रुपये का जुर्माना और 10,00,00,000 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही कस्टम ड्यूटी और उस पर लगने वाला ब्याज भी मांगा गया है। वेदांता ने कहा है कि वह इस आदेश की समीक्षा कर रही है और उचित समय पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। कंपनी का मानना है कि उसके पास मजबूत कानूनी आधार हैं, खासकर हालिया न्यायिक फैसलों के संदर्भ में।

वेदांता का यह कहना है कि इस आदेश का कंपनी की वित्तीय स्थिति, संचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह घटनाक्रम वेदांता के सामने आने वाली नियामक चुनौतियों को और बढ़ा देता है। कंपनी हाल के वर्षों में कई कानूनी और परिचालन संबंधी बाधाओं का सामना कर रही है। वेदांता लिमिटेड एक ग्लोबल प्राकृतिक संसाधन कंपनी है, जो खनिजों और धातुओं की खोज, निकासी और प्रसंस्करण से जुड़ी है।

सेबी ने चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर लगाया 2 लाख का जुर्माना

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने ब्रोकरेज फर्म चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के मुताबिक चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग ने एक्सचेंज को ऑथराइज्ड पर्सन (एपी) से जुड़े क्लाइंट्स की सही जानकारी नहीं दी। बताया गया है कि ब्रोकरेज के ऑथराइज्ड पर्सन और क्लाइंट के बीच तीन मामलों में एपी सर्विसेज के लिए फंड की लेनदेन हुई। इस दौरान एपी टर्मिनल्स का इस्तेमाल अनऑथराइज्ड लोगों द्वारा किया गया।सेबी के आदेश में जांच के परिणामों की जानकारी देते हुए बताया गया है कि ब्रोकरेज फर्म के ऑथराइज्ड पर्सन्स में से एक ने एक्सचेंज को 226 क्लाइंट्स की जानकारी नहीं दी, जबकि दूसरे ने 118 क्लाइंट्स की और तीसरे ने 7 क्लाइंट्स की जानकारी एक्सचेंज को उपलब्ध नहीं कराई।

आज का इतिहास

1733 फ्रांस ने रोम के खिलाफ जंग का ऐलान किया था।
1756 क्लाइव राईस कोलकाता पर पुनः कब्जे के लिए नौ सौ यूरोपीय व पंद्रह सौ भारतीय सैनिकों के साथ रवाना हुए।
1842 दूसरे अफगान युद्ध की समाप्ति पर ब्रिटेन ने जीत का दावा किया।
1859 अर्जेन्टीना में गृहयुद्ध भड़का।
1911 चीन में डॉ. सनयात सेन के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने मंचू वंश का शासन उखाड़ फैंका।
1938 नाजी जर्मनी ने सुदेतनलैंड चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा किया।
1963 इटली में एक बांध टूटने से 18 लोग मारे गए।
1967 क्यूबा के क्रांतिकारी चेग्वेवारा बोलीविया में मारे गए।
1970 दो नकाबपोश व्यक्तियों ने क्यूबेक कनाडा के श्रममंत्री पियरेलापोर्टे का अपहरण कर लिया।
1971 फ्लोरिडा में तूफान से दो सौ से अधिक लोग मारे गए।
1976 थाईलैंड में सैनिक क्रांति के बाद हजारों वामपंथी छात्र बुद्धिजीवी और प्रोफेसर देश छोड़कर भाग गए या भूमिगत हो गए।
1977 सोवियत संघ के दो अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष केंद्र से यान जोड़ने में असफल होने पर धरती पर लौटने को कहा गया।
1980 अल असनान अल्जीरिया में भूकंप से हजारों लोग हताहत हुए।
1988 तमिल उग्रवादियों ने उत्तरी श्रीलंका के एक गांव पर हमलाकर 47 लोगों को मार डाला।
1992 हुगली नदी पर बना दूसरा पुल विद्यासागर सेतु राष्ट्र को समर्पित।
2005 भारतीय प्रेस संस्थान के निदेशक व एडिटर्स गिल्ड के वरिष्ठ सदस्य चंचल सरकार का निधन।

दैनिक पंचांग

11 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

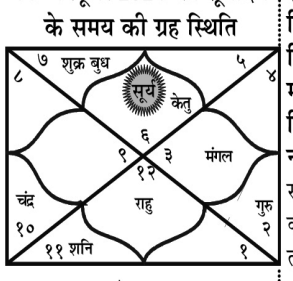

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.25 बजे से
चंद्र	मकर में	वृश्चिक	08.40 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	10.56 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.01 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.48 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.21 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.51 बजे से
राहु	मीन में	वृष	19.31 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	21.29 बजे से
		कर्क	23.43 बजे से
		सिंह	01.59 बजे से
		कन्या	04.11 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2024 वर्ष का 285 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 12.07 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 05.25 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** सुकर्मा 02.46 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 12.07 बजे तदनन्तर बालव 23.39 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 08.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 07° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872129 **जूलियन दिन** 2460594.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उस्सानी**तारीख** 07 **विशेष** सरस्वती बलिदान, दुर्गा अष्टमी, संधि पूजा, महानवमी, अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से 07.23	बजे तक	रोग	05.38	से 07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से 08.51	बजे तक	काल	07.11	से 08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से 10.19	बजे तक	लाभ	08.43	से 10.15	बजे तक
काल	10.19	से 11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15	से 11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से 01.15	बजे तक	शुभ	11.47	से 01.19	बजे तक
रोग	01.15	से 02.43	बजे तक	अमृत	01.19	से 02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से 04.10	बजे तक	चर	02.51	से 04.23	बजे तक
चर	04.10	से 05.38	बजे तक	रोग	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8155

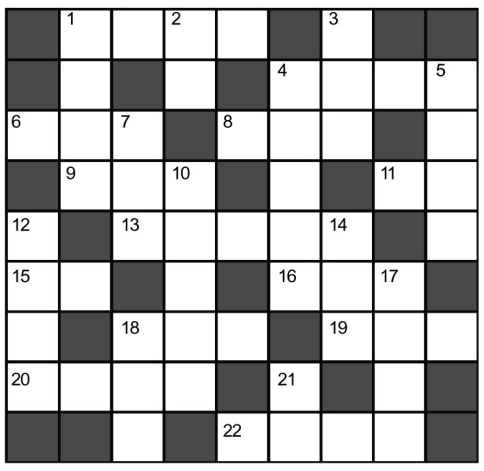

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य, नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ, जिव्हा-3
11. पाश, फंदा, -2
13. नामकरण करना-2, 3
15. मेरा(सं. -2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष, रूम-3
20. भरोसा, विश्वास-4
22. सचेत, होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी, धब्बेवाला-4
2. गीलापन, तर होना-2
3. दुनिया, जगत-3
4. अदा, हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना, गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक, विनाशकारी-3
17. खारा, क्षारीय-4
18. वन, जंगल-3
21. लाश, मुर्दा, मृतक-4

शब्द पहेली -8154 का हल

क	दा	चा	र	■	स	त	ल	ज
ल	■	य	ती	म	खा	ना	■	हा
प	र	■	■	दा	■	■	चा	ल
ना	च	■	क	री	ब	■	ल	त
■	ना	च	ना	■	ला	ल	च	■
आ	का	■	त	ह	त	■	ल	क
रा	र	■	■	सी	■	■	न	या
ध	■	न	वी	न	त	म	■	म
ना	म	व	र	■	क	रा	मा	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7696

	25	17	23	■	29	11	18	17	
14		2			4		2	20	
20	7		8		7		3		23
12		7		■		2		7	19
26	9		7		5	■	■	■	■
■	■	■	■	7		9		3	29
26	8		6		■		6		13
18		2		6		3		7	14
30	8		8				6		18
■	21	15	19	28	■	19	18	22	■

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 7695 का हल

■	25	23	9	■	37	29	17	12	■
18	8	6	4	■	6	8	7	3	24
16	5	6	5	■	4	9	2	7	22
13	5	8	■	7	5	3	8	2	25
29	7	3	4	2	6	7	■	■	■
■	■	■	9	3	7	2	5	7	33
31	2	5	7	8	9	■	2	3	5
26	8	5	6	7	■	3	6	4	13
18	5	2	5	6	■	3	4	7	14
■	15	12	31	33	■	6	17	21	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6640

	7	2		3		1
3	31		23	6	32	
6		4	1		7	5
1	30		33	4	36	
2		7			6	3
	35		35	7	37	
	6	5	3		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6639 का हल

3	6	1	4	7	2	5
6	36	6	29	2	30	1
2	7	5	1	3	4	6
4	33	4	29	4	34	4
1	7	3	4	5	6	2
7	34	2	32	6	36	7
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 6000

60		40		45		32	=	23
	■		■		■		■	
30		6		45		1	=	50
	■		■		■		■	
30		3		70		2	=	40
	■		■		■		■	
15		10		5		5	=	30
=	■	=	■	=	■	=	■	=
15		39		15		35	=	3/4

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5999

79	+	15	-	74	x	2	=	40
-	■	+	■	-	■	x	■	+
40	-	25	+	50	-	25	=	40
+	■	-	■	÷	■	-	■	+
5	x	10	÷	2	+	25	=	50
-	■	+	■	+	■	-	■	-
40	÷	4	+	40	+	20	=	70
=	■	=	■	=	■	=	■	=
4	+	34	+	52	-	5	=	60/85

शब्दजाल- 7687

यु	क	दो	यु	ला	प	र	तू	ग	झ	क	
ज	ग	ल	प	ह	रिं	पू	ना	दि	शा	को	
अं	इ	पु	म	सं	दा	ल	श	र	ला	ल	
क	कु	दा	रु	धा	ब	क	प	रि	श	र	
क	ति	श	न्न	ष	क	र	री	ग	वी	ता	
द	रं	ल	प	व	गा	र्त	ऐ	ती	प	रु	
ती	गा	ल	श	अं	प	म	क्रां	कौ	ला	व	
क	बा	अ	ब	त	क	छ	प्प	न	श	जू	
क	स	थो	तें	व	न	ज	द	शा	जू	द	
द	र	ल	प	ति	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु	
थो	ड़	सा	रु	मा	नी	हो	जा	एं	प	क	

शब्द जाल में नाना पाटेकर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अंकुश, अब तक छप्पन, अंगार, तिरंगा, दिशा, वजूद, क्रांतीवीर, परिंदा, युगपुरुष, थोड़ा सा रुमानी हो जाएं.

शब्दजाल - 7686 का हल

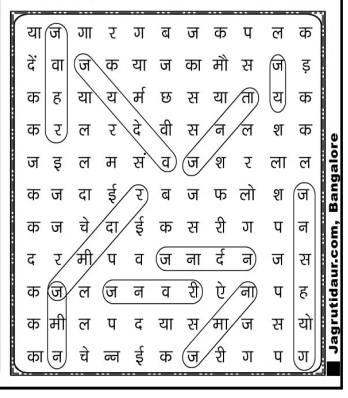

Jagrutidaur.com, Bangalore

पूर्व मुख्यमंत्री सह पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा का रतन टाटा के निधन पर शोक संदेश

जमशेदपुर । भारत के प्रख्यात उद्योगपति, 'पद्म विभूषण' रतन टाटा का निधन अत्यंत दुःखद है। वह एक असाधारण इंसान थे।उनका जाना उद्योग जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका सम्पूर्ण जीवन देश के औद्योगिक और सामाजिक विकास को समर्पित था। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों और प्रशंसकों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें ।

मंत्री बन्ना गुप्ता दुर्गा पंडाल में भ्रमण कर माता का दर्शन किया व भोग ग्रहण की

जमशेदपुर । कदमा उत्कल दुर्गा पूजा,कदमा एलायड दुर्गा पूजा, कदमा न्यू फार्म एरिया दुर्गा पूजा एवं सोनारी में निर्मित पूजा पंडाल में पहुंच कर स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने पूजा अर्चना कर भोग ग्रहण किया.इस अवसर पर उन्होंने अपने संदेश में कहा कि माँ आदिशक्ति की आराधना से सारे कष्टों से मुक्ति मिल जाती हैं । माँ अंबे सबके जीवन में खुशहाली एवं समृद्धि लाए यही मंगलकामना करता हूँ । उन्होंने शहरवासियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि पूरे हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ माता का दर्शन करें और दशहरा पर्व मनाएं।

नेशनल पब्लिक स्कूल में गरबा नृत्य डांडिया कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा): नेशनल पब्लिक स्कूल परसौनी ईटखोरी में गरबा नृत्य (डांडिया नृत्य) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही बच्चों का रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया । सभी बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। बता दें की नेशनल पब्लिक स्कूल आज 14 वर्षों से इस क्षेत्र में शिक्षा का अलग जगह ले रहा है। प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है । समय-समय पर कई प्रकार के प्रतियोगिताएं, लोक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहते हैं। प्रधानाध्यापिका रंजना कुमारी के नेतृत्व में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिया जा रहा। इस मौके पर शिक्षकों में राजकरण पांडेय, मनोज कुमार राणा, सोनू रविदास, रानी सिंह, प्रिया गौतम, रणविजय रंजन, दीपाली कुमारी, माधुरी कुमारी, आशा कुमारी, सुधीर पांडेय, काजल कुमारी समेत यादि ने मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रतन टाटा के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री व ओड़ीसा के राज्यपाल रघुवर दास ने जताया गहरा शोक , कहा देश व राज्य के लिए अपूरणीय क्षति हुई

जमशेदपुर। ओडिशा के राज्यपाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने महान उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। गुरुवार को जमशेदपुर स्थित एग्रिको आवास पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पद्मश्री से सम्मानित रतन टाटा का जाना न केवल जमशेदपुर और टाटा परिवार के लिए, बल्कि राज्य व पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। रतन टाटा ने अपने जीवनकाल में भारतीय उद्योग और समाज सेवा के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। रघुवर दास ने रतन टाटा के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में टाटा संस ने 20 से अधिक वर्षों तक देश के औद्योगिक विकास में एक अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने टाटा घराने की नींव को और मजबूत

किया और इसे वैश्विक स्तर पर ले जाने का काम किया। रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने न केवल औद्योगिक विकास किया बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के लिए भी कई सामाजिक कार्य किए, जिनका असर पूरे देश में देखने को मिला। रतन टाटा का योगदान ऐसा है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। रघुवर दास ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनका सौभाग्य रहा है कि वे स्वयं टाटा कंपनी में एक मजदूर के रूप में काम करते हुए मुख्यमंत्री बने। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में 'मोमेंटम झारखंड' के आयोजन से पहले, जब वे विभिन्न राज्यों में रोड शो कर रहे थे, तब उनकी मुंबई में टाटा समूह के तत्कालीन चेयरमैन स्वर्गीय सायरस मिस्त्री से मुलाकात हुई थी। उसी दौरान उन्होंने रतन टाटा से मिलने की इच्छा जताई, जिसे सायरस मिस्त्री ने पूरा किया। इसके बाद उनकी मुलाकात रतन टाटा से टाटा बोर्ड के ऑफिस में हुई।

झारखंड से रतन टाटा का रहा है गहरा संबंध

रघुवर दास ने कहा किवे रतन टाटा से 'मोमेंटम झारखंड' में भाग लेने का अनुरोध किया था ,जिसे रतन टाटा ने सहर्ष स्वीकार किया और झारखंड आए भी थे। अपने संबोधन में रतन टाटा ने झारखंड की प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि और यहां के भोले-भाले लोगों की मेहनत की प्रशंसा की थी। उसी दौरान रघुवर दास ने उनसे झारखंड में कैंसर अस्पताल की कमी को लेकर बात की और उनसे अनुरोध किया कि वे इस दिशा में पहल करें। जिसपर रतन टाटा ने उनके आग्रह को सहर्ष स्वीकार किया और झारखंड में कैंसर अस्पताल की स्थापना के लिए उन्होंने जमीन उपलब्ध कराने की बात कही थी। इसके बाद 22 एकड़ जमीन मात्र 1 रुपये के प्रतीकात्मक शुल्क पर टाटा समूह को हस्तांतरित की गई, जिसके बाद 10 नवंबर 2018 को रतन टाटा ने स्वयं आकर कैंसर अस्पताल का भूमिपूजन किया। अब वह अस्पताल बनकर तैयार हो चुका है और आज वहां कैंसर के मरीजों का इलाज भी शुरू हो गया है। रघुवर दास ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, "रतन टाटा का इस दुनिया से जाना मेरे लिए एक व्यक्तिगत क्षति है। वे न केवल एक महान उद्योगपति थे बल्कि अपना वादा निभाने वाले सरल और महान व्यक्तित्व के धनी भी थे। उनके साथ मेरा जुड़ाव मेरे जीवन का गौरवपूर्ण हिस्सा सदैव रहेगा। रतन टाटा हमेशा इस बात पर गर्व और प्रसन्नता महसूस करते थे कि टाटा स्टील का एक मजदूर आज झारखंड का मुख्यमंत्री बना है। उनका यह विनम्र स्वभाव और देश के प्रति उनकी सेवा हमेशा याद की जाएगी।" रघुवर दास ने कहा कि पद्मश्री रतन टाटा का नाम भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा और उनके योगदान की गाथा हमेशा देश के विकास की कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहेगी।

भिलाईपहाड़ी दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन मंत्री रामदास सोरेन ने किया

जमशेदपुर । जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत एनएच 33 के किनारे स्थित भिलाईपहाड़ी हाट मैदान में श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल का महाषष्ठी के मौके पर राज्य के जल संसाधन व उच्च शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने फीता काट कर और दीप प्रज्वलित कर किया । इसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में त्रिवेणी अर्थ मूवर्स के मेंटर ए कार्तिकेन, सीसीआई के एमडी हरविंदर सिंह, अटलांटिक आइस के एमडी प्रवीण कुमार , समाजसेवी नीलकमल पांडेय एवम जिला पार्षद प्रभावती दत्ता थे । मौके पर पूजा समिति के महासचिव सह पूर्व जिला पार्षद पिंटू दत्ता ने कहा कि महाषष्ठी से महानवमी तक प्रत्येक रात्रि सांस्कृतिक व धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। साथ ही महासप्तमी से महानवमी तक श्रद्धालुओं के बीच प्रत्येक दिन महाभोग का वितरण भी किया जाएगा। महाषष्ठी के दिन पूजा पंडाल के उद्घाटन के मौके पर 9 अक्टूबर को कोलकाता के कलाकारों द्वारा ऑर्केस्ट्रा का भव्य आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों ने अपने आकर्षक प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया और भरपूर मनोरंजन किया । वहीं 10 अक्टूबर को मेंदनीपुर के कलाकारों द्वारा बाउल संगीत व डांस

धमाका का आयोजन किया जायेगा और 11 अक्टूबर को कोलकाता के कलाकारों द्वारा बांग्ला जात्रा रांगा माटीर राजकुमार का मंचन एवं 12 अक्टूबर को कोलकाता के लोक कलाकारों द्वारा लोक गीतों की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा महासप्तमी से महानवमी तक प्रत्येक शाम 5.30 बजे से भजन संध्या कार्यक्रम होगा। पिंटू दत्ता ने बताया कि पूजा कार्यक्रम को लेकर के कमेटी के अध्यक्ष घासीराम सिंह व सभी पदाधिकारियों के नेतृत्व में पूजा कमेटी की ओर से व्यापक तैयारियां की गई है। दशहरा उत्सव को सफल बनाने में पूजा कमेटी सहित भिलाई पहाड़ी के समस्त लोगों की अहम योगदान निभा रहे हैं ।

मंत्री जी को मंच पर चढ़ते ही मूसलाधार बारिश हुई

भिलाई पहाड़ी दुर्गा पंडाल के उद्घाटन समारोह सम्पन्न होने के बाद मंत्री राम दास सोरन जी ने जैसे ही मंच पर अपने सम्बोधन के लिए बैठे , इंद्र भगवान ने खुश होकर मुशलाधार बारिश करने लगे । अंततः मंत्री जी श्रद्धालुओं को बिना संबोधन किए ही माते दुर्गा को नमन कर वहां से प्रस्थान कर गए।

परसुडीह थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद की, 49 पेटी विदेशी शराब जब्त किया

जमशेदपुर । परसुडीह पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि झारखण्ड नगर श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज के निकट हनुमान मंदिर के पास राजकुमार नाम का व्यक्ति अपने घर में अवैध रूप् से विदेशी शराब की खरीद बिक्री कर रहा है । उक्त सूचना वरीय पदाधिकारी को दिया गया एंव पुलिस उपाधीक्षक, विधि-व्यवस्था, जमशेदपुर के द्वारा एक छापामारी दल का गठन किया गया। उक्त टीम के द्वारा राजकुमार भगत कस्तुरी भगत झारखंड नगर , नियर एसपी कॉलेज ,थाना-परसुडीह ,जिला-पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर के घर पर छापामारी की गई, तो उसके घर से विभिन्न कम्पनियों के बिकी हेतु अवैध रूप से भण्डारण किया गया जिसके तहत ,कुल-49 पेटी विदेशी शराब को बरामद किया गया।

सीएमडी सीसीएल ने गांधीनगर में दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सीसीएल ने गांधीनगर कॉलोनी में भव्य दुर्गा पूजा पंडाल के उद्घाटन के साथ दुर्गा पूजा के शुभ अवसर का उत्सव मनाया। कला और भक्ति का एक उत्कृष्ट कृति, पंडाल का उद्घाटन सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में किया।

निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान एवं विभागाध्यक्ष (सीसी और पीआर) श्री आलोक कुमार इस अवसर विशेष पर उपस्थित थे । इस अवसर पर बड़ी संख्या में कर्मचारी और आम जनमानस भी उपस्थित थे।

श्री सिंह ने सीसीएल परिवार और सभी उपस्थित लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने

दुर्गा पूजा के महत्व पर जोर दिया, जो बुराई पर अच्छाई की विजय और दिव्य स्त्रीत्व का उत्सव है। उन्होंने कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने में ऐसे सामुदायिक आयोजनों की परंपरा को भी सराहा ।

विगत कई वर्षों गांधीनगर कॉलोनी हर साल एक सुंदर दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित करने की परंपरा रही है, जो यहाँ निवासियों के बीच सामुदायिक भावना और धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देता है। खूबसूरत सजावट, रंगीन रोशनी और माँ दुर्गा के प्रतिमाओं से सजा पंडाल, देखने लायक होता है श्रद्धालुओं के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करता है।

तेलुगु भाषी नवरात्रि में घरों में सजाते हैं गुड़िया और मूर्तियां, विलुप्त होती इस अनोखी परंपरा को बचाने में जुटी है तेलुगु सेना व उसकी महिला विंग

जमशेदपुर । नवरात्रि का त्योहार पूरे भारत के विभिन्न इलाकों में अलग अलग तरीकों से मनाया जाता है.महाराष्ट्र,गुजरात व आस पास के क्षेत्रों में जहां गरबा की धूम रहती है, वहीं बंगाल, झारखंड व आस पास इलाकों में एक से बढकर एक दुर्गा पूजा पंडाल बनाए जाते हैं.कई क्षेत्रों में लोग उपवास करते हैं.वहीं देश के दक्षिण भारत के राज्यों आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों में गुड़ियाओं और मूर्तियों को घरों में सजाने की अनोखी परंपरा है.ये गुड़िया और मूर्तियां इस प्रकार सजाई जाती हैं कि वे पौराणिक कथाओं व अन्य उत्सवों व संस्कृति को दर्शाती हैं.तेलुगु में इसे बोम्माला कोलुवु कहते हैं जिसका अर्थ होता है–खिलौनों का दरबार.

तेलुगु भाषियों के संगठन ऑल इंडिया तेलुगु कमेटी वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य अपनी सहयोगी झारखंड तेलुगु सेना के साथ मिलकर घरों में गुड़िया सजाने की इस अनोखी परंपरा को जीवित रखने के लिए जी-जान से जुटे हुए हैं.आज की पीढ़ी

के अधिकांश बच्चे इस परंपरा को नहीं जानते हैं.इसे जीवित रखने के लिए झारखंड तेलुगु सेना की महिला विंग परंपरा का निर्वाह कर रहे लोगों के बीच एक प्रतियोगिता करवाती है जिसमें प्रतियोगिता की निर्णायक मंडली उन घरों में जाती है जहां गुड़िया व मूर्तियां सजाई जाती हैं और दुर्गा पूजा के बाद विजेताओं को सम्मानित किया जाता है.इस बार झारखंड तेलुगु सेना के संयोजक गोपाल जी के नेतृत्व में तेलुगु सेना की महिला विंग की प्रेसीडेंट विजयलक्ष्मी, रमा और वरिष्ठ पत्रकार बी श्रीनिवास बतौर जज उन घरों का दौरा कर रहे हैं जहां उपरोक्त परंपरा निभाई जा रही है.इस प्रतियोगिता में निम्नलिखित लोग/टीम भाग ले रहे हैं–

1)पी.श्रीनिवास , 2)आंध्र महिला समिति , 3)वी.मोनिका , 4)एके चंद्रलेखा ,

5)जी महालक्ष्मी , 6)गोरथी लक्ष्मी नरसिम्हा।

निर्णायक मंडली में शामिल तेलुगु सेना की महिला विंग की प्रेसीडेंट विजयालक्ष्मी और रमा ने बताया कि परंपरा के तहत सीढ़ीनुमा जगहों पर थीम पर आधारित गुड़िया व मूर्तियां रखी जाती हैं. शादी, कोई अन्य समारोह या कुछ अन्य चीजों को थीम बनाया जाता है,लेकिन हर हाल में सबसे ऊपर की सीढ़ी में भगवान की मूर्तियां रखी जाती हैं.जजों ने बताया कि बेटियां खास तौर पर इस परंपरा में भाग लेती हैं.जिन घरों में इस परंपरा को निभाया जाता है वहां हर हाल में प्रत्येक साल गुड़िया सजाई जाती है.

विलुप्त हो रही है परंपरा, तेलुगु सेना बचाने की कर रही है पहल

ऑल इंडिया तेलुगु कमेटी वेलफेयर एसोसिएशन के तहत कार्यरत झारखंड तेलुगु सेना परंपरा को बचाने की कवायद में जुटी है जिसके तहत उपरोक्त प्रतियोगिता पिछले साल से आयोजित हो रही है.सेना के संयोजक गोपाल का कहना है कि

प्रतियोगिता से लोगों की दिलचस्पी बढ़ती है और इससे ज्यादा से ज्यादा लोग परंपरा से जुडते हैं.निर्णायक मंडली में शामिल बी श्रीनिवास ने बताया कि आज मोबाइल के प्रभाव में बच्चे परंपरा से दूर हो रहे हैं,ऐसे में तेलुगु सेना की यह पहल नई पीढ़ी को अपनी परंपरा से जोड़ने में जरुर सफल होगी.

दुर्गा पूजा, दशहरा, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भईया दूज व छठ महा पर्व के अवसर पर विश्रामपुर नगर परिषद क्षेत्र के तमाम लोगो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

नईमुद्दीन अंसारी
युवा समाजसेवी सह वरीय बसपा नेता
नगर परिषद विश्रामपुर पलामू.

उत्पाद विभाग ने बीएस सिटी थाना क्षेत्र में मारा रेडःजावा महुआ जब्त किया

बोकारोः बोकारो उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश एवं सहायक आयुक्त उत्पाद के मार्गदर्शन में आगामी विधानसभा चुनाव एवं दुर्गा पूजा को देखते हुए जिला उत्पाद टीम ने बीएस सिटी थाना अंतर्गत जटान टोला में छापेमारी अभियान किया। विधिवत तलाशी क्रम में 800 किलो जावा महुआ एवं अवैध चुलाई शराब 100 लीटर बरामद किया। छापेमारी के क्रम में फरार अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया गया है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।